MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । मंगलवार, 07 अप्रैल, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 12 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-94

मुर्गी चौक से जीएचएमसी ने अतिक्रमण हटाया

मुर्गी की तीन टाँग

एमआईएम गुर्गों ने फिर शेड डालकर बसाया

शनिवार

सोमवार

हैदराबाद, 06 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो):

मुर्गी की तीन टाँग वाली कहावत मजलिस पार्टी पर बिल्कुल सटीक बैठती है, क्यूंकि इसके नेता न तो गलत को गलत मानते हैं और न ही अपनी गलती को गलती।

किसी के लाख गलत होने पर भी उसका साथ तो देते ही हैं, अपनी बात सही ठहराने के लिए ये नेता ऐसे-ऐसे तर्क देते हैं कि बोलती ही बंद हो जाती है। चाहे उनकी कितनी ही गलती क्यों न हो, वे मानते ही नहीं। उच्च न्यायालय के आदेश व राज्य सरकार के निर्देश पर शनिवार को पुराने शहर के मुर्गी चौक और रिकाबगंज इलाके में अतिक्रमण हटाने आये जीएचएमसी कर्मचारियों को न केवल अपना काम अधूरा छोडकर जाना पडा, बल्कि कथित एमआईएम नेताओं ने हटाई गयी सभी दुकानों को और मजबूत कर दिया।

एक ही दिन में यहाँ से हटाये गये डब्बों (दुकानों) को रातों-रात टीन का एक जैसा स्थायी ढाँचा खडा कर अगले 50-100 साल का इंतजाम कर दिया।

पहले से ज्यादा अतिक्रमण अब हो गया।कानूनी आदेश और सरकारी फरमान इन नेताओं के लिए कोई मायने नहीं रखते। रातों रात हटाये गये अतिक्रमण को बहाल करने वालों ने ऐसा कर हाईकोर्ट के मुँह पर तो तमाचा मारा ही, उस सरकार को भी उसकी औकात दिखा दी, जो कथित रुप से उनके पैरों की जूती हैं।

शहर के विभिन्न इलाकों में ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम द्वारा चलाए गए व्यापक अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान भारी तनाव और विरोध देखने को मिला था।

नगर निगम ने शहर भर में कुल 798 अतिक्रमण हटाए, जिनमें 340 स्थायी और 458 अस्थायी संरचनाएं शामिल थीं। जहाँ एक ओर शहर के कई हिस्सों में बुल्डोजर चले, वहीं पुराने शहर के मुर्गी चौक और रिकाबगंज में एमआईएम नेताओं के हस्तक्षेप के कारण निगम की कार्रवाई को बीच में ही रोकना पड़ा।

मुर्गी चौक पर शनिवार सुबह उस समय स्थिति तनावपूर्ण हो गई जब स्थानीय व्यापारियों ने भारी मशीनों और पुलिस बल के साथ पहुंचे जीएचएमसी कर्मचारियों का रास्ता रोकने की कोशिश की। देखते ही देखते एमआईएम एमएलसी रहमत बेग और पार्टी नेता व पूर्व कॉर्पोरेटर सोहैल पाशा कादरी मौके पर पहुँच गए।

नेताओं ने निगम कर्मियों को काम रोकने की चेतावनी दी और उन्हें पीछे हटने पर मजबूर कर दिया। हालांकि, तब तक कुछ दुकानों को तोड़ा जा चुका था। इसी तरह, रिकाबगंज में चारमीनार विधायक मीर जुल्फिकार अली ने स्थल का दौरा किया और अधिकारियों से चर्चा की, जिसके बाद वहां की कार्रवाई प्रभावित हुई।

मुर्गी चौक के अलावा, निगम ने शहर के कई प्रमुख मार्गों पर अतिक्रमण हटाया।

इनमें राथीफाइल बस स्टैंड से सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन होते हुए अल्फा होटल तक का मार्ग, राह्लागुडा रोड से शमशाबाद बस स्टॉप तक, शमशाबाद सर्कल में एनएच -44 से राह्लागुडा तक, रिकाबगंज रोड (चारमीनार सर्कल), आरामगढ़ (राजेंद्रनगर सर्कल) और जामबाग हनुमान मंदिर से एमजे मार्केट तक का मार्ग शामिल रहा। मोंडा मार्केट के पास दुकानदारों ने बिना नोटिस कार्रवाई का आरोप लगाते हुए नारेबाजी की और सड़क पर बैठ गए, लेकिन निगम ने पुलिस की मौजूदगी में अभियान पूरा किया।हाईकोर्ट के आदेश पर जारी रहेगा क्लीन-अप अभियान जीएचएमसी कमिश्नर आर.वी. कर्णन ने खुद जामबाग और गोशामहल में अभियान का निरीक्षण किया और अधिकारियों को प्रभावी ढंग से कार्य जारी रखने के निर्देश दिए।

अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यह कार्रवाई माननीय उच्च न्यायालय के निर्देशों और राज्य सरकार के आदेशों के तहत की जा रही है। निगम ने उन दावों को भी खारिज किया, जिनमें कहा गया था कि नोटिस नहीं दिया गया।

अधिकारियों के अनुसार, अतिक्रमणकारियों को पहले ही कई बार चेतावनी दी जा चुकी थी।

अतिक्रमण हटाओ अभियान के अंतर्गत अब तक शमशाबाद सर्किल में 16854 अस्थायी अतिक्रमण हटाये जा चुके हैं, इसी तरह चारमीनार में 1735, राजेंद्रनगर में 4633, अत्तापुर 3759 ,गोशामहल 6193, यूसुफगुड़ा 814 व मेट्टुगुडा 60 अस्थाई व स्थाई ढाँचे हटाये गये।

हिप-हिप यूरेनियम

पायलट था बहाना, परमाणु जखीरा था लूटना : ईरान

नई दिल्ली, 06 अप्रैल (एजेंसियां)।

ईरान के अंदर घुसकर अमेरिकी सेना का ऑपरेशन चर्चाओं में है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने इस ऑपरेशन की तारीफ में कसीदे पढ़े। ट्रंप ने अपने खास अंदाज़ में, सोशल मीडिया पर एक गर्व भरे पोस्ट में ऐलान किया, हमने उसे बचा लिया! उन्होंने इस मिशन की तारीफ करते हुए इसे अमेरिकी इतिहास के सबसे साहसी सर्च एंड रेस्क्यू ऑपरेशनों में से एक बताया।

लेकिन सोमवार को ईरान के विदेश मंत्रालय ने अपने साप्ताहिक प्रेस कॉन्फ्रेंस में ये दावा कर चौंका दिया कि इस आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता है कि अमेरिकी पायलट और दूसरे क्रू मेंबर को रेस्क्यू के बहाने अमेरिका ईरान के एनरिच्ड यूरेनियम पर कब्जा करना चाहता था।

अमेरिका ने डब्ल्यूएसओ (हथियार प्रणाली अधिकारी) को रेस्क्यू करने के लिए मुख्य रूप से ईरान के दक्षिणी इस्फ़हान प्रांत में ऑपरेशन चलाया। इस्फहान में ही ईरान का एक न्यूक्लियर एनरिचमेंट सेंटर है। इस एनरिचमेंट सेंटर पर अमेरिका ने जून 2025 में हमला किया था।

सोमवार को पत्रकारों के साथ बातचीत में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बगाई ने कहा कि ईरान के एनरिच्ड यूरेनियम को चुराने के लिए अमेरिका की एक संभावित योजना के बारे में लगाए जा रहे अनुमान सच हो सकते हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बगाई ने कहा, एक पायलट को बचाने की आड़ में एनरिच्ड यूरेनियम चुराने के उद्देश्य से किए गए किसी धोखे वाले ऑपरेशन की संभावना को किसी भी हाल में नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए।

इस्माइल बगाई ने आगे कहा कि इस ऑपरेशन के संबंध में अभी भी कई सवाल और संदिग्ध परिस्थितियां बनी हुई हैं। उन्होंने बताया कि जिस इलाके में अमेरिकी पायलट के कथित तौर पर मौजूद होने की बात कही जा रही थी, वह कोहगिलुयेह और बोयर-अहमद प्रांत में था, जबकि उस जगह और उस इलाके के बीच काफी दूरी थी, जहां कथित तौर पर अमेरिकी सेना ने ऑपरेशन किया। इसलिए यह संभव है कि तथाकथित पायलट रेस्क्यू ऑपरेशन वास्तव में एनरिच्ड यूरेनियम चुराने के उद्देश्य से किया गया एक धोखे वाला ऑपरेशन था, और इस अनुमान को किसी भी परिस्थिति में खारिज नहीं किया जाना चाहिए।

बगाई ने आगे कहा कि चाहे किसी भी अनुमान पर विचार किया जाए, एक बात जो स्पष्ट है, वह यह है कि इस ऑपरेशन का नतीजा एक शर्मनाक विफलता के अलावा और कुछ नहीं था। ईरानी विदेश मंत्रालय के बयान को मुंबई में ईरान के वाणिज्य दूतावास ने भी साझा किया है।

अमेरिकी एफ-15ई स्ट्राइक ईगल विमान ईरान के दक्षिण-पश्चिमी भाग में कोहगिलुयेह और बोयेर-अहमद प्रांत में गिरा था। ये घटना तब हुई जब शुक्रवार 3 अप्रैल 2026 को ईरानी सेना ने इस विमान को मार गिराया। इसके बाद इस विमान के दो क्रू मेंबर्स (पायलट और डब्ल्यूएसओ) ने विमान से इजेक्ट किया यानी वो विमान को छोड़कर कूद गए। पायलट को क्रैश के तुरंत बाद यानी की कुछ घंटों में रेस्क्यू कर लिया गया। लेकिन विमान का दूसरा सदस्य यानी कि डब्ल्यूएसओ की किसी को कोई खबर नहीं थी। रिपोर्ट के मुताबिक कर्नल रैंक का ये अधिकारी जाग्रोस माउंटेन रेंज में उतरा। ये दूरदराज का एक पहाड़ी इलाका है। ये अधिकारी 36 से 48 घंटों तक ईरानी सेना और स्थानीय मिलिशिया से छिपता रहा। ▶8पर

4 बॉम्बर, 64 फाइटर 48 रिफ्यूलिंग टैंकर और 13 रेस्क्यू एयरक्राफ्ट

ट्रंप की जुबानी ऐतिहासिक मिशन की कहानी

नई दिल्ली, 06 अप्रैल (एजेंसियां)।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि आज वे एक ऐसे मिशन की सफलता का जश्न मनाने के लिए मौजूद हैं, जो सैन्य इतिहास के सबसे बड़े, जटिल और जोखिम भरे कॉम्बैट सर्च एंड रेस्क्यू ऑपरेशनों में से एक था। उन्होंने बताया कि आम तौर पर युद्ध के दौरान जब किसी विमान को दुश्मन इलाके में गिरा दिया जाता है, तो उसे बचाने के लिए इतने बड़े स्तर का ऑपरेशन करना बहुत मुश्किल होता है। कई बार एक या दो लोगों को बचाने के लिए सैकड़ों सैनिकों को जोखिम में डालना पड़ता है, इसलिए ऐसे मिशन अक्सर किए ही नहीं जाते। उन्होंने कहा कि इस मामले में भी बड़ा खतरा था, लेकिन इसके बावजूद मिशन को अंजाम दिया गया और इसमें टीम की क्षमता के साथ-साथ थोड़ी किस्मत ने भी साथ दिया। राष्ट्रपति ट्रंप ने बताया कि गुरुवार देर रात एक अमेरिकी एफ-15 फाइटर जेट ईरान के अंदर दुश्मन इलाके में गिर गया था। यह विमान ऑपरेशन एपिक फ्यूरी के तहत मिशन पर था। ▶8पर

तमिलनाडु में बाप-बेटे की मौत का मामला

पुलिसकर्मियों को डबल फांसी की सजा

मदुरै, 06 अप्रैल (एजेंसियां)।

मदुरै की एक अदालत ने साथानकुलम पुलिस स्टेशन में बाप-बेटे की मौत के मामले में 9 लोगों को फांसी की सजा सुनाई है। इसके अलावा सभी दोषियों पर भारी जुर्माना भी लगाया गया है।

तूतीकोरिन जिले के साथानकुलम के व्यापारी जयराज और उनके बेटे बेनिक्स को 19 जून 2020 को कोरोना काल के दौरान पुलिस ने हिरासत में लिया और बुरी तरह पीटा। इसके बाद 21 जून को दोनों को कोविलपट्टी जेल में रखा गया। 22 जून की रात करीब 9 बजे बेनिक्स की मौत हो गई, जबकि अगली सुबह जयराज की भी मौत हो गई। इस मामले ने पूरे देश में बड़ा हंगामा खड़ा कर दिया। इसके बाद मद्रास हाईकोर्ट की मदुरै बेंच ने खुद संज्ञान लेते हुए पुलिस से रिपोर्ट मांगी। बाद में यह मामला सीबीआई को सौंप दिया गया।

इस मामले में मुख्य अभियुक्त साथानकुलम थाने के इंस्पेक्टर श्रीधर थे। उनके अलावा कई अन्य पुलिसकर्मियों के खिलाफ भी मामला दर्ज किया गया। सभी 10 अभियुक्तों को सस्पेंड कर गिरफ्तार किया गया और मदुरै सेंट्रल जेल में रखा गया। इनमें से एक अभियुक्त पालदुरई की अगस्त 2020 में कोविड से मौत हो गई। सीबीआई ने इस मामले में दो भागों में 2,427 पन्नों की चार्जशीट दाखिल की। केस की सुनवाई मदुरै की फर्स्ट एडिशनल सेशंस कोर्ट में हुई और सभी अभियुक्तों की जमानत याचिकाएं खारिज कर दी गईं। 23 मार्च को अदालत ने सभी अभियुक्तों को दोषी ठहराया और 6 अप्रैल को सजा का एलान किया।

जज मुथुकुमारन ने सजा सुनाने से पहले कई कड़ी टिप्पणियां कीं। उन्होंने कहा, उन्होंने दोनों को मारने के इरादे से ऐसा किया। जब पूछा गया कि इस मामले में किस तरह की सजा दी जानी चाहिए, तो केंद्र सरकार ने कहा कि ज्यादा से ज्यादा सजा दी जानी चाहिए। इसी तरह तमिलनाडु सरकार ने भी कहा कि दोषियों को ज्यादा से ज्यादा सजा दी जानी चाहिए।

जज ने कहा कि यह मानवीय गरिमा का पूरी तरह उल्लंघन है। उन्होंने कहा, कोर्ट इसे यूं ही नजरअंदाज नहीं कर सकता। बदलने का मौका दिए जाने के बाद भी वे नहीं बदले हैं। उन पर इस तरह हमला सिर्फ इसलिए किया गया क्योंकि उन्होंने कोरोना काल में अपनी दुकान (मोबाइल शॉप) खोली थी। अगर मद्रास हाई कोर्ट ने इस केस की खुद संज्ञान लिया नहीं होता, तो यह केस उनके शवों को दफनाने से पहले ही दफना दिया गया होता।

जज ने कहा, उन्होंने निहत्थे लोगों पर हमला किया। उन्हें माफ नहीं किया जाना चाहिए। उम्र या पारिवारिक पृष्ठभूमि के आधार पर उन्हें कम सजा नहीं दी जानी चाहिए। वे सभी शिक्षित हैं। ▶8पर

अग्रवाल समाज तेलंगाना ने AGM मतदान प्रक्रिया के लिए चैयरमेन नियुक्त किया

हैदराबाद। अग्रवाल समाज तेलंगाना (पंजीकृत) ने अपनी आगामी वार्षिक आम बैठक (AGM) के मतदान की प्रक्रिया के संचालन हेतु डॉ. मोहन गुप्ता को चैयरमेन नियुक्त किया है।

यह एजीएम 12 अप्रैल 2026 को बांटिया गार्डन, सिकंदराबाद में आयोजित होगी। अपने दायित्व के तहत, डॉ. गुप्ता मतदान प्रक्रिया को निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से संपन्न कराने के लिए उत्तरदायी होंगे।

उन्हें यह अधिकार भी प्रदान किया गया है कि वे प्रक्रिया के संचालन हेतु अपनी पसंद से एक समिति का गठन करें।

संस्था ने आश्वासन दिया है कि इस प्रक्रिया को सफलतापूर्वक संपन्न करने के लिए हर संभव सहयोग और सहायता प्रदान की जाएगी।

यह नियुक्ति अग्रवाल समाज तेलंगाना की पारदर्शिता और सुशासन के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

जारीकर्ता:
अग्रवाल समाज तेलंगाना (पंजीकृत)
मानद सचिव 0 विकास कुमार केशान

Advt.

कार्टून कॉर्नर

नवजोत कौर सिद्धू ने बनाई नई पार्टी

चंडीगढ़, 06 अप्रैल(एजेंसियां)।

कांग्रेस से निष्कासन के बाद भाजपा में शामिल होने की अटकलों के बीच डॉ. नवजोत कौर सिद्धू ने बड़ा राजनीतिक कदम उठाते हुए अपनी नई पार्टी का ऐलान कर दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा कर भारतीय राष्ट्रवादी पार्टी के गठन की घोषणा की।

अपने बयान में नवजोत कौर सिद्धू ने कहा कि मौजूदा राजनीतिक नेतृत्व के कामकाज का गहराई से मूल्यांकन करने के बाद एक राष्ट्रीय स्तर पर नया विकल्प तैयार करने की दिशा में काम किया गया है। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य देश और लोगों की सेवा करना है तथा जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरना है। ▶8पर

टीएमसी के नेतृत्व में विपक्ष को झटका

ज्ञानेश के खिलाफ महाभियोग खारिज

नई दिल्ली, 06 अप्रैल(एजेंसियां)।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव खारिज कर दिया गया है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने 130 सांसदों द्वारा हस्ताक्षरित उस प्रस्ताव नोटिस को स्वीकार करने से इनकार कर दिया है, जिसमें ज्ञानेश कुमार को भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त पद से हटाने की मांग की गई थी। मालूम हो कि कुछ दिनों पहले टीएमसी की अगुआई में ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पेश किया गया था। भारत में मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पेश करने का यह पहला मामला था। 12 मार्च को तृणमूल कांग्रेस ने 10 पन्नों से ज्यादा की नोटिस में ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने जाने के 7 कारणों का जिक्र किया गया था। इन 7 बिंदुओं में बिहार की एसआईआर प्रक्रिया का ज़िक्र किया गया है। लोगों के वोटिंग के अधिकार को छीनने की बात भी की गई है। साथ ही कुछ ▶8पर

फूड सेफ्टी डे : पेद्दापल्ली में ईट राइट अवेयरनेस वॉकथॉन का आयोजन

पेद्दापल्ली, 06 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो) । पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन प्रोग्रेस प्लान के तहत आज खदख ग्राउंड से डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल पेड्डापल्ली तक ईट राइट (सही खाना) अवेयरनेस वॉकथॉन आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन डिस्ट्रिक्ट मेडिकल और हेल्थ ऑफिसर डॉ. के. प्रमोद कुमार ने किया।डॉ. प्रमोद कुमार ने बताया कि स्वास्थ्य सप्ताह के अंतर्गत 6 से 11 अप्रैल तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं और आज फूड सेफ्टी डे मनाया गया। उन्होंने कहा कि हॉस्टल व होटलों में फूड हैंडलर्स के लिए प्रशिक्षण और फूड रजिस्ट्रेशन मेले भी आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने स्वस्थ जीवन के लिए समय पर और उचित मात्रा में संतुलित आहार लेने, जंक फूड से बचने, कम नमक व कम चीनी उपयोग करने तथा रोज़ाना फल और सब्ज़ियों को आहार में शामिल करने की सलाह दी। साथ ही खाना पकाने में तेल की अधिक मात्रा से बचने और रोज़ाना कम से कम 30 मिनट एक्सरसाइज़ या वॉक करने पर बल दिया ताकि डायबिटीज़, हाई ब्लड प्रेशर, कैंसर, मोटापा, कुपोषण व एनीमिया जैसी नॉन-कम्युनिकेबल बीमारियों से बचा जा सके।कार्यक्रम में प्रोग्राम ऑफिसर डॉ. आर. राजामौली, म्युनिसिपल कमिश्नर अकुला वेंकटेश, इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी की डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट कावेती राजगोपाल, लायंस क्लब के सदस्य बोडाकुंटा रामकृष्ण, मीचला सत्यनारायण, रेकुलपल्ली शशांक (वॉकर एसोसिएशन अध्यक्ष), कोट्टे लक्ष्मैया के साथ-साथ मेडिकल ऑफिसर्स डॉ. श्रवण, डॉ. ममता, डॉ. संयुक्ता, झक्कु राघवपुर व पीएचसी रागिनेडु के स्टाफ़, यूपीएचसी पेद्दापल्ली के एएनएम, आशा कार्यकर्ता, अन्य मेडिकल स्टाफ और कस्तूरीबा तथा माइनॉरिटी गुरुकुल गर्ल्स स्कूल की छात्राएँ शामिल रहीं।

बाबू जगजीवन राम की 118वीं जयंती मंदामारी में धूमधाम से मनाई गई

मंचेरियाल, 06 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो) । दलित अधिकारों के प्रवक्ता एवं पूर्व उपप्रधानमंत्री डॉ. बाबू जगजीवन राम की 118वीं जयंती रविवार को मंदामारी कस्बे के आरटीसी बस स्टैंड परिसर में भावभीनी और धूमधाम से मनाई गयी। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक समुदायों के नेता कार्यक्रम में शामिल हुए।कार्यक्रम की शुरुआत अंबेडकर युवा संघ के संयोजक मोय्या रामबाबू और वरिष्ठ कांग्रेस नेता सतकु सुदर्शन द्वारा बाबू जगजीवन राम की प्रतिमा/चित्र पर माल्यार्पण से हुई। इसके बाद कस्बे के पिछड़ा वर्ग समुदाय के अध्यक्ष सकीनाला शंकर और अल्पसंख्यक नेता खालीमुद्दीन केक काटकर समारोह का संचालन किया। लीडकैप जिला अध्यक्ष कोलुगुरी विजय कुमार ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

समारोह में संबोधन देते हुए सतकु सुदर्शन ने कहा कि जगजीवन राम का जीवन हर भारतीय के लिए आदर्श था और दलित अधिकारों के लिए उनका संघर्ष अभूतपूर्व रहा। मोय्या रामबाबू ने इंदिरा गांधी मंत्रिमंडल में उनके द्वारा किसानों और कमजोर वर्गों के लिए किए गए प्रयासों को याद किया। कार्यक्रम में तुंगपिंडी शंकर, अयिंदला सागर, दासारी राजनारसु, बिदुनुरी शंकर, उप्पुलेती नरेश, नेरुवतला श्रीनिवास, जीदी सारंगम सहित कई दलित नेताओं ने भाग लिया।

चेन्नूर में शी टीम का छात्राओं के लिए विशेष जागरूकता व काउंसलिंग कार्यक्रम

मंचेरियाल, 06 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो) । छात्राओं में आत्मविश्वास बढ़ाने और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए चेन्नूर में शी टीम ने एक विशेष जागरूकता एवं काउंसलिंग कार्यक्रम आयोजित किया। यह पहल रामगुंडम पुलिस कमिश्नर अंबर किशोर झा के निर्देश पर, मंचेरियल डीसीपी ए. भास्कर के पर्यवेक्षण में संपन्न हुई।

हाल ही में हुई कुछ दुखद घटनाओंएक छात्रा की जहरीला पदार्थ सेवन से मृत्यु और दूसरी का आत्महत्या प्रयासके मद्देनज़र यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। सीआई बंसीलाल और शी टीम के अधिकारियों ने छात्राओं को मानसिक रूप से मजबूत रहने, असफलताओं को सीख के रूप में लेने और समस्याएँ दोस्तों व शिक्षकों से साझा करने की सलाह दी।

कार्यक्रम में योग, ध्यान और श्वास अभ्यास के माध्यम से तनाव कम करने के तरीके बताए गए और सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग, अनजान लोगों से दूरी बनाए रखने तथा व्यक्तिगत जानकारी साझा न करने पर जोर दिया गया। आपात स्थिति में डायल 100, शी टीम हेल्पलाइन और साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 पर संपर्क करने की जानकारी भी दी गयी। कार्यक्रम में शी टीम स्टाफ, स्कूल शिक्षक और छात्राएँ उपस्थित रहीं।

मंचेरियाल में भाजपा का स्थापना दिवस मनाया गया

मंचेरियाल, 06 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो) । भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस के अवसर पर आज मंचेरियाल जिला मुख्यालय के मुख्य चौक पर पार्टी का ध्वज फहराया गया और मिठाई वितरित की गई। कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ नेता मुल्कल्ला मल्लारेड्डी ने अल्पसंख्यक भाजपा नेता ताज के नेतृत्व में ध्वजारोहण किया।

इस मौके पर भाजपा के वरिष्ठ नेता मुन्ना राजा सिसोदिया और तुला मधुसूदन राव ने संबोधित करते हुए कहा कि भले ही वर्तमान रूप में पार्टी की स्थापना 1980 में हुई थी, इसकी जड़ें 1951 में श्यामा प्रसाद मुखर्जी द्वारा स्थापित जनसंघ तक चली जाती हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रवाद पर आधारित यह पार्टी देश के भविष्य, जनता के हित, सुरक्षा, संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण तथा बहुसंख्यक जनता के अधिकारों की रक्षा के लिए काम करती रही है।

कोरुटला के हज़ार साल पुराने किलो पर कब्ज़ा रोकने की मांग

लोगों ने अधिकारियों से तुरंत कार्रवाई की अपील की

जगतियाल, 06 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो) । कोरुटला के लोग हज़ार साल पुराने ऐतिहासिक किलो और उनके आस-पास की जमीनों पर बढ़ती लैंड माफिया की कोशिशों से चिंतित हैं और तत्काल, सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। लोगों का आरोप है कि नकली दस्तावेजों व संदिग्ध वीएलटी जारी कर किलों के आस-पास की गांव की जमीनों को निजी संपत्ति में बदला जा रहा है, जिससे ऐतिहासिक धरोहर और स्थानीय आबादी की जमीनों का नुकसान हो सकता है।

हेरिटेज डिपार्टमेंट, जो 1914 से राज्य के 346 से अधिक संरक्षित स्मारकों और 14 म्यूज़ियम का प्रबंधन करता है, इस मामले में चुप्पी बनाए हुए है, जिससे स्थानीय लोगों में असंतोष और शंकाएँ बढ़ रही हैं। कोरुटला निवासी सवाल कर रहे हैं कि क्या वीएलटी (वर्गीकृत/कानूनी दस्तावेज) असली हैं या नकली, और कैसे ग्राम प्रधान की जमीनों पर ऐसे दस्तावेज जारी किए गए।

स्थानीय लोगों का कहना है कि गाड़ी बुरुजुल जैसे किले केवल ढांचे नहीं, बल्कि शहर के हज़ार साल के शहरी इतिहास की प्रतीक हैं। अगर इन्हें संरक्षित नहीं रखा गया और अवैध कब्ज़े की अनुमति दी गई, तो आने वाली पीढ़ियों के लिए संवैधानिक व सांस्कृतिक हानि होगी। इसलिए वे मांग कर रहे हैं कि-

-संदिग्ध वीएलटी और नकली दस्तावेजों की फौरन सत्यापन हेतु पूरी जांच कराई जाए।

-जिन भी भूमि रजिस्ट्रियों में गड़बड़ी पाई जाए, उन्हें रद्द कर दिया जाए।

-किलों व आसपास के प्लॉटों पर हुए किसी भी अतिक्रमण को हटाया जाए।

हेरिटेज डिपार्टमेंट और नगर पालिका द्वारा किले व ऐतिहासिक स्थलों की सुरक्षा के लिए त्वरित प्रोटेक्शन योजना लागू की जाए।

शिकायतों के मद्देनजर जगतियाल जिले के प्रतिनिधियों ने प्रजावणी दरबार में एक याचिका सौंपकर हेरिटेज की रक्षा की मांग की। इस याचिका को अतिरिक्त अधिकारी बी. राजा गौड़ को सौंपा गया है और निवेदकों ने जल्द से जल्द जवाब व कार्रवाई की अपेक्षा जताई है।

स्थानीय लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि अधिकारियों से संतोषजनक जवाब व कार्रवाई नहीं हुई तो वे शांतिपूर्ण सार्वजनिक आंदोलन सहित अन्य लोकतांत्रिक तरीकों का सहारा लेंगे, ताकि कोरुटला के ऐतिहासिक किलों और गांव की जमीनों की रक्षा हो सके।

पेद्दापल्ली में ग्रामीण महिलाओं के लिए मग्गम कार्य प्रशिक्षण बैच शुरू

पेद्दापल्ली, 06 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

पेद्दापल्ली में आरएसईटीआई (ग्रामीण स्व-रोजगार प्रशिक्षण संस्थान) के तत्वावधान में ग्रामीण महिलाओं के लिए मग्गम कार्य प्रशिक्षण का नया बैच शुरू किया गया, जिसमें कुल 35 उम्मीदवार भाग ले रही हैं। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जिला ग्रामीण विकास संगठन की परियोजना निदेशक श्रीमती कालंदिनी गारू रहीं। अतिरिक्त परियोजना निदेशक श्री रविंदर गारू और जिला परियोजना प्रबंधक श्री वेंकट रमना गारू भी उपस्थित थे।

परियोजना निदेशक ने कहा कि महिलाओं को कौशल विकसित कर स्वरोजगार के माध्यम से आर्थिक रूप से सशक्त बनना चाहिए। उन्होंने बताया कि मग्गम कार्य प्रशिक्षण महिलाओं को घर से रोजगार के अवसर प्रदान करेगा। आरएसईटीआई पेद्दापल्ली के निदेशक श्री परिषा राकेश ने बताया कि प्रशिक्षण के साथ-साथ साक्षरता विकास एवं उद्यमिता विकास कक्षाएं भी चलायी जाएंगी ताकि प्रतिभागियों को स्वरोजगार आरंभ करने के लिये समग्र मार्गदर्शन मिल सके। कार्यक्रम में आरएसईटीआई के कर्मचारी और प्रशिक्षक मौजूद थे।

छात्राओं के साथ भोजन कर पुलिस अधिकारियों ने बढ़ाया हौसला

मंचेरियाल, 06 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। छात्राओं में आत्मविश्वास बढ़ाने और पुलिस के प्रति विश्वास मजबूत करने के उद्देश्य से चेन्नूर सर्किल इंस्पेक्टर आर. कृष्ण और कोटापल्ली एसआई राजशेखर ने एक सराहनीय पहल की। सोमवार को उन्होंने कोटापल्ली स्थित सरकारी ट्राइबल वेलफेयर गर्ल्स हॉस्टल का दौरा किया और छात्राओं के साथ मिलकर भोजन किया।

इस दौरान सीआई कृष्ण ने छात्राओं से संवाद करते हुए कहा कि परीक्षा को लेकर अनावश्यक चिंता करने की जरूरत नहीं है। उन्होंने छात्रों को असफलता से घबराने के बजाय उसे स्वीकार कर आगे बढ़ने की सलाह दी। साथ ही आत्महत्श्चत जैसे कदमों से दूर रहने की अपील करते हुए कहा कि हर समस्या का समाधान होता है।

अधिकारियों ने हॉस्टल में भोजन व्यवस्था का निरीक्षण किया और छात्राओं के साथ बैठकर भोजन किया। बाद में छात्राओं को पेन और चॉकलेट वितरित किए गए। छात्राओं को किसी भी समस्या की स्थिति में तुरंत पुलिस से संपर्क करने की सलाह देते हुए महिला पुलिस कर्मियों के फोन नंबर भी उपलब्ध कराए गए। उन्होंने भरोसा दिलाया कि पुलिस हमेशा उनकी मदद के लिए तैयार है।

इस कार्यक्रम में एसआई राजशेखर, स्कूल प्रिंसिपल, शिक्षक, महिला कांस्टेबल और छात्राएं मौजूद रहीं।

याचिकाओं का शीघ्र निपटारा सुनिश्चित करें : कोया श्री हर्ष

पेद्दापल्ली, 06 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कलेक्टर कोया श्री हर्ष ने अधिकारियों को याचिकाओं का त्वरित निपटारा करने, पब्लिक सर्विस आवेदनों को प्राथमिकता देने और उन्हें लंबित न रखने के सख्त निर्देश दिए।

सोमवार को इंटीग्रेटेड डिस्ट्रिक्ट कलेक्ट्रेट में आयोजित पब्लिक सर्विस कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर ने लोगों से आवेदन प्राप्त किए। पेद्दापल्ली शहर के राजीव नगर निवासी आर. राधा ने डबल बेडरूम घर के लिए आवेदन किया, तो कलेक्टर ने पीडी हाउसिंग और तहसीलदार को पत्र लिखकर आवश्यक कदम उठाने को कहा।

इसी क्रम में अंतरगांव मंडल के विसमपेटा गांव की पी. किट्टय्या ने इंदिरम्मा हाउस के लिए आवेदन किया। उन्होंने बताया कि वे बकरियां पालकर गुजारा कर रही हैं। कलेक्टर ने पीडी हाउसिंग को निर्देश दिए। कार्यक्रम में संबंधित जिला अधिकारी भी उपस्थित रहे।

भाजपा स्थापना दिवस मनाया, राष्ट्र निर्माण का संकल्प दोहराया

मंचेरियाल, 06 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। 58 डिवीजन कॉर्पोरेटर बोटला अनिता, भाजपा सीनियर नेता प्रकाश शर्मा, सागर शर्मा, बोटला सत्यम, विजय, अक्षय एवं अन्य कार्यकर्ताओं ने पार्टी की स्थापना दिवस पर सभी कार्यकर्ताओं को हार्दिक शुभकामनाएं दीं।उन्होंने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के राष्ट्रवादी चिंतन से प्रेरित भारतीय जनता पार्टी की स्थापना केवल राजनीतिक घटना नहीं, बल्कि राष्ट्र पुनर्निर्माण का संकल्प था। अंतिम व्यक्ति के कल्याण की भावना से शुरू हुई भाजपा ने मोदी जी के नेतृत्व में 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' का मंत्र साकार किया है।

भाजपा ने लोकतंत्र की जड़ें मजबूत कीं, तुष्टीकरण से मुक्ति दिलाई तथा सुशासन व पारदर्शिता स्थापित की। आज यह 140 करोड़ देशवासियों के सपनों की प्रतिनिधि बन चुकी है।

सूर्य गोचर मेष राशि में, मेष, मिथुन समेत अन्य राशियों को बुधादित्य योग के प्रभावशाली संयोग से मिलेगा लाभ

सूर्य गोचर मेष राशि में 14 अप्रैल, मंगलवार को होने जा रहा है। सूर्य अपनी उच्च राशि में प्रवेश करेंगे। वहीं, यहां पहले से शुक्र मौजूद हैं। ऐसे में सूर्य और शुक्र की युति से शुक्रादित्य योग का शुभ संयोग बनेगा। वहीं, 30 अप्रैल, गुरुवार को मेष राशि में बुध प्रवेश करेंगे जिससे बुधादित्य योग का प्रभावशाली और लाभदायक संयोग बनेगा। जिससे विशेष रूप से मेष, मिथुन सहित 5 राशियों को फायदा होगा। इन्हें करियर, सरकारी कार्यों, व्यापार आदि क्षेत्रों में लाभ मिलेगा। सूर्य को नेतृत्व, आत्मविश्वास, पिता, प्रतिष्ठा आदि का प्रतीक माना गया है। ऐसे में सूर्य के उच्च राशि में प्रवेश करने से इन राशियों के मान-सम्मान में वृद्धि होगी और प्रभाव भी बढ़ेगा।

मेष राशि : मान-सम्मान और नेतृत्व क्षमता बढ़ेगी

सूर्य गोचर मेष राशि के लग्न भाव में होने जा रहा है। जो आपके लिए अत्यंत शुभ और लाभदायक साबित हो सकता है। सूर्यदेव के अपनी उच्च राशि में गोचर करने से आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। साथ ही, नेतृत्व की क्षमता भी बढ़ेगी। कार्यक्षेत्र में वाणी का प्रभाव अधिक रहेगा। करियर के क्षेत्र में सफलता के नए मार्ग मिलेंगे। समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा और प्रसिद्धि में भी वृद्धि होगी। वहीं, परिवार में संतान की ओर से सुख प्राप्त होने की संभावना है। शिक्षा के क्षेत्र में भी आप अच्छे अवसर प्राप्त कर सकते हैं और नतीजे भी सकारात्मक देखने को मिलेंगे। लव लाइफ सुखद रहेगी, आप एक दूसरे की भावनाओं को अच्छी तरह समझेंगे।

मिथुन राशि : आय में वृद्धि के संकेत

सूर्य का गोचर मिथुन राशि के जातकों के लिए एकादश भाव में होने जा रहा है। जिसे लाभ, इच्छापूर्ति, आय आदि का स्थान माना गया है। ऐसे में आपको इन क्षेत्रों में लाभ मिल सकता है। व्यापार से जुड़े लोगों को लाभ मिलने के संकेत हैं। आपके संपर्कों में भी वृद्धि आएगी। साथ ही, आय बढ़ने के नए मार्ग प्रशस्त होंगे। इसी के चलते मन प्रसन्न रहेगा। समाज में आपका सम्मान बढ़ेगा और प्रभाव में भी वृद्धि होगी। कार्यस्थल पर सहकर्मियों के साथ संबंध अच्छे बने रहेंगे, जिसका आपको लाभ भी मिलेगा। सरकारी क्षेत्र से जुड़े मामलों में लाभ मिलने की संभावना है। आय में वृद्धि के संकेत हैं और कोई पुरानी इच्छा भी पूरी हो सकती है।

कर्क राशि : नौकरी में पदोन्नति के योग

आपकी राशि से दशम भाव में सूर्य का गोचर होने जा रहा है। यह अवधि कर्क राशि के जातकों के लिए शुभ लाभकारी रहने वाली है। सूर्य का गोचर दशम भाव में होने से नौकरी करने वालों के लिए यह अवधि अच्छी रहने वाली है। पदोन्नति के शुभ योग बनने की संभावना है और अधिकारों में वृद्धि हो सकती है। वरिष्ठ अधिकारियों के साथ संबंध बेहतर होंगे और आपको सरकारी क्षेत्र से संबंधित कामों में भी अच्छे परिणाम प्राप्त होने की संभावना है। सूर्य के गोचर से व्यापार करने वालों को विशेष लाभ मिल सकता है। आप अपने व्यवसाय के विस्तार या नए निवेश को लेकर विचार बना सकते हैं। वाहन संबंधी सुख की प्राप्ति के योग बने हुए हैं और जो लोग सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे हैं उनके लिए भी यह गोचर शुभ रहेगा।

सिंह राशि : सरकारी क्षेत्र में लाभ होगा

सूर्य का गोचर सिंह राशि से नवम भाव में होने जा रहा है। यह गोचर आपके लिए बेहद उत्तम रहेगा क्योंकि, सिंह सूर्य की अपनी राशि है और सूर्य अपनी उच्च राशि में प्रवेश कर रहे हैं। ऐसे में आपके भाग्य भाव में इस गोचर से सरकारी क्षेत्र के लिए यह अवधि शुभ रहेगी। आपको इससे संबंधित कार्यों में पॉजिटिव रिजल्ट देखने को मिलेंगे। किसी धार्मिक यात्रा पर जाने का संयोग भी बन सकता है और सामाजिक कार्यक्रम में शामिल हो सकते हैं। करियर के क्षेत्र में भी सूर्य गोचर प्रभावशाली रहेगा और आपको अच्छे मौके प्राप्त होंगे। वाहन संबंधी सुख मिलने के संकेत हैं। आर्थिक लाभ के मौके मिलेंगे, जिससे मन प्रसन्न रहेगा।

मकर राशि : करियर में मिलेंगे नए अवसर

आपकी राशि से चतुर्थ भाव में सूर्य का गोचर होने जा रहा है। यह अवधि मकर राशि के लिए अनुकूल रहेगी। आपके मान-सम्मान में वृद्धि होगी और कोई विशेष पुरस्कार के प्राप्त होने की संभावना बनी हुई है। पैतृक संपत्ति संबंधी मामलों में लाभ मिलने के संकेत हैं। वहीं, सरकारी क्षेत्र से जुड़े कामों में भी अच्छे परिणाम देखने को मिलेंगे। नौकरी करने वालों की आय में वृद्धि हो सकती है और पदोन्नति के संकेत भी मिल रहे हैं। सूर्य का गोचर करियर के मामले में शुभ रहेगा। आपको नए अवसर प्राप्त हो सकते हैं और वाहन सुख के भी संकेत हैं। व्यापार करने वालों को लाभ के अवसर प्राप्त हो सकते हैं।

हिंदू धर्म में क्यों लगाया जाता है तिलक?

क्या है इसके पीछे की धार्मिक और वैज्ञानिक कारण जानें विस्तार से

हिंदू धर्म में प्राचीन काल से ही तिलक लगाने की परंपरा है। माथे के बीच में लगाए जाने वाले छोटे से इस निशान को बेहद शुभ और महत्वपूर्ण माना जाता है। इसे सिर्फ आस्था का प्रतीक नहीं है बल्कि ऊर्जा का केंद्र भी माना जाता है। यज्ञ, हवन और अन्य धार्मिक अनुष्ठानों के दौरान तिलक लगाने को आवश्यक माना जाता है। कहते हैं इसके बिना पूजा का पूर्ण फल प्राप्त नहीं होता है। पूजा में पहले भगवान को तिलक लगाया जाता है, फिर खुद को लगाया जाता है। वहीं, किसी शुभ कार्य के लिए घर से निकलते समय भी तिलक लगाने की परंपरा है।

तिलक लगाने का महत्व

तिलक को ज्योतिष शास्त्र में आध्यात्मिक शक्ति को स्त्रोत माना जाता है। तिलक को आज्ञा चक्र पर लगाया जाता है। भौंहों के मध्य वाले भाग को आज्ञा चक्र कहा जाता है। इसे ज्ञान और चेतना का केंद्र माना जाता है। आज्ञा चक्र हमारे सोचने और निर्णय लेने की क्षमता को प्रभावित करता है।

इस स्थान पर तिलक लगाने से एकाग्रता बढ़ती है और स्मरण शक्ति तेज होती है। विज्ञान के लिहाज से यह भाग बेहद महत्वपूर्ण होता है। इस स्थान पर दबाव पड़ने से तंत्रिका तंत्र को सक्रिय किया जा सकता है।

तिलक कितने प्रकार के होता है?

वैष्णव तिलक – वैष्णव तिलक को भगवान विष्णु और भगवान श्री कृष्ण के भक्त अधिक लगाते हैं। यह तिलक दो ऊर्ध्व धर रेखाओं से बनता है। आसान शब्दों में कहें तो अंग्रेजी वर्णमाला के ण आकार में लगाया जाता है। इसे गोपी चंदन से लगाना शुभ माना जाता है।

शैव तिलक (त्रिपुंड) – भगवान शिव के भक्त त्रिपुंड या शिव तिलक लगाते हैं। चंदन या भस्म से माथे पर तीन रखाएं बनाई जाती हैं। इसे हमेशा तरजनी, मध्यमा और अनामिका उंगली की सहायता से लगाया जाता है। मान्यता है कि त्रिपुंड में 27 देवताओं का वास होता है।

शाक्त तिलक – देवी दुर्गा या शक्ति की उपासना करने वाले भक्त शाक्त तिलक लगाते हैं। इसे अकसर लाल सिंदूर या कुमकुम से लगाया जाता है। इस तिलक को शक्ति और सुरक्षा का प्रतीक माना जाता है। इसका आकार गोल होता है।

तिलक लगाने के लाभ

माथे पर लाल चंदन का तिलक लगाने से कुंडली में सूर्य और मंगल ग्रह मजबूत होते हैं।

तिलक गर्मी को कम करने में मदद करता है, तनाव और सिरदर्द से राहत देता है।

मां दुर्गा और देवी लक्ष्मी की पूजा में लाल चंदन का प्रयोग करने से घर से दरिद्रता दूर होती है।

हल्दी का तिलक लगाने से कुंडली में गुरु मजबूत होता है जिससे सुख-समृद्धि प्राप्त होती है।

हल्दी का तिलक लगाने से आर्थिक परेशानियों से छुटकारा मिलता है।

भस्म का तिलक नकारात्मक ऊर्जा से बचाव कर सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करता है।

शरीर के चक्रों और न्यूरॉन्स को एक्टिव करता है ओम

सनातन धर्म में 'ओम' का बेहद महत्व है। किसी भी मंत्र का जाप हो या ध्यान लगाना, इसका उच्चारण सिर्फ आध्यात्मिक महत्व नहीं रखता, बल्कि यह स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद है। 'ओम' का उच्चारण शरीर के सातों चक्र को सक्रिय करता है, न्यूरॉन्स को जागृत करता है और पूरे तंत्रिका तंत्र पर सकारात्मक प्रभाव डालता है। वैज्ञानिक अध्ययनों और स्वास्थ्य विशेषज्ञों की राय से अब यह साबित हो रहा है कि 'ओम' की ध्वनि कंपन (वाइब्रेशन) तनाव कम करने, मन शांत करने और शारीरिक स्वास्थ्य सुधारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। 'ओम' को प्राचीन भारतीय ज्ञान में 'जागृति की ध्वनि' या 'प्रथम ध्वनि' कहा जाता है। इसे ब्रह्मांड की मूल आवाज माना जाता है। 'अ+उ+म' के मिलने से बना यह शब्द तीन अक्षरों वाला नहीं, बल्कि ढाई अक्षरों वाला 'ओंकार' या 'प्रणव' है, जिसमें पूरे ब्रह्मांड का सार समाया हुआ है।

'ओम' का जाप ध्वनि कंपन पर आधारित है। जब 'ओम' का लंबा और गहरा उच्चारण करते हैं, तो यह शरीर में विशेष प्रकार के वाइब्रेशन पैदा करता है। ये कंपन नर्वस सिस्टम, चक्रों और मस्तिष्क के न्यूरॉन्स को सक्रिय करते हैं। इससे मन शांत होता है, एकाग्रता बढ़ती है और शरीर में स्थिरता का अनुभव होता है।

शरीर में सात चक्र होते हैं, जिनमें मूलाधार चक्र रीढ़ के आधार पर, स्वाधिष्ठान चक्र नाभि के नीचे, मणिपुर चक्र नाभि के ऊपर, और अनाहत चक्र हृदय क्षेत्र में होते हैं। वहीं, विशुद्ध चक्र गले में, आज्ञा चक्र भौंहों के बीच, और सहस्रार चक्र सिर के ऊपर स्थित होते हैं। ओम के उच्चारण से ये चक्र एक्टिव होते हैं।

अमेरिका की नेशनल लाइब्रेरी ऑफ साइंस में प्रकाशित एक अध्ययन में 'ओम' के जाप के प्रभाव को वैज्ञानिक तरीके से जांचा गया। इस शोध में योग करने वाले और कुछ योग न करने वाले लोगों को शामिल किया गया। दोनों समूहों से 5 मिनट तक 'ओम' का जाप करवाया गया और उनकी हार्ट रेट वेरिएबिलिटी को मापा गया। परिणामों से पता चला कि 'ओम' का जाप ऑटोनॉमिक नर्वस सिस्टम पर सकारात्मक असर डालता है। यह तंत्र दिल की धड़कन और सांस लेने की प्रक्रिया को नियंत्रित करता है। अध्ययन में दोनों समूहों में तनाव कम होने और शरीर के संतुलन में सुधार देखा गया।

हेल्थ एक्सपर्ट के अनुसार, सुबह के समय 'ओम' का जाप करने से दिल और फेफड़े स्वस्थ रहते हैं। धीरे-धीरे सांस लेते हुए 'ओम' का उच्चारण और फिर सांस छोड़ने की प्रक्रिया वेगस नर्व को मजबूत करती है। वेगस नर्व दिल, फेफड़ों और पाचन तंत्र को नियंत्रित करती है। जब यह नर्व सक्रिय होती है तो तनाव कम होता है, सांस लेने की क्षमता बढ़ती है और पूरा शरीर जागृत एवं संतुलित महसूस होता है। 'ओम' का कंपन इस नर्व को उत्तेजित करता है, जिससे शरीर में शांति और स्थिरता बढ़ती है।

'ओम' की ध्वनि शरीर के सात मुख्य चक्रों को सक्रिय करने के साथ ही विशेष रूप से मस्तिष्क के न्यूरॉन्स को उत्तेजित करती है, जिससे एकाग्रता, याददाश्त और मानसिक स्पष्टता बढ़ती है। नियमित अभ्यास से तनाव, चिंता और नींद की समस्या भी कम होती है।

अब सवाल है कि ओम का जाप कैसे करें? तो इसके लिए सुबह खाली पेट या ध्यान के समय धीरे-धीरे गहरी सांस लें, 'ओम' का लंबा उच्चारण करें, और फिर धीरे से सांस छोड़ें। जितना लंबा और गहरा जाप करेंगे, उतना ही अधिक लाभ मिलेगा। 'ओम' सिर्फ धार्मिक नहीं, बल्कि वैज्ञानिक रूप से भी शरीर और मन दोनों को स्वस्थ रखने का सरल और प्रभावी तरीका है। नियमित अभ्यास से चक्र सक्रिय होते हैं, न्यूरॉन्स जागृत होते हैं, और जीवन में शांति व संतुलन बढ़ता है।

घर के मुख्य द्वार पर जूते-चप्पलों का ढेर बन सकता है आर्थिक संकट का कारण

सुख-समृद्धि के लिए तुरंत सुधारें ये प्रमुख वास्तु दोष

घर की व्यवस्था और वास्तु का सीधा संबंध जीवन की सुख-शांति और आर्थिक स्थिति से जुड़ा हुआ माना जाता है। पारंपरिक मान्यताओं के अनुसार, यदि घर की बनावट और वस्तुओं का स्थान सही दिशा और नियमों के अनुसार हो, तो सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बना रहता है और जीवन में उन्नति के रास्ते खुलते हैं। लेकिन कई बार अनजाने में की गई छोटी-छोटी गलतियां धीरे-धीरे बड़ी परेशानियों का कारण बन जाती हैं। यही कारण है कि कुछ सामान्य दिखने वाले वास्तु दोष भी घर की आर्थिक स्थिति को प्रभावित कर सकते हैं। समय रहते इन दोषों को पहचानकर सुधार लेना आवश्यक होता है।

मुख्य द्वार की स्वच्छता और व्यवस्था का महत्व

घर का मुख्य द्वार केवल प्रवेश का स्थान नहीं होता, बल्कि इसे ऊर्जा का मुख्य स्रोत माना जाता है। जब मुख्य द्वार पर जूते-चप्पलों का ढेर लगा होता है या वहां अव्यवस्था रहती है, तो यह सकारात्मक ऊर्जा के प्रवाह में बाधा उत्पन्न करता है। ऐसी स्थिति में घर में आने वाली शुभ ऊर्जा रुक जाती है और इसका प्रभाव धीरे-धीरे आर्थिक स्थिति पर भी पड़ने लगता है। इसलिए आवश्यक है कि मुख्य द्वार को हमेशा साफ-सुथरा और व्यवस्थित रखा जाए, ताकि घर में सुख-समृद्धि का मार्ग खुला रहे।

पानी का रिसाव और धन हानि का संबंध

घर में कहीं भी पानी का लगातार टपकना या दीवारों में नमी बने रहना केवल निर्माण से जुड़ी समस्या नहीं मानी जाती, बल्कि इसे आर्थिक दृष्टि से भी अशुभ संकेत माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि जिस प्रकार पानी धीरे-धीरे बहकर समाप्त होता है, उसी प्रकार धन भी अनावश्यक रूप से खर्च होने लगता है। इसलिए यदि घर में किसी भी प्रकार का रिसाव हो, तो उसे तुरंत ठीक करवाना चाहिए, ताकि आर्थिक संतुलन बना रहे।

टूटी वस्तुएं और नकारात्मकता का प्रभाव

घर में रखी टूटी-फूटी चीजें न केवल देखने में खराब लगती हैं, बल्कि यह मानसिक और ऊर्जा स्तर पर भी नकारात्मक प्रभाव डालती हैं। खराब फर्नीचर, टूटे सजावटी सामान या अनुपयोगी वस्तुएं घर के वातावरण को बोझिल बना देती हैं। ऐसी वस्तुएं जीवन में रुकावट और तनाव को बढ़ावा देती हैं। इसलिए समय-समय पर घर की सफाई करते हुए ऐसी वस्तुओं को बाहर कर देना ही उचित माना जाता है।

आईने की सही दिशा का महत्व

आईना केवल सजावट का साधन नहीं होता, बल्कि इसे ऊर्जा को प्रतिबिंबित करने वाला तत्व भी माना जाता है। यदि इसे गलत दिशा में रखा जाए, विशेषकर शयन कक्ष में अनुचित स्थान पर, तो यह मानसिक अस्थिरता और तनाव का कारण बन सकता है। इसलिए आईने को ऐसी दिशा में रखना चाहिए, जहां वह सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ाने में सहायक हो और जीवन में संतुलन बनाए रखे।

रसोई और शौचालय की दिशा का प्रभाव

घर की दिशा व्यवस्था में उत्तर-पूर्व दिशा को अत्यंत पवित्र और शुभ माना गया है। यदि इस दिशा में रसोई या शौचालय का निर्माण हो, तो यह सकारात्मक ऊर्जा के प्रवाह को प्रभावित कर सकता है। इसका असर घर की आर्थिक स्थिति पर भी पड़ सकता है, जिससे अनावश्यक खर्च और परेशानियां बढ़ने लगती हैं। इसलिए घर बनवाते समय या उसमें बदलाव करते समय दिशा का विशेष ध्यान रखना आवश्यक होता है।

घर के वातावरण को सकारात्मक बनाए रखने के उपाय

घर के वातावरण को शुद्ध और सकारात्मक बनाए रखने के लिए कुछ पारंपरिक उपाय भी किए जाते हैं। नमक का उपयोग नकारात्मकता को कम करने के लिए किया जाता है और इसे घर में रखने से वातावरण हल्का महसूस होता है। इसी प्रकार उत्तर दिशा में हरियाली बनाए रखना भी शुभ माना जाता है। समय-समय पर सुगंधित पदार्थों का प्रयोग करने से घर का वातावरण शांत और सकारात्मक बना रहता है, जिससे मानसिक संतुलन और समृद्धि दोनों में वृद्धि होती है।

हथेली में कब बनती है भाग्य रेखा देती है क्या संकेत, हस्तरेखा विज्ञान से जानें

हस्तरेखा विज्ञान में हथेली में मौजूद भाग्य रेखा को विशेष स्थान दिया गया है। कहते हैं कि यह हमारे भविष्य और जीवन के बारे में बहुत कुछ बताती है। व्यक्ति अपने वर्तमान और भूतकाल के बारे में जानता है, अगर हमें कुछ जानने की इच्छा होती है, तो वह भविष्य के बारे में। हस्तरेखा विज्ञान में भाग्य रेखा को धन रेखा, शनि रेखा, प्रारब्ध रेखा और उर्ध्व रेखा के नाम से भी जाना जाता है। यह कभी भी एक जैसी नहीं रहती है, इसमें कुछ न कुछ बदलाव होते रहते हैं।

हथेली में भाग्य रेखा कहां होती है?

यह हथेली के निचले भाग यानी कलाई के मध्य से शुरू होकर ऊपर की ओर मध्यमा उंगली तक जाती है। शनि पर्वत पर भाग्य रेखा समाप्त हो जाती है। हस्तरेखा विज्ञान, के मुताबिक भाग्य रेखा हमारे भविष्य के बारे में कई संकेत देती है। इससे भविष्य में उन्नति, बाधाएं, सुविधाएं, पतन, लाभ, हानि आदि के बारे में जाना जा सकता है। यह हमारी हथेली में उन्नति या अवनति के बारे में संकेत देती है।

हथेली में भाग्य रेखा कब बनती है?

हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार, भाग्य रेखा हमेशा एक सी नहीं रहती है। मनुष्य अपने जीवन में जिस तरह आगे बढ़ता है उसके हाथ की भाग्य रेखा उसी प्रकार बढ़ती या घटती रहती है। जो हमारे भविष्य को दर्शाती है। कहा जाता है कि अपनी भाग्य रेखा के संकेत को जानकर उसी प्रकार कर्म करने चाहिए। अगर यह अवनति का संकेत दे तो, व्यक्ति को सजग रहना चाहिए और उसी प्रकार जीवन में आगे बढ़ना चाहिए। इसका यही अर्थ है कि हमारे कर्मों के अनुसार ही हथेली में भाग्य रेखा बनती है और घटती-बढ़ती रहती है।

हथेली में सबसे अच्छी भाग्य रेखा कब बनती है?

हस्तरेखा और ज्योतिषशास्त्र के अनुसार, हमारे कर्मों के अनुसार ही भाग्य रेखा का निर्माण होता है। जो मनुष्य जीवन में अपनी उन्नति और विकास के लिए पुरुषार्थ करता है उसकी हथेली में भाग्य रेखा प्रखर होती जाती है। इसका अर्थ है कि ऐसे लोगों की हथेली में भाग्य रेखा सबसे गहरी और अच्छी देखने को मिलती है। ऐसी रेखा बीच से कटी-फटी नहीं होती है। यह गहरी और सीधी शनि पर्वत तक जाने वाली होती है।

भाग्य रेखा से जुड़े संकेत

अगर हथेली में भाग्य रेखा मणिबंध रेखा या उसके पास से शुरू होकर शनि ग्रह की ओर जाती हो। साथ ही, यह साफ, गहरी और बिना कटी-फटी हो तो ऐसे मनुष्यों को भाग्यशाली माना जाता है। समस्याएं हर व्यक्ति के जीवन में आती हैं लेकिन ऐसी रेखा सभी बाधाओं को दूर करके सफलता तक ले जा सकती है। यह बात मनुष्य के कर्म पर भी निर्भर करती है।

हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार, भाग्य रेखा का अत्यधिक लंबा होना भी शुभ नहीं होता है। अगर यह लंबी होकर शनि पर्वत से आगे निकल जाए और उंगली को स्पर्श करने लगे तो इसे अच्छा संकेत नहीं माना जाता है।

मान्यता है कि अगर भाग्य रेखा सीधी हो और चंद्र क्षेत्र से उठकर उसमें कोई रेखा मिल जाए तो ऐसे लोगों को अपने जीवनसाथी की ओर से सुख, सौभाग्य और अच्छा भाग्य प्राप्त होता है। ऐसे लोग खुद भी कड़ी मेहनत, बुद्धि और प्रयास से सफलता प्राप्त कर सकते हैं।

भाग्य रेखा अगर शनि की जगह गुरु ग्रह के स्थान पर चली जाए, तो ऐसे मनुष्यों को ज्ञानी माना जाता है। इन लोगों को समाज में मान-सम्मान मिलता है। साथ ही, ये अपनी बुद्धिमानी और मेहनत से आगे बढ़ते हैं।

भूत बंगला ट्रेलर: चमगादड़ों की सेना के साथ वधुसूर की एंट्री

अक्षय कुमार, वामिका गब्बी, परेश रावल, तब्बू और राजपाल यादव स्टारर फिल्म 'भूत बंगला' का कॉमेडी और खौफ दोनों से भरा ट्रेलर रिलीज हो चुका है। ट्रेलर में राजपाल यादव और परेश रावल की कॉमेडी ने पुराने दिन याद दिला दिए हैं। फिल्म का ट्रेलर कॉमेडी से शुरू होता है लेकिन आखिर तक आते-आते सबकी सांस रुकने वाली है, क्योंकि फाइनली 'वधुसूर' की एंट्री हो चुकी है, जो चमगादड़ों की सेना के साथ दोबारा जिंदा हो गया है। अक्षय कुमार ने अपकमिंग फिल्म भूत-बंगला का शानदार ट्रेलर रिलीज शेयर किया है, जहां अभिनेता अपनी एक शादी के लिए शापित महल का चुनाव करते हैं। हालांकि महल में आने के बाद उन्हें पता चलता है कि बंगले में भूत है। पहले तो अक्षय कुमार मानते हैं कि भूत नहीं होता है लेकिन ट्रेलर के आखिर में वधुसूर की एंट्री सबकी सांसें रोक देती है। फिल्म में तब्बू के किरदार में ट्विस्ट नजर आ रहा है, ऐसा लग रहा है कि वहीं है जो वधुसूर को वापस जिंदा कर रही हैं।

दरअसल वधुसूर एक भूत है, जिसे महल के एक कमरे में सालों पहले कैद कर दिया था, लेकिन कोई तो है, जो उसे वापस जिंदा करना चाहता है। फिल्म में हॉरर और कॉमेडी सीन की भरमार है। राजपाल यादव एक बार फिर 'चुप चुप के' के 'वन्द्या' के जैसे लग रहे हैं, जो चकरी की तरह हर तरफ घूम रहे हैं, वहीं परेश रावल की कॉमिक टाइमिंग भी शानदार है। कुल मिलाकर अक्षय कुमार, परेश रावल और राजपाल यादव की तिकड़ी फैंस को एक बार फिर पेट पकड़कर हंसने पर मजबूर कर देगी।

अभिनेता ने ट्रेलर शेयर कर लिखा, भूत बांग्ला में आपका स्वागत है। यहां ना तो लोग नॉर्मल हैं... और ऊपर से बांग्ला भी पैरानॉर्मल है। अपने जोखिम पर आइए। फिल्म 16 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी और मेकर्स ने इस बार शो का पेड-प्रीव्यू रखा है और पहला शो रात को 9 बजे रखा गया।

बता दें कि 19 साल बाद अक्षय कुमार और निर्देशक प्रियदर्शन की जोड़ी सिनेमा पर वापसी कर रही है। दोनों ने 'हेरा फेरी', 'गरम मसाला' और 'भूल भुलैया' में साथ काम किया है। अब भूत-बंगला के साथ दोनों एक साथ फिर वापस आ रहे हैं।

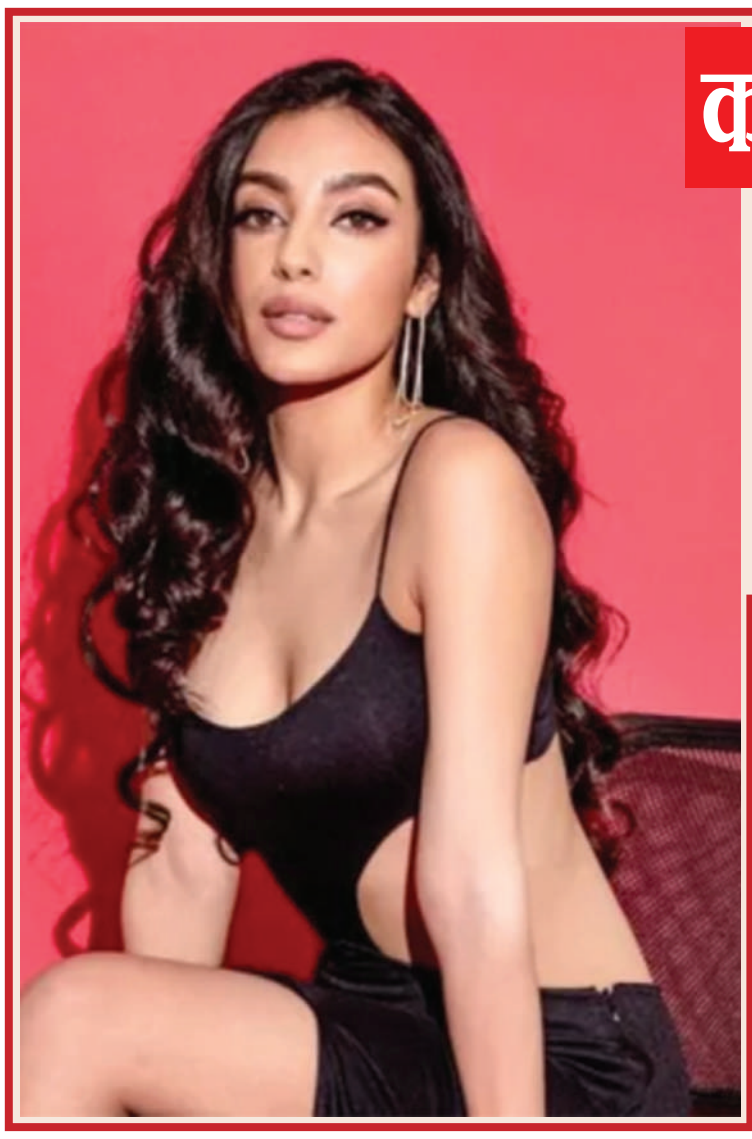

कम्फर्ट और पर्सनैलिटी ही मेरे लिए फैशन : सहर बंबा

आर्यन खान के सीरीज 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' में लीड रोल निभाने वाली एक्ट्रेस सहर बंबा ने कहा कि वह इंटरनेट पर फैशन और खुद को फैशन एक्सपर्ट बताने वालों के साथ ही ट्रोलर्स का भी बिल्कुल प्रेशर नहीं लेतीं। एक फैशन इवेंट के एडिशन में शिवानी निरुपम के लिए शो स्टॉपर के रूप में रैंप वॉक करती हुई सहर बंबा नजर आईं, जहां उन्होंने खास बातचीत में अपने विचार साझा किए। वह फैशन के प्रेशर से कैसे निपटती हैं? इस सवाल के जवाब में सहर ने कहा, अगर आप हर बार घर से निकलते समय यह सोचते रहेंगे कि मेरे ड्रेस सेंस या फैशन को देखकर कोई कुछ लिख देगा या ट्रोल करेगा, तो आप खुद पर बेवजह बहुत ज्यादा प्रेशर डाल रहे हैं। यह सच्चाई है कि लोग कमेंट करते हैं, लेकिन मुझे लगता है कि इंसान को बस साफ-सुथरा और प्रेजेंटेबल दिखना चाहिए। मैं खुद इस बात का बिल्कुल भी प्रेशर नहीं लेती। ब्रांडेड कपड़ों पर खर्च करने के बारे में पूछे जाने पर सहर बंबा ने बताया, मैं बिल्कुल भी ब्रांड कॉन्शस नहीं हूं।

जब मुझे कोई चीज पसंद आ जाती है, खासकर छुट्टियों या सफर के दौरान, तो मैं उसे खरीद लेती हूं। जो दिल को अच्छा लगे, वही मेरे लिए फैशन है। मेरी पसंद ऐसी ही है। अपने फैशन स्टाइल के बारे में उन्होंने बताया, मेरे लिए फैशन का मतलब है कम्फर्ट। वो कपड़े जो मेरी पर्सनैलिटी का हिस्सा हों और जिनमें मुझे बहुत ज्यादा मेहनत न करनी पड़े। फैशन वो नहीं होना चाहिए जिसके लिए आपको रोजाना परेशान होना पड़े।

रैंप वॉक से पहले बैकस्टेज के अनुभव पर बात करते हुए सहर ने कहा कि वह शुरू में बहुत नर्वस थीं। उन्होंने बताया, मैं ज्यादातर बैकस्टेज ही रहती हूं, लेकिन जैसे ही रैंप पर कदम रखती हूं और म्यूजिक बजता है, मुझे अच्छा महसूस होने लगता है। इस बार का कलेक्शन बहुत खूबसूरत है। गर्मियों का कलेक्शन होने की वजह से इसमें हल्के और सुंदर रंग हैं। मुझे अपना आउटफिट बहुत पसंद आया।

अभिनेत्री सोमी अली ने दिवंगत दिव्या भारती की ईमानदारी और बेबाकी को किया याद

अभिनेत्री सोमी अली ने 5 अप्रैल को दिवंगत सुपरस्टार दिव्या भारती की 33वीं पुण्यतिथि पर उन्हें सोशल मीडिया पर श्रद्धांजलि दी। अपनी दोस्त दिव्या को याद करते हुए अभिनेत्री ने उन्हें असाधारण प्रतिभा का प्रतीक बताया। 90 के दशक के एक फोटोशूट की दिव्या की तस्वीर साझा करते हुए सोमी ने लिखा, तुम्हें बहुत याद कर रही हूं! तुम्हारी आत्मा को शांति मिले, मेरी दोस्त। हमने एक खूबसूरत युवती और असाधारण प्रतिभा की प्रतीक को खो दिया।

उन्होंने आगे कहा कि एक ईमानदार, बेबाक लड़की जो किसी की बकवास बर्दाश्त नहीं करती थी। खूबसूरत, साहसी और अविश्वसनीय रूप से प्रतिभाशाली... दिव्या भारती बहुत जल्दी चली गई।

दिव्या भारती की बात करें तो, यह युवा सुपरस्टार 90 के दशक के शुरुआती दौर में बॉलीवुड की सबसे होनहार अभिनेत्रियों में से एक थीं।

उन्होंने बहुत कम उम्र में, कथित तौर पर किशोरावस्था में ही अपने करियर की शुरुआत की और 'दीवाना', 'शोला और शबनम', 'विश्वात्मा' जैसी सुपरहिट फिल्मों से जल्दी ही प्रसिद्धि हासिल कर ली। दिव्या ने अपने छोटे से करियर में शाहरुख खान और ऋषि कपूर जैसे दिग्गजों के साथ काम किया। उन्होंने हिंदी और तेलुगु सिनेमा दोनों में अपनी एक लोकप्रिय पहचान बनाई।

उनके लोकप्रिय गीतों में 'सात समुंदर पार' और 'ऐसी दीवानगी' शामिल हैं, जो आज भी चार्टबस्टर माने जाते हैं।निजी जीवन की बात करें तो दिव्या भारती ने 90 के दशक की शुरुआत में बहुत कम उम्र में ही फिल्म निर्माता साजिद नाडियाडवाला से शादी कर ली थी।एक चौंकाने वाली घटना में अभिनेत्री का 1993 में मुंबई स्थित अपने अपार्टमेंट की बालकनी से गिरने के बाद 19 वर्ष की आयु में दुखद निधन हो गया।

युवा फिल्म निर्देशक अंशुल सिन्हा की फिल्म मिलियन व्यूज का प्रीमियर शो संपन्न

अंशुल सिन्हा की फिल्म मिलियन व्यूज का प्रीमियर शो 4 अप्रैल को संपन्न हुआ जिसने कई गणमान्य लोगों ने भाग लिया । जिनमे देश के लिए तीन बार युद्ध लड़े कर्नल पंकज गोयल प्रसिद्ध कृषि वैज्ञानिक डा रामांजुलु , शायर अंजनी कुमार गोयल, कादम्बिनी क्लब की संचालिका डा आशा मिश्रा मुक्ता, प्रसिद्ध महिला चिकित्सक डा रीता शुक्ला, प्रसिद्ध शिक्षा विद अविनाश कालेज के संस्थापक अविनाश, लोकप्रिय गायक भरत जसानी, अंग्रेजी की प्रसिद्ध लेखिका शिखा भटनागर, आई डी आर बी के प्रोफेसर डा वी एन शास्त्री और साहित्य कार अब्दुल हमीद खान आदि उपस्थित थे।

फिल्म की कथा मौजूदा समय के एडिक्शन पर आधारित है जिसमे मदिरा पान, सिगरेट पीना तथा पोर्न फिल्में देखना आदि शामिल है यह ज्वलंत विषय पर बनी प्रभावी फिल्म है जिसे फिल्म निर्देशक अंशुल सिन्हा ने बनाया है । पूर्व में वह चार फीचर फिल्में बना चुके हैं । मिलियन व्यूज उनके निर्देशन में बनी नई फिल्म है। अवसर पर फिल्म की नायिका सिद्धि जायसवाल, सहायक निर्देशक प्रवीण तीगला भी उपस्थित थे।

इस फिल्म के बलबूते पर जितेंद्र के करियर को मिला दूसरा जीवन

जंपिंग जैक की छवि को तोड़ने में मिली मदद

भारतीय सिनेमा के इतिहास में कुछ ऐसे अभिनेता रहे, जिन्होंने न केवल पर्दे पर जादू बिखेरा बल्कि हिंदी सिनेमा के आयाम को बदलकर रख दिया है। ऐसे ही अभिनेता हैं जितेंद्र यानी रवि कुमार जिन्होंने फिल्मों में आने के लिए अपना नाम बदला था। अभिनेता ने अपने करियर में 200 से अधिक फिल्में कीं लेकिन जो सफलता उन्हें 1972 में फिल्म 'परिचय' से मिली थी, वह कोई और फिल्म नहीं दिला पाई थी। इसी फिल्म ने अभिनेता के मरे हुए करियर में जान डाल दी थी। अभिनेता 7 अप्रैल को अपना जन्मदिन मना रहे हैं। साल 1972 में आई गुलज़ार द्वारा निर्देशित फिल्म 'परिचय' सुपरस्टार जितेंद्र के लिए संजीवनी साबित हुई। अपनी 'जंपिंग जैक' की छवि और डांसिंग शूज को पीछे छोड़कर जब जितेंद्र ने आँखों पर चश्मा और चेहरे पर संजीदगी ओढ़ी, तो दर्शकों को एक ऐसा अभिनेता मिला जिसे पहले कभी नहीं देखा गया था। 'मुसाफिर हूँ यारों' की धुनों पर थिरकते और सादगी भरे 'रवि' के किरदार में जितेंद्र ने यह साबित कर दिया कि वे सिर्फ एक स्टार नहीं बल्कि एक मंझे हुए कलाकार भी हैं।

'परिचय' अभिनेता जितेंद्र के लिए भी आसान नहीं थी क्योंकि उनको लेकर इंडस्ट्री में धारणा थी कि वे सिर्फ अच्छा डांस और उछलकूद ही कर सकते हैं, गंभीर अभिनय उनके बस की बात की नहीं है। जब गुलजार साहब ने जितेंद्र को फिल्म 'परिचय' के लिए साइन किया था, तब कई लोगों ने उनसे कहा था, जितेंद्र लकड़ी के लट्ठे जैसे हैं, यानी सीधे और भावहीन। खुद अभिनेता को लगता था कि वो फिल्म के लिए खुद को कैसे तैयार करेंगे लेकिन उन्होंने बंद कमरे में आंखों और चेहरे से बोलने की प्रैक्टिस की।

कहा जाता है कि उस वक्त गुलज़ार ने अभिनेता को बिना डायलॉग सिर्फ आंखों और चेहरे से बात करने का अभ्यास करने के लिए कहा था, जिससे उनके चेहरे पर भाव आ सकें। इस तरीके ने काम किया और फिल्म में उनके सफेद कुर्ते व पतली मूछों के किरदार रवि ने फैंस को अपना दीवाना बना दिया। फिल्म क्लासिक फैमिली ड्रामा बनकर उभरी और साल की अच्छी कमाई करने वाली फिल्मों में शामिल हुई।

साल 1972 से पहले भी जितेंद्र की फिल्में पसंद की जाती थीं लेकिन उन फिल्मों में जितेंद्र का किरदार मनचले लड़के का होता, जो अपने सफेद ऑइकॉनिक जूते पहनकर एनर्जी के साथ डांस करता है। उनकी पहली फिल्म 'गीत गाया पत्थरों ने', 'फर्ज', और 'हमजोली' में उनका किरदार लगभग एक जैसा था लेकिन 'परिचय' ने उनके जीवन को नया परिचय दे दिया था।

करिश्मा तन्ना और वरुण बंगेरा के घर आने वाला है नन्हा मेहमान

टेलीविजन और सिनेमा की दुनिया में अपने अभिनय से दर्शकों का दिल जीतने वाली मशहूर अभिनेत्री करिश्मा तन्ना और उनके पति वरुण बंगेरा जिंदगी के नए पड़ाव की ओर बढ़ रहे हैं। दरअसल, अभिनेत्री जल्द ही मां बनने वाली हैं। सोमवार को करिश्मा ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर एक खास पोस्ट की। इसमें उन्होंने अपनी प्रेग्नेंसी की खुशखबरी खुद कंफर्म की। इस पोस्ट में कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं। पहली तस्वीर में करिश्मा और उनके पति वरुण बंगेरा कैप पहने हुए नजर आ रहे है, दोनों की कैप पर करिश्मा की कैप पर मॉम और उनके पति की कैप पर डैड लिखा हुआ है। दूसरी तस्वीर में दोनों छोटे-से बच्चे का जूता हाथ में लिए मुस्कुराते हुए दिख रहे हैं। ये तस्वीरें देखते ही समझ में आ जाता है कि उनके घर जल्द ही एक नन्हा मेहमान आने वाला है। अभिनेत्री ने अपनी पोस्ट में बताया कि उनके घर पर नन्हा मेहमान अगस्त में आने वाला है। अभिनेत्री ने पोस्ट कर लिखा, एक छोटा सा चमत्कार, हमारा सबसे बड़ा उपहार अगस्त 2026 ।

पोस्ट शेयर करने के बाद करिश्मा के इंडस्ट्री के दोस्तों और साथी कलाकारों ने तुरंत प्रतिक्रिया दी और कमेंट सेक्शन में प्यार और शुभकामनाओं की बौछार कर दी। कई लोगों ने हार्ट और फायर के इमोजी कमेंट किए। अभिनेता मनीष पॉल ने कमेंट सेक्शन पर यश लिखने के साथ हार्ट इमोजी से प्रतिक्रिया दी।

ताहिरा कश्यप, महीप कपूर, कृतिका कामरा, अनिता हसंनदानी ने मिलकर कमेंट सेक्शन पर बधाई हो लिखा, तो बाकी सेलेब्स ने अभिनेत्री को इमोजी के द्वारा प्रतिक्रिया दी। करिश्मा तन्ना ने 5 फरवरी 2022 को दुबई-आधारित व्यवसायी वरुण बंगेरा से मुंबई में शादी की थी। उनकी शादी एक निजी समारोह में हुई, जिसमें गुजराती और दक्षिण भारतीय परंपराओं का संगम था। दोनों की मुलाकात एक कॉमन फ्रेंड के जरिए 'न्यू ईयर ईव' पर एक पार्टी में हुई थी। मुलाकात के बाद दोनों में दोस्ती हुई और फिर प्यार। करीब एक साल तक डेटिंग करने के बाद उन्होंने नवंबर 2021 में सगाई कर ली थी।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपने जीवन-साथी की उपलब्धियों की सराहना करें और उसकी सफलता और ख़ुशक़िस्मती का जश्न मनाएँ। आपका प्रेमी या प्रेमिका आज बहुत गुस्से में नजर आ सकते हैं , काम के बाद आपके सहकर्मी आपको किसी छोटे घरेलू उत्सव पर आमंत्रित कर सकते हैं। दूसरों को राज़ी करने की आपकी प्रतिभा आपको काफ़ी फ़ायदा पहुँचाएगी। जीवनसाथी के किसी अचानक काम की वजह से आपकी योजनाएँ बिगड़ सकती हैं। लेकिन फिर आपको महसूस होगा कि जो होता है अच्छे के लिए ही होता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज के दिन आप धन से जुड़ी समस्या के कारण परेशान रह सकते हैं। इसके लिए आपको अपने किसी विश्वास पात्र से सलाह लेनी चाहिए। जीवनसाथी के साथ अपने रिश्तों में तनाव दूर करने के लिए अच्छा दिन है। हालात ठीक करने की ज़िम्मेदारी अपने कंधों पर लें और सकारात्मक तौर पर पहल करें। आपका आत्मविश्वास आपकी पेशेवर ज़िंदगी में ख़ास असर छोड़ेगा। यह दूसरों को आपका नज़रिया समझाने और उनकी मदद हासिल करने में कारगर रहेगा। यात्रा के दौरान आप नयी जगहों को जानेंगे और महत्वपूर्ण लोगों से मुलाक़ात होगी।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज आप आसानी से पैसे इकट्ठा कर सकते हैं– लोगों को दिए पुराने कर्ज़ वापिस मिल सकते हैं– या फिर किसी नयी परियोजना पर लगाने के लिए धन अर्जित कर सकते हैं। बच्चे आपको घरेलू काम-काज निबटाने में मदद करेंगे। आपका प्रेमी आज आपकी बातों को सुनने से ज्यादा अपनी बातें कहना पसंद करेगा जिसकी वजह से आप थोड़े खिन्न हो सकते हैं। काम में मन लगाएँ और जज़्बाती बातों से बचें। ऑफिस से जल्दी घर जाने का प्लान आज आप ऑफिस पहुंचकर ही कर सकते हैं। घर पहुंचकर आप किसी पार्क में परिवार के लोगों के साथ जाने का प्लान बना सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आपका स्वास्थ्य दुरुस्त रहने की पूरी उम्मीद है। अपने अच्छे स्वास्थ्य के चलते आज आप अपने दोस्तों के साथ खेलने का प्लान बना सकते हैं। आज यदि आप अपने दोस्तों के साथ कहीं घूमने जा रहे हैं तो पैसा सोच समझकर खर्च करें। धन हानि हो सकती है। घर से जुड़ी योजनाओं पर विचार करने की ज़रूरत है। अपने प्रिय की छोटी-मोटी भूल को अनदेखा करें। किसी के साथ नयी परियोजना या भागीदारी वाले व्यवसाय को शुरू करने से बचें। किसी भी स्थिति में आपको अपने समय का ख्याल रखना चाहिए , वैवाहिक जीवन के लिए विशेष दिन है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज अपनी सेहत के चिंता करने की क़तई ज़रूरत नहीं है। आपके आस-पास के लोग आपको प्रोत्साहित करेंगे व सराहेंगे। बिना किसी की सलाह लिये बिना आज आपको पैसा कहीं भी इनवेस्ट नहीं करना चाहिए। जिन लोगों से आपकी मुलाक़ात कभी-कभी ही होती है, उनसे बातचीत और संपर्क करने के लिए अच्छा दिन है। आपके प्रिय की ख़राब तबियत के चलते रोमांस को दरकिनार होना पड़ सकता है। कामकाज में आ रहे बदलावों के कारण आपको लाभ मिलेगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज के दिन किए गए दान-पुण्य के काम आपको मानसिक शान्ति और सुकून देंगे। जो लोग शादीशुदा हैं उन्हें आज अपने बच्चों की पढ़ाई पर अच्छा खासा धन खर्च करना पड़ सकता है। अपने प्रिय के लिए बदले की भावना से कुछ हासिल नहीं होगा- बजाय इसके आपको दिमाग़ शांत रखना चाहिए और अपने प्रिय को अपनी सच्चे जज़्बात से परिचित कराना चाहिए। प्रतिस्पर्धा के चलते काम-काज की अधिकता थकावट भरी हो सकती है। इस राशि के छात्र-छात्राएं आज अपने कीमती समय का दुरुपयोग कर सकते हैं। लोगों की दख़लअन्दाज़ी वैवाहिक जीवन में परेशानी खड़ी कर सकती है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज ख़ास दिन है, क्योंकि अच्छा स्वास्थ्य आपको कुछ असाधारण काम करने की क्षमता देगा। आर्थिक तौर पर सुधार तय है। परिवार के लोगों से अपनी परेशानियां साझा करके आप हल्का महसूस करते हैं, लेकिन कई बार आप अपने अहम को आगे रखकर घर वालों को जरुरी बातें नहीं बताते। आपको ऐसा नहीं करना चाहिए ऐसा करके परेशानी और भी बढ़ेगी कम नहीं होगी। मुश्किल मामलों से बचने के लिए आपको अपने संपर्क उपयोग करने की ज़रूरत है। दिन शाम तक आपको कहीं दूर से कोई अच्छी ख़बर सुनने को मिल सकती है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

शारीरिक तौर पर तंदुरुस्त रहने के लिए धूम्रपान की आदत छोड़ दें। पैसे कमाने के नए मौक़े मुनाफ़ा देंगे। आपकी भरपूर ऊर्जा और ज़बरदस्त उत्साह सकारात्मक परिणाम लाएंगे व घरेलू तनाव दूर करने में मददगार रहेंगे। दफ़्तर में जिसके साथ आपकी सबसे कम बनती है, उससे अच्छी बातचीत हो सकती है। दिल के करीबी लोगों के साथ आपका वक्त बिताने का मन करेगा लेकिन आप ऐसा कर पाने में सक्षम नहीं हो पाएंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

नौकरी पेशा से जुड़े लोगों को आज धन की बहुत आवश्यकता पड़ेगी लेकिन बीते दिनों में किये गये फिज़ुलखर्च के कारण उनके पास पर्याप्त धन नहीं होगा। अपने परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों पर ध्यान देना आज आपकी प्राथमिकता होनी चाहिए। आज फ़ायदा हो सकता है, बशर्ते आप अपनी बात भली-भांति रखें और काम में लगन व उत्साह दिखाएँ। इस राशि के लोग बड़े ही दिलचस्प होते हैं। अपने जीवनसाथी के साथ आप आज एक शानदार शाम गुज़ार सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

गर्भवती महिलाओं के लिए अतिरिक्त सावधान रहने का दिन है। अगर आप लोन लेने वाले थे और काफी दिनों से इस काम में लगे थे तो आज के दिन आपको लोन मिल सकता है। शाम का ज़्यादातर समय मेहमानों के साथ गुज़रेगा। आपके प्रिय के साथ कुछ मतभेद उभर सकते हैं– साथ ही अपने साथी को अपना नज़रिया समझाने में भी तकलीफ़ महसूस होगी। आज ऐसी कई सारी चीज़ें होंगी – जिनकी तरफ़ तुरन्त ग़ौर करने की आवश्यकता है। परिवार के सदस्यों के साथ थोड़ी दिक़्क़त का सामना करना पड़ सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज किसी विपरीत लिंगी की मदद से आपको करोबार या नौकरी में आर्थिक लाभ होने की संभावना है। पारिवारिक सदस्य या जीवन-साथी तनाव की वजह बन सकते हैं। अगर आप अपनी योजनाओं को सबके सामने खोलने में बिल्कुल नहीं हिचकते, तो आप अपनी परियोजना को ख़राब कर सकते हैं। घर से बाहर निकलकर आज आप खुली हवाओं में टहलना पसंद करेंगे। आज आपका मन शांत होगा जिसका फायदा आपको पूरे दिन मिलेगा। जीवनसाथी की ओर से जानबूझ कर भावनात्मक चोट मिल सकती है, जिसके चलते आप उदास हो सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,ज,दे,दो,चा,ची

इस राशि कै कुछ लोगों को आज संतान पक्ष से आर्थिक लाभ होने की उम्मीद है। आज आपको अपनी संतान पर गर्व महसूस होगा। एक बेहतरीन शाम के लिए रिश्तेदार घर आ सकते हैं। आज किए गए निवेश काफ़ी फ़ायदेमन्द साबित होंगे, लेकिन आपको भागीदारों से विरोध का सामना करना पड़ सकता है। जो भी आपसे मिले, उसके साथ विनम्र और सुखद व्यवहार करें। बहुत कम लोग ही आपके इस आकर्षण का राज़ जान पाएंगे। कई लोग साथ तो रहते हैं, लेकिन उनके जीवन में रोमांस नहीं होता। लेकिन यह दिन आपके लिए बेहद उत्साहवर्धक रहने वाला है।

आज का पंचांग

दिनांक : 07 अप्रैल 2026, मंगलवार
विक्रम संवत : 2083
मास : वैशाख ,कृष्ण पक्ष
तिथि : पंचमी सायं 04:38 तक
नक्षत्र : ज्येष्ठा रात्रि 05:54 तक
योग : व्यतीपात सायं 04:15 तक
करण : तैतिल सायं 04:38 तक
चन्द्रराशि : वृश्चिक रात्रि 05:54 तक
सूर्योदय : 06:06 , सूर्यास्त 06:30 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:12, सूर्यास्त 06:31 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:04, सूर्यास्त 06:24 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:58 , सूर्यास्त 06:21 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : श्री मलूकदास जयंती, गण्डमूल चालू है,
विश्व स्वास्थ्य दिवस

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में

जनजातीय क्षेत्रों का हो रहा सर्वांगीण विकास

जयपुर, 06 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार जनजाति समाज के उत्थान के लिए प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। जनजातीय क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास, आर्थिक स्वावलंबन और सामाजिक सुरक्षा की दिशा में राजस्थान सरकार ने महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए बजट वर्ष 2026-27 में कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की है। राज्य सरकार जनजातीय क्षेत्रों में किसान, महिला, युवा एवं बालिकाओं की शिक्षा और सशक्तीकरण के साथ ही अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति को मुख्यधारा से जोड़ने हेतु निरंतर प्रयासरत है। वनाधिकार पट्टों का सुदृढ़ीकरण और ऋण सुविधा

राज्य सरकार द्वारा जनजाति समाज को व्यक्तिगत एवं सामुदायिक वनाधिकार पत्र जारी करने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। इन वनाधिकार पट्टों की राजस्व रिकॉर्ड में प्रविष्टि सुनिश्चित की जाएगी। सरकार की इस पहल से जनजाति क्षेत्र के किसानों को उनकी भूमि पर पीएम किसान सम्मान निधि जैसी योजनाओं का सीधा लाभ मिल सकेगा और वे बैंकों से सुगमतापूर्वक ऋण प्राप्त कर सकेंगे।

प्रदेश के आदिवासी बाहुल्य जिलों डूंगरपुर और बांसवाड़ा के राजस्थान ग्रामदानी अधिनियम से शासित गांवों के किसानों के लिए सरकार ने बड़ा निर्णय लिया है। वर्तमान में इन किसानों के नाम राजस्व रिकॉर्ड में अंकित नहीं होने के कारण वे सरकारी लाभों से वंचित रहते हैं। बदली हुई आर्थिक परिस्थितियों को देखते हुए सरकार ग्रामदानी अधिनियम में संशोधन कर इन गांवों के किसानों को खातेदारी अधिकार प्रदान करेगी, जिससे उन्हें बैंक ऋण और अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ मिल सके।

जनजाति क्षेत्रों में कृषि को लाभप्रद बनाने और किसानों की आय में वृद्धि के लिए भी सरकार अपनी प्रतिबद्धता दिखा रही है। कांगनी, कोदो, सांवा, कुटकी, चीना और रागी जैसे मिलेट्स की मांग को देखते हुए 100 हेक्टेयर क्षेत्र में प्रदर्शनी आयोजित किए जाएंगे, जिससे एक हजार कृषक लाभान्वित होंगे। साथ ही फसल उत्पादन में वृद्धि के लिए 85 करोड़ रूपये के व्यय से 8 लाख 50 हजार जनजाति कृषकों को गुणवत्तापूर्ण बीज संकर मक्का बीज मिनीकिट उपलब्ध करवाये जायेंगे।

सहरिया, खैरवा (बारां) और कथौड़ी (उदयपुर) जनजाति परिवारों के लिए सहायता प्रक्रिया को पारदर्शी बनाया गया है। अब खाद्य सामग्री के स्थान पर पात्र परिवारों की महिला मुखिया को 1200 रुपये प्रतिमाह सीधे बैंक खाते में दिए जाएंगे। इस योजना पर 55 करोड़ रुपये व्यय कर लगभग 38 हजार परिवार लाभान्वित होंगे। वहीं बालिका शिक्षा को भी बढ़ावा दिया जा रहा है, सिरोही जिले में जनजाति बालिकाओं के लिए नया छात्रावास खोला जाएगा।

जनजाति युवाओं और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा विशेष कदम उठाए गए हैं। स्वनिधि योजना अन्तर्गत उन्हें चिन्हित कर ऋण उपलब्ध करवाने हेतु विशेष अभियान चलाया जायेगा। मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के तहत आगामी वर्ष में 5 हजार युवाओं को अपना उद्यम स्थापित करने हेतु ब्याजमुक्त ऋण दिया जाएगा। साथ ही जनजातीय युवकों को स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने आंवला, शहद, इमली और महुआ जैसे वन उपजों के मूल्य संवर्धन के लिए बांसवाड़ा और उदयपुर में लघु वन उपज प्रसंस्करण केंद्र स्थापित किए जाएंगे। जनजाति समाज की आस्था स्थलों के विकास के लिए सरकार संकल्पबद्धता दिखा रही है। सलूम्बर के सोनार माता मंदिर, बांसवाड़ा (आनंदपुरी) के सलाकेश्वर महादेव मंदिर और उदयपुर (झाड़ोल) के रामकुण्डा महादेव मंदिर में सार्वजनिक सुविधाओं और विकास कार्य करवाए जाएंगे। साथ ही, डूंगरपुर के आसपुर क्षेत्र सहित विभिन्न आदिवासी बस्तियों में सड़कों, पुलियाओं और बरसाती नालों के निर्माण से बुनियादी ढांचे को मजबूती दी जाएगी।

राजस्थान में एलपीजी, पेट्रोल, डीजल और एटीएफ की पर्याप्त उपलब्धता: मनोज गुप्ता

जयपुर, 06 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान में एलपीजी और पेट्रोल व डीजल की आपूर्ति की वर्तमान स्थिति और उपभोक्ताओं की समस्या के निवारण की जागरूकता के लिए पत्र सूचना कार्यालय द्वारा प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया । इस प्रेस वार्ता को मनोज गुप्ता, कार्यकारी निदेशक एवं राज्य प्रमुख राज्य स्तरीय समन्वयक (तेल उद्योग) राजस्थान और पत्र सूचना कार्यालय के निदेशक अनुभव बैरवा ने संबोधित किया। मनोज गुप्ता, कार्यकारी निदेशक एवं राज्य प्रमुख राज्य स्तरीय समन्वयक (तेल उद्योग) ने बताया कि मध्य पूर्व में वर्तमान भू-राजनीतिक तनाव के कारण पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति श्रृंखला दबाव में है। राजस्थान सरकार और तेल विपणन कंपनियां अपने राज्य स्तरीय समन्वयक, तेल उद्योग - राजस्थान के माध्यम से जनता को आश्वस्त करती हैं कि राज्य भर में एलपीजी, पेट्रोल, डीजल और एटीएफ की पर्याप्त उपलब्धता है, और आपूर्ति संचालन की कड़ी निगरानी की जा रही है और इसे निर्बाध रूप से जारी रखा जा रहा है। राजस्थान में विभिन्न पेट्रोलियम उत्पादों (पेट्रोल और डीजल) की स्टॉक और आपूर्ति स्थिति गुप्ता ने बताया कि सभी तेल विपणन कंपनियां यह भी आश्वस्त करती हैं कि राजस्थान राज्य भर में रेटल आउटलेट (पेट्रोल पंप) और भंडारण स्थानों पर पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए रेटल आउटलेट (पेट्रोल पंप) पर स्टॉक की नियमित रूप से निगरानी की जा रही है और उसकी भरपाई की जा रही है। राज्य में तेल विपणन कंपनियों के 12 डिपो/संस्थाएं हैं जो राज्य को सेवाएं प्रदान करती हैं। आईओसीएल के आपूर्ति केंद्र जयपुर, जोधपुर, चित्तौड़गढ़ और भरतपुर में हैं, बीपीसीएल के जयपुर, जोधपुर, कोटा और भरतपुर में हैं और एचपीसीएल के जयपुर, जोधपुर, अजमेर और भरतपुर में हैं। सभी आपूर्ति केंद्रों पर रेटल आउटलेट (पेट्रोल पंप) की जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त पेट्रोल और डीजल का स्टॉक है।

आबकारी आयुक्त ने ली समीक्षा बैठक कार्य का समयबद्ध निस्तारण के दिए निर्देश

उदयपुर, 06 अप्रैल (एजेंसियां)। आबकारी आयुक्त नमित मेहता ने कहा कि प्रदेश सरकार की अपेक्षा के अनुरूप विभागीय कार्यों का समयबद्ध सीमा में समन्वय से निस्तारण किया जाना चाहिए। राजकीय दायित्व के निर्वहन में किसी भी प्रकार की कोताही नही होनी चाहिए। विभागीय लक्ष्य व कार्य अनुशासन सहित टीम भावना से पूर्ण किए जाने चाहिए। मेहता सोमवार को आबकारी मुख्यालय उदयपुर के सभागार में विभिन्न अनुभागों के अधिकारियों एवं कार्मिकों की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार के रेवेन्यू में आबकारी विभाग का अहम स्थान है अतः वित्तीय लक्ष्यों की पूर्ति सहित समस्त आवश्यक कार्यों को समयावधि में पूर्ण किया जाना चाहिए।

बैठक में विभिन्न अनुभागों के अधिकारियों एवं कार्मिकों ने अपना परिचय देते हुए प्रदत्त दायित्व एवं कार्य के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की। इस मौके पर बंदोबस्त, आईटी, अभियोग, ईपीएफ, सामान्य प्रशासन, संस्थापन, लीगल, होलोग्राम, कन्ट्रोल रूम, आरटीआई, लेब, लेखा, एपीएआर, पॉलिसी सहित विभिन्न अनुभागों के अधिकारियों ने संबंधित कार्य के संबंध में जानकारी प्रदान करते हुए आवश्यकताओं से अवगत कराया। आबकारी आयुक्त मेहता ने समस्त अधिकारियों को समन्वय से कार्य करने के निर्देश देते हुए आवश्यक सुझाव भी आमंत्रित किए जिससे राजकीय कार्यों के निस्तारण में समयबद्धता बनी रहे। इस मौके पर अतिरिक्त आबकारी आयुक्त पॉलिसी प्रदीप सिंह सांगावत, वित्तीय सलाहकार सुनिता विजय, उपायुक्त ईपीएफ प्रद्युम्न सिंह चुण्डावत सहित विभिन्न अनुभागों के अधिकारीगण व कार्मिक मौजूद रहे।

प्रदेश में विशेषज्ञ डॉक्टरों की नहीं रहेगी कमी कॉन्ट्रैक्ट पर भर्ती होगी : आरती सिंह राव

चंडीगढ़, 06 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक बड़ा निर्णय लेते हुए घोषणा की है कि राज्य के सरकारी अस्पतालों में विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी को दूर करने के लिए 195 पदों पर कॉन्ट्रैक्ट आधार पर भर्ती की जाएगी। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि यह भर्ती प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और मेरिट आधारित होगी। उन्होंने बताया कि नूह जिला को छोड़कर अन्य जिलों के लिए चयनित विशेषज्ञ डॉक्टरों में एमबीबीएस एवं डिप्लोमा की योग्यता वाले विशेषज्ञ डॉक्टरों को एक लाख रूपये प्रति महीना तथा एमबीबीएस एवं एमडी /एमएस /डीएनबी योग्यता वाले विशेषज्ञ डॉक्टरों को 1.50 लाख रूपये प्रति महीना दिया जाएगा। विशेष तौर पर नूह जिला के लिए चयनित विशेषज्ञ डॉक्टरों में एमबीबीएस एवं डिप्लोमा की योग्यता वाले विशेषज्ञ डॉक्टरों को 1.50 लाख रुपये प्रति महीना तथा एमबीबीएस एवं एमडी /एमएस /डीएनबी योग्यता वाले विशेषज्ञ डॉक्टरों को 2 लाख रुपये प्रति महीना दिया जाएगा।

आरती सिंह राव ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य प्रदेश के सभी नागरिकों को बेहतर और समयबद्ध स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने बताया कि सरकारी अस्पतालों में विशेषज्ञ डॉक्टरों की नियुक्ति से मरीजों को उच्च गुणवत्ता की चिकित्सा सुविधा मिलेगी और मौजूदा डॉक्टरों पर कार्यभार भी कम होगा।

उन्होंने जानकारी दी कि स्त्री रोग, बाल रोग, एनेस्थीसिया, मेडिसिन, सर्जरी और ऑर्थोपेडिक जैसे महत्वपूर्ण विभागों में विशेषज्ञ डॉक्टरों की भर्ती की जाएगी। इनमें सबसे अधिक पद स्त्री रोग और बाल रोग विभाग में हैं, जिससे मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को विशेष रूप से मजबूत किया जाएगा।

प्रदेश सरकार आगजनी से पीड़ित परिवारों के साथ है मजबूती से खड़ी : गौरव गौतम

पलवल, 06 अप्रैल (एजेंसियां)। जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन की तत्परता और मुस्तैदी से पलवल के सेक्टर-2 स्थित धर्मनगर कॉलोनी की झुग्गी-झोपड़ियों में लगी आग पर जल्द काबू पा लिया गया। हरियाणा के खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम, उपायुक्त डॉ. हरीश कुमार वशिष्ठ तथा पुलिस अधीक्षक नितीश अग्रवाल घटना की सूचना मिलते ही तुरंत मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्यों का जायजा लिया। खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम ने झुग्गी-झोपड़ियों में लगी आग से प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर उनकी कुशल क्षेम पूछी और उन्हें सांत्वना देते हुए आगजनी की घटना को बेहद दुखद बताया। मंत्री ने आगजनी के दौरान राहत एवं बचाव कार्यों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मंत्री ने कहा कि आगजनी में किसी के भी हताहत होने की सूचना नहीं है। हालांकि आगजनी से झुग्गी-झोपड़ियों में रह रहे परिवारों का सामान आग में जल गया। कहा कि पीड़ित परिवारों के लिए ठहरने, भोजन व अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करा दी गई हैं।

उन्होंने कहा कि सरकार दुख की इस घड़ी में मजबूती के साथ आगजनी से पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि किसी भी पीड़ित को अकेला नहीं छोड़ा जाएगा और उन्हें हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

अन्न और अन्नदाता दोनों का अपमान कर रही है सरकार : दीपेन्द्र हुड्डा

चंडीगढ़, 06 अप्रैल (एजेंसियां)। सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि हरियाणा सरकार का तुगलकी फरमान किसानों के लिए सिरदर्द बन चुका है। लगता है बायोमेट्रिक, ट्रैक्टर वेरिफिकेशन, 3 गारंटर जैसे नियम खरीद न करने और किसानों को परेशान करने के लिए ही बने हैं। इनको लेकर प्रदेश भर में अनेक जगहों पर मंडियों में किसानों और आढ़तियों की हड़ताल जारी है। तकनीक का इस्तेमाल सुविधा के लिए होना चाहिए, शोषण के लिए नहीं। उन्होंने मांग करी कि मेरी फसल-मेरा ब्यौरा पोर्टल तुरंत खोला जाए। गेहूं खरीद में नमी की सीमा 14% की जाए और बेमौसमी बारिश से हुए नुकसान के कारण काले दाने वाली गेहूं की खरीद में भी विशेष छूट दी जाए। ट्रैक्टर-ट्राली पर नंबर प्लेट की अनिवार्यता खत्म हो और बायोमेट्रिक सिस्टम बंद हो। सरकार को ये याद रखना चाहिए कि जब देश की जनसंख्या 30 करोड़ थी तब आधा देश खाली पेट सोता था और विदेशों से अनाज मँगवाकर खाना पड़ता था। कांग्रेस शासन की किसान हितकारी नीतियों और किसानों के परिश्रम का परिणाम है कि आज जब देश की जनसंख्या 140 करोड़ है तब पेट भी भरा है और अनाज के गोदाम भी भरे हैं। सरकार अन्न और अन्नदाता दोनों का अपमान कर रही है। सरकार किसानों से चड्ढ पर फसल के दाने-दाने की खरीद सुनिश्चित करे। दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि हरियाणा में किसान और मजदूर विरोधी सरकार है। मंडियों में न बारदाना की व्यवस्था है, न तिरपाल है, न लेबर, न अन्य सुविधाएं मिल रही है।

चौ. देवीलाल ने उसूलों पर चलते हुए ताउम्र देश हित में काम किया : दुष्यंत चौटाला

चंडीगढ़, 06 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत के पूर्व उपप्रधानमंत्री जननायक चौधरी देवीलाल की पुण्यतिथि पर जननायक जनता पार्टी के नेताओं ने दिल्ली स्थित संघर्ष स्थल और सभी जिलों में उन्हें याद करते हुए श्रद्धांजलि दी हैं। जेजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अजय सिंह चौटाला, पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला, जेजेपी प्रदेशाध्यक्ष बृज शर्मा, युवा प्रदेशाध्यक्ष दिग्विजय सिंह चौटाला सहित कई वरिष्ठ नेताओं ने सोमवार सुबह दिल्ली समाधि स्थल पर पहुंचकर पुष्प अर्पित किए। डॉ चौटाला ने कहा कि हर साल अनुयायी चौधरी देवीलाल को उनकी पुण्यतिथि पर याद करते है और उनके दिखाए हुए रास्ते पर चलने का संकल्प लेकर आगे बढ़ते है। उन्होंने कहा कि चौ. देवीलाल द्वारा करवाए गए जनहितैषी कार्यों से आज भी आमजन लाभान्वित हो रहे है, तभी वे जन-जन के नायक कहलाते हैं। अजय चौटाला ने कहा कि खासकर युवा पीढ़ी को चौधरी देवीलाल के संघर्ष के बारे में जरूर जानना चाहिए। पूर्व उपमुख्यमंत्री

दुष्यंत चौटाला ने कहा कि देश को प्रगति के पथ पर ले जाने में जननायक चौधरी देवीलाल का अहम योगदान रहा है, जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि उनके जीवन से हमें सीख लेते हुए इस उद्देश्य पर काम करना चाहिए कि गरीब, किसान, कमेरा वर्ग कैसे आगे बढ़े और कैसे देश के हर नागरिक को उसका अधिकार मिल सके। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि ताउम्र उसूलों पर चलते हुए चौ देवीलाल ने देश हित के लिए काम किया था। इतना ही नहीं देश के प्रधानमंत्री के पद का भी उन्होंने त्याग कर दिया था। जेजेपी प्रदेश अध्यक्ष बृज शर्मा ने कहा कि चौधरी देवीलाल ने हरियाणा में बुजुर्गों के सम्मान में बुढ़ापा पेंशन का पौधा लगाया था, जिसका अनेक राज्यों में अनुसरण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि देश में राजनीति और सामाजिक बदलाव लाने में उनकी बड़ी अहम भूमिका रही हैं। जेजेपी युवा प्रदेश अध्यक्ष दिग्विजय सिंह चौटाला ने कहा कि चौ. देवीलाल की सोच और नीतियों के चलते पूरा देश उन्हें श्रद्धाभाव से किसान, मजदूर व कमेरे वर्ग के मसीहा के रूप में याद करता हैं। उन्होंने कहा कि चौधरी देवीलाल ऐसी शख्सियत थे, जिन्होंने गांव-देहात के लोगों को उनके अधिकार दिलाने का कार्य किया। सिरसा में पूर्व विधायक नैना सिंह चौटाला ने कहा कि चौधरी देवीलाल की पुण्यतिथि पर सही मायने में उन्हें श्रद्धांजलि देना तभी सार्थक माना जाएगा जब प्रत्येक व्यक्ति उनके दिखाए मार्ग पर चलते हुए कमेरे, किसान, शोषित वर्ग के समर्थन में उठ खड़ा होगा। उन्होंने कहा कि जेजेपी आज सही मायने में उनके दिखाए पथ पर चलकर पूरे हरियाणा में सभी वर्गों के कल्याण के लिए समर्पित भाव से कार्य कर रही है।

संपादकीय

जरूरतों तक विकास

विकास महज योजना नहीं, सतत प्रयास की निरंतरता है। योजनाएं तो हिमाचल में बनती और बिगड़ती हैं, लेकिन विकास के बही खाते सच्चे और सार्थक तभी होते, जब उद्देश्यों के गुणात्मक फलक पर संभावनाएं संबोधित हों। ऐसे में हिमाचल सरकार के तीन साल बनाम आने वाले चुनाव के दो साल के बीच अब बहस के मसौदे बदल रहे हैं। हिमकेयर योजना पर सदन की बहस में इससे क्या फर्क पड़ेगा कि घोटाला कितने करोड़ का है, लेकिन इसकी निरंतरता में आई गिरावट का जिक्र जरूर होगा। कुछ इसी तरह आखिरी सालों में आ रही परिवहन निगम की नई बसों से यातायात में क्या अंतर आएगा, इसके बजाय जिक्र यह कि सदन में मुद्दे ने अपनी आवश्यकता बताई। हिमाचल अपने विकास के मामले में कहीं आवश्यकता से अधिक, तो कहीं निरंतरता में कमजोर रहा है। नए स्कूलों की परिधि में विकास की आवश्यकता को पहचाना ही नहीं गया, नतीजतन स्कूलों को डिनोटिफाई करने का सिलसिला जारी है। बीस मार्च की अधिसूचना के अनुसार राज्य में शून्य छात्र संख्या के 36 सरकारी स्कूल डिनोटिफाई हो गए। कुछ यही हाल कालेज, मेडिकल कालेजों और विश्वविद्यालयों की संख्या बढ़ाने से भी हुआ।

योजनाएं तो हिमाचल में बनती और बिगड़ती हैं, लेकिन विकास के बही खाते सच्चे और सार्थक तभी होते, जब उद्देश्यों के गुणात्मक फलक पर संभावनाएं संबोधित हों। ऐसे में हिमाचल सरकार के तीन साल बनाम आने वाले चुनाव के दो साल के बीच अब बहस के मसौदे बदल रहे हैं। हिमकेयर योजना पर सदन की बहस में इससे क्या फर्क पड़ेगा कि घोटाला कितने करोड़ का है, लेकिन इसकी निरंतरता में आई गिरावट का जिक्र जरूर होगा। कुछ इसी तरह आखिरी सालों में आ रही परिवहन निगम की नई बसों से यातायात में क्या अंतर आएगा, इसके बजाय जिक्र यह कि सदन में मुद्दे ने अपनी आवश्यकता बताई। हिमाचल अपने विकास के मामले में कहीं आवश्यकता से अधिक, तो कहीं निरंतरता में कमजोर रहा है। नए स्कूलों की परिधि में विकास की आवश्यकता को पहचाना ही नहीं गया, नतीजतन स्कूलों को डिनोटिफाई करने का सिलसिला जारी है। बीस मार्च की अधिसूचना के अनुसार राज्य में शून्य छात्र संख्या के 36 सरकारी स्कूल डिनोटिफाई हो गए। कुछ यही हाल कालेज, मेडिकल कालेजों और विश्वविद्यालयों की संख्या बढ़ाने से भी हुआ।

सरकार एड़ी चोटी का प्रयास करते हुए मेडिकल कालेजों में सुविधाएं बढ़ा रही है, लेकिन चिकित्सा का मूल आधार डिस्पेंसरी से शुरू होता है। यही आवश्यकता निजी क्षेत्र की उपलब्धि बन जाती है। हिमाचली मरीज के समीप मेडिकल कालेज हमेशा खड़ा नहीं होगा, बल्कि चिकित्सकीय निकटता के लिए अब डिस्पेंसरी, सिविल, क्षेत्रीय व जोनल अस्पतालों में तत्परता चाहिए। निजी अस्पताल अपनी कोशिश को इतना भरोसेमंद बना देते हैं कि मरीज इस एहसास को अंगीकार कर लेता है। विकास में समय और समय सीमा में विकास के अर्थ को हिमाचल में समझने की जरूरत है। उदाहरण के लिए हिमाचल में पर्यटक सीजन शुरू है, तो इस समय को रेखांकित करने की तत्परता कहां है। सदन में बहस के दौरान हर विधायक किसी न किसी तरह के विकास, योजनाओं या परियोजनाओं पर केंद्रित रहा, लेकिन किसने पर्यटन के रथ पर बैठ कर विकास की योजनाओं को इंगित किया। हमारा दस्तूर अब विकास की खिचड़ी है, चाहे इसमें वास्तविक सामग्री हो या न हो। एक सरकार भवन बनाती रही, तो दूसरी के आने के बाद मालूम हुआ कि इनमें से हजार बेकार हैं, लेकिन जहां आवश्यकता है वहां बनाती नहीं। धर्मशाला में एक दशक से बस स्टैंड का निर्माण प्रयासरत है, लेकिन बनता नहीं। यहां उस सतत प्रयास की तारीफ करें कि फिर भी एक स्वर्गीय नेता के नाम पूरा परिसर हो जाता है। इसी धर्मशाला में प्रदेश के पहले ट्यूलिप गार्डन के प्रस्ताव में दस करोड़ के करीब खर्च हो जाते, लेकिन आज तक एक भी फूल खिला नहीं। कान्वेंशन सेंटर देगची पर चढ़ी खिचड़ी हो गया, तो विकास से पहले जहां सींग उगते हैं, उन परियोजनाओं पर रहम कौन करेगा। हम किसी भाजपा के विधायक से सुनेंगे, तो विकास गुजरे जमाने की दास्तान है और सत्तारूढ़ दल के विधायक बताते रहेंगे कि कितने कोस चल चुके हैं। हमने स्मार्ट सिटी के तहत शिमला-धर्मशाला की जागीर खोद दी। शिमला के शृंगार में लोहे का इस्तेमाल किसके आंचल में छेद कर रहा है, यह देखने की फुर्सत नहीं। धर्मशाला के स्मार्ट रोड के डक्ट में बहती गंदगी, एक नया अवतार है। आश्चर्य यह कि कहीं भवनों पर पेड़ उगे हैं, तो कहीं मिट्टी के ढेर लगे हैं। विकास की पैमाइश में ठेकेदारी प्रथा बदल गई। अधूरी संरचना, मलबे के ढेर और बिलों के भुगतान से खतरा यह कि निर्माण अब दर्द देता है। नगर निगम तो बढ़ गए, लेकिन शहरी जरूरतों के खाके में न सपने हैं और न ही सपनों को पूरा करने का बंदोबस्त। बेशक कारवां बड़ा हो गया, लेकिन मंजिल का पता नहीं। हमें यह पता है कि विकास के उच्चारण में कुछ ईंटें उठा लो, भले ही जरूरत का इंतखाब हो या न हो। हिमाचल के कितने सरकारी कार्यालयों के पास माकूल पार्किंग सुविधा है और अगर नहीं है, तो हमारी योजना क्या है। कितने गांवों से शहरों तक हमें सामुदायिक मैदान चाहिएं, लेकिन हमारी योजना कहां है। जरूरतें जहां चीख रही हैं, वहां हमारे विकास का इंतखाब नहीं।

विश्व स्वास्थ्य दिवस पर विशेष

विज्ञान आधारित स्वास्थ्य क्रांति की ओर बढ़ती दुनिया

योगेश कुमार गोयल

पूरी दुनिया इस साल 'स्वास्थ्य के लिए एकजुट रहें, विज्ञान के साथ खड़े रहें' विषय के साथ 76वां विश्व स्वास्थ्य दिवस मना रही है। यदि पिछले कुछ वर्षों की स्वास्थ्य दिवस की थीम पर नजर डालें तो 2025 का विषय था 'स्वस्थ शुरुआत, आशापूर्ण भविष्य', 2024 में यह दिवस 'मेरा स्वास्थ्य, मेरा अधिकार', 2023 में 'सभी के लिए स्वास्थ्य', 2022 में 'हमारा ग्रह, हमारा स्वास्थ्य', 2021 में 'सभी के लिए एक निष्पक्ष, स्वस्थ दुनिया का निर्माण', 2020 में 'नर्सों और दाईयों का समर्थन करें' तथा 2019 में 'सार्वभौमिक स्वास्थ्य : हर कोई, हर जगह' विषय के साथ मनाया गया था। इस वर्ष का विषय न केवल वैश्विक सहयोग को सुदृढ़ करने का आह्वान करता है बल्कि भ्रामक सूचनाओं के इस दौर में वैज्ञानिक प्रमाणों पर जन-विश्वास को पुनर्स्थापित करने और साक्ष्य-आधारित नीतियों के माध्यम से मानवता की रक्षा करने पर केंद्रित है।

दुनिया के प्रत्येक व्यक्ति को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने और वैश्विक स्वास्थ्य मानकों में सुधार लाने के उद्देश्य के साथ विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के बैनर तले प्रतिवर्ष 7 अप्रैल को एक खास थीम के साथ 'विश्व स्वास्थ्य दिवस' मनाया जाता है। इस दिवस को मनाए जाने का प्रमुख उद्देश्य स्वास्थ्य को लेकर विश्व में प्रत्येक व्यक्ति को बीमारियों के प्रति जागरूक करना, लोगों के स्वास्थ्य स्तर को सुधारना और हर व्यक्ति को इलाज की अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना ही है। पूरी दुनिया इस साल 'स्वास्थ्य के लिए एकजुट रहें, विज्ञान के साथ खड़े रहें' विषय के साथ 76वां विश्व स्वास्थ्य दिवस मना रही है। यदि पिछले कुछ वर्षों की स्वास्थ्य दिवस की थीम पर नजर डालें तो 2025 का विषय था 'स्वस्थ शुरुआत, आशापूर्ण भविष्य', 2024 में यह दिवस 'मेरा स्वास्थ्य, मेरा अधिकार', 2023 में 'सभी के लिए स्वास्थ्य', 2022 में 'हमारा ग्रह, हमारा स्वास्थ्य', 2021 में 'सभी के लिए एक निष्पक्ष, स्वस्थ दुनिया का निर्माण', 2020 में 'नर्सों और दाईयों का समर्थन करें' तथा 2019 में 'सार्वभौमिक स्वास्थ्यः हर कोई, हर जगह' विषय के साथ मनाया गया था। इस वर्ष का विषय न केवल वैश्विक सहयोग को सुदृढ़ करने का आह्वान करता है बल्कि भ्रामक सूचनाओं के इस दौर में वैज्ञानिक प्रमाणों पर जन-विश्वास को पुनर्स्थापित करने और साक्ष्य-आधारित नीतियों के माध्यम से मानवता की रक्षा करने पर केंद्रित है। 'विश्व स्वास्थ्य दिवस' मनाए जाने की शुरूआत डब्ल्यूएचओ द्वारा 7 अप्रैल 1950 को की गई थी और यह दिवस मनाने के लिए इसी तारीख का निर्धारण डब्ल्यूएचओ की संस्थापना वर्षगांठ को चिन्हित करने के उद्देश्य से ही किया गया था। डब्ल्यूएचओ की स्थापना के साथ ही 1948 में विश्व स्वास्थ्य दिवस की नींव भी रख दी गई थी। दरअसल उस समय लोगों की सेहत को बढ़ावा देने और उन्हें गंभीर बीमारियों से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से दुनिया के कई देशों ने मिलकर दुनियाभर में ठोस कार्य करने की जरूरत पर बल दिया और आखिरकार विश्व स्वास्थ्य दिवस की नींव रखने के दो वर्ष बाद सन 1950 में पहली बार 7 अप्रैल को यह

दिवस मनाया गया। संयुक्त राष्ट्र का अहम हिस्सा 'डब्ल्यूएचओ' दुनिया के तमाम देशों की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं पर आपसी सहयोग और मानक विकसित करने वाली संस्था है, जिसका प्रमुख कार्य विश्वभर में स्वास्थ्य समस्याओं पर नजर रखना और उन्हें सुलझाने में सहयोग करना है। इस संस्था के माध्यम से प्रयास किया जाता है कि दुनिया का प्रत्येक व्यक्ति शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक रूप से पूर्ण स्वस्थ रहे। हालांकि चिंता की स्थिति यह है कि पिछले कुछ दशकों में एक ओर जहां स्वास्थ्य क्षेत्र ने काफी प्रगति की है, वहीं कुछ वर्षों के भीतर एड्स, कैंसर जैसी जानलेवा बीमारियों के प्रकोप के साथ हृदय रोग, मधुमेह, क्षय रोग, मोटापा, तनाव जैसी स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी तेजी से बढ़ी हैं। ऐसे में स्वास्थ्य क्षेत्र की चुनौतियां निरन्तर बढ़ रही हैं। वैसे तो दुनिया के तमाम देश बीते कुछ दशकों से स्वास्थ्य के क्षेत्र में लगातार प्रगति कर रहे हैं लेकिन कोरोना काल के दौरान जब अमेरिका जैसे विकसित देश को भी बेबस अवस्था में देखा गया और वहां भी स्वास्थ्य कर्मियों के लिए जरूरी सामान की भारी कमी नजर आई, तब पूरी दुनिया को अहसास हुआ कि अभी भी जन-जन तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के लिए बहुत कुछ किया जाना बाकी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन स्वयं मानता है कि दुनिया की कम से कम आधी आबादी को आज भी आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध नहीं हैं। विश्वभर में अरबों लोगों को स्वास्थ्य देखभाल हासिल नहीं होती। करोड़ों लोग ऐसे हैं, जिन्हें रोटी, कपड़ा और मकान जैसी मूलभूत आवश्यकताओं तथा स्वास्थ्य देखभाल में से किसी एक को चुनने पर विवश होना पड़ता है। भारतीय समाज में तो सदियों से धारणा रही है 'पहला सुख निरोगी काया, दूजा सुख घर में हो माया' लेकिन चिंता का विषय यही है कि हमारे यहां भी स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति बहुत खराब है। बहरहाल, विश्व स्वास्थ्य दिवस के माध्यम से जहां समाज को बीमारियों के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया जाता है, वहीं इसका सबसे महत्वपूर्ण बिन्दु यही होता है कि लोगों को स्वस्थ वातावरण बनाकर स्वस्थ रहना सिखाया जा सके। दरअसल विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक शारीरिक, मानसिक और सामाजिक रूप से पूर्ण स्वस्थ होना ही मानव-स्वास्थ्य की परिभाषा है। यह बेहद चिंता का विषय है कि दुनिया की करीब 30 प्रतिशत आबादी के पास बुनियादी स्वास्थ्य उपचार तक पहुंच नहीं है और करीब 200 करोड़ लोग विनाशकारी अथवा खराब स्वास्थ्य देखभाल लागत का सामना कर रहे हैं, जिसमें काफी असमानताएं हैं, जो सबसे वंचित परिस्थितियों में लोगों को प्रभावित कर रही हैं। हालांकि स्वास्थ्य का अधिकार एक ऐसा मौलिक मानवाधिकार है, जिसके तहत प्रत्येक व्यक्ति को बगैर किसी वित्तीय बोझ के, जब भी जरूरत हो, स्वास्थ्य देखभाल तक पहुंच मिलनी चाहिए। वैज्ञानिक उपलब्धियों का जश्न मनाते हुए हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि तकनीक और विज्ञान तभी वास्तविक रूप से सफल माने जाएंगे, जब वे एक गरीब की झोपड़ी तक सुलभ और वहनीय हों। जल जनित रोग, टाइफाइड और कुपोषण जैसी बीमारियां अभी भी हमारे समाज के लिए एक बड़ी चुनौती बनी हुई हैं, जो सीधे तौर पर स्वच्छता, शुद्ध पेयजल और वैज्ञानिक कचरा प्रबंधन की कमी को दर्शाती हैं। स्वास्थ्य सेवा की पहुंच को सार्वभौमिक बनाने के लिए विज्ञान के साथ अडिग खड़ा होना और साक्ष्य-आधारित मार्गदर्शन को पूरी निष्ठा से अपनाना ही वह एकमात्र मार्ग है, जो हमें एक स्वस्थ भारत और समृद्ध विश्व की ओर ले जाएगा। आज आवश्यकता केवल उपचार की नहीं बल्कि वैज्ञानिक सोच को अपनी दिनचर्या और जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा बनाने की है।

देश दुनिया से

स्क्रीन के युग में दम तोड़ती सुनने की संस्कृति

बीसवीं सदी मानव इतिहास की सबसे निर्णायक शताब्दियों में से एक रही है। यह वही सदी थी जिसने न केवल दो विश्व युद्धों की विभीषिका देखी बल्कि औपनिवेशिक शासन का अंत भी देखा। सर्वोपरि यह सदी आधुनिक तरक्की, ज्ञान व तकनीक की अभूतपूर्व प्रगति की साक्षी बनी। इसी सदी में मनुष्य ने न केवल विनाश के नए हथियार गढ़े, बल्कि संवाद और ज्ञान के ऐसे साधन भी विकसित किए, जिन्होंने समाज को जोडने का काम किया। इन्हीं सबों के बीच 'रेडियो' भी इसी सदी की एक ऐसी खोज थी, जिसने बिना शोर किए दुनिया की दिशा बदल दी। औपनिवेशिक बन्धनों से मुक्ति के बाद विश्व के अनेक देशों में रेडियो ने दशकों तक सूचना, शिक्षा और मनोरंजन को बिना किसी शोर-शराबे के समाज के हर वर्ग तक पहुंचाने में अग्रिम भूमिका निभाई। बीसवीं सदी के प्रारम्भ में साक्षरता सीमित होने के कारण समाचारपत्र की पहुंच केवल कुछ वर्गों तक होने के कारण रेडियो ने श्रव्य माध्यम के रूप में क्रांति लाने का काम किया, ऐसा कहने में अतिशयोक्ति न होगी। एक छोटे से यंत्र ने घर-घर तक समाचार, राजनीतिक भाषण और घटनाएं पहुंचाई तथा दूरी व विलम्ब की बाधा को तोड़ते हुए रेडियो ने सूचना को तत्काल बना दिया। इससे न केवल समाज में जागरूकता का एक नया दौर आरम्भ हुआ, अपितु दुर्गम गांव के घर-घर में देश दुनिया को जानने की एक अलख जग गयी। रेडियो का इतिहास केवल तकनीकी विकास की कहानी नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन की गाथा भी है। उन्नीसवीं सदी के अंत में रेडियो तरंगों की खोज तथा बीसवीं सदी में इसके प्रसारण की शुरुआत ने दुनिया को पहली बार यह एहसास कराया कि आवाज सीमाओं की मोहताज नहीं होती। वहीं भारतवर्ष ने भी रेडियो तरंगों को वर्ष 1927 में रेडियो प्रसारण की शुरुआत से तथा वर्ष 1936 में ऑल इंडिया रेडियो की स्थापना से राष्ट्रीय संवाद का माध्यम बनाया। तत्पश्चात आजादी की लड़ाई में भी रेडियो ने मूक जनता को स्वर देकर तीतर-बीतर जनसमूह को स्वतंत्रता के सांझा लक्ष्य से जोडने में अग्रिम भूमिका निभाई। इतना ही नहीं स्वतंत्रता संघर्ष में नेताजी सुभाष चंद्र बोस द्वारा संचालित आजाद हिंद रेडियो ब्रिटिश शासन के विरुद्ध वैचारिक संघर्ष का सशक्त माध्यम बना। रेडियो ने न केवल समाचार प्रदान किए, बल्कि जनता के भीतर साहस व एकजुटता का भी संचार किया। न केवल आजादी बल्कि आजादी के बाद भी रेडियो ने राष्ट्र निर्माण के मार्ग प्रशस्त किए। यह वह दौर था जब देश में साक्षरता सीमित थी और संसाधनों की कमी थी, तब रेडियो शिक्षा और सूचना का सबसे भरोसेमंद एवं सशक्त माध्यम के रूप में सामने आया। कृषि कार्यक्रमों से लेकर स्वास्थ्य

औपनिवेशिक बन्धनों से मुक्ति के बाद विश्व के अनेक देशों में रेडियो ने दशकों तक सूचना, शिक्षा और मनोरंजन को बिना किसी शोर-शराबे के समाज के हर वर्ग तक पहुंचाने में अग्रिम भूमिका निभाई। बीसवीं सदी के प्रारम्भ में साक्षरता सीमित होने के कारण समाचारपत्र की पहुंच केवल कुछ वर्गों तक होने के कारण रेडियो ने श्रव्य माध्यम के रूप में क्रांति लाने का काम किया, ऐसा कहने में अतिशयोक्ति न होगी।

जागरूकता अभियान, महिला सशक्तिकरण और सांस्कृतिक कार्यक्रमों तक रेडियो ने समाज को जागरूक तथा जोडने का कार्य किया। इसके अतिरिक्त विभिन्न देशों के बीच आपसी संघर्ष के समय सूचना, प्रचार और मनोबल का सबसे प्रभावी माध्यम भी रेडियो ही था। युद्ध की भयावहता के बीच रेडियो ने युद्ध में संलग्न सैनिकों तथा डरी हुई जनता के लिए आशा की आवाज के रूप में काम किया। इससे भी बढक़र समाचार माध्यम के रूप में रेडियो विश्वसनीयता और संयम की मिसाल थी। रेडियो समाचारों में सनसनी नहीं, बल्कि संतुलन होता था। वहीं देश-दुनिया की घटनाएं भी तथ्यात्मक ढंग से प्रस्तुत की जाती थीं। वर्तमान में न तो सूचना की कमी है और न ही सूचना के स्त्रोतों की। बावजूद इसके समाज में भ्रम बढ़ता प्रतीत हो रहा है। ऐसे में रेडियो पत्रकारिता की उस परंपरा को याद करना आवश्यक है जहां सूचना का उद्देश्य जागरूकता था, न की उत्तेजना और भ्रम। अगर खेल की बात करें तो क्रिकेट, फुटबॉल और अन्य खेल रेडियो पर केवल सुने नहीं, बल्कि महसूस किए जाते थे। कमेंटेटर की आवाज और उसकी शब्द-चित्रण क्षमता श्रोताओं की कल्पना को सक्रिय करती थी। पूरा गांव या मोहल्ला एक ही रेडियो के इर्द-गिर्द मैच सुनता था। आज तकनीक ने दृश्य तो दे दिए हैं, लेकिन वह सामूहिक अनुभव और धैर्य को हमसे छीन लिया है। आज जब मोबाइल फोन और अन्य यंत्रों ने रेडियो की जगह ले ली है, तब यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या हमने एक उपयोगी माध्यम के बदले समय खा जाने वाली तकनीक को अपना लिया है। रेडियो की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि वह मनुष्य से उसका समय नहीं छीनता था। रेडियो सुनते हुए लोग अपने दैनिक कार्य करते थे। खेतों में काम करते किसान, रसोई में व्यस्त गृहणियां, दुकानों एवं कार्यस्थलों पर श्रमिक व हरेक व्यक्ति रेडियो-जीवन की लय में शामिल रहता था, लेकिन रेडियो कभी बाधा नहीं बना। वह न तो आंखों पर दबाव डालता था और न ही ध्यान भटकाता था। इसके विपरीत मोबाइल फोन व संबंधित यंत्र मनुष्य का पूरा ध्यान मांगते हैं और उसे स्क्रीन के सामने स्थिर कर देते हैं। जिससे हम दुनिया से तो वर्चुअल माध्यम से जुड रहे हैं, लेकिन वास्तविक रूप से एक घर के अंदर भी जुड़ पाने में सक्षम नहीं हैं। समय के साथ मोबाइल फोन और इंटरनेट का तेज विस्तार हुआ और रेडियो धीरे-धीरे पृष्ठभूमि में चला गया। वास्तव में मोबाइल ने रेडियो के साथ-साथ मनुष्य का खाली समय भी निगल लिया। रेडियो जहां काम के साथ चलता था, वहीं मोबाइल हमें किसी काम का नहीं रखता। आज सूचना का तो अंबार है, लेकिन वास्तविक ज्ञान का अभाव स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। वहीं आवाजें तो बहुत हैं, लेकिन सुनने का धैर्य नहीं। रेडियो का ठहराव, उसकी शालीनता और उसकी सीमाएं आधुनिक डिजिटल माध्यमों में दुर्लभ हो चुकी हैं, ऐसा कहने में अतिशयोक्ति न होगी। यूं कहें कि रेडियो केवल एक यंत्र नहीं, बल्कि एक संस्कार के रूप में प्रचलित था। वह आवाज की वह क्रांति था जिसने अपने दौर में बिना शोर किए समाज को दिशा देने में अहम योगदान दिया। शायद अब समय आ गया है कि हम रेडियो को केवल अतीत की वस्तु न मानें, बल्कि उससे सीख लेकर तकनीक और समय के बीच संतुलन स्थापित करने के लिए प्रयत्नशील रहें, जिसमें ही भावी पीढ़ी का हित निहित है।

आप का नज़रिया

टूटेगा ट्रंप का दंभ

कमोबेश अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप का गुरूर, उनका दंभ, अहंकार, उनकी सनक, सभी टूटने चाहिए। एक राष्ट्रपति की 'कब्जेबाजी मानसिकता' ने दुनिया को गरीबी, महंगाई, मंदी और अंततः भुखमरी के कगार पर लाकर पटक दिया है। ईरान युद्ध में राष्ट्रपति ट्रंप के मंसूबे और मकसद चकनाचूर हो चुके हैं। बेशक अमरीका-इजरायल के हवाई हमलों ने ईरान की हजारों इमारतें, कल-कारखाने, सैन्य मुख्यालय, शस्त्रागार, 30 विश्वविद्यालय, शहर-दर-शहर मिट्टी-मलबा कर दिए हों, लेकिन ईरान अब भी युद्ध-मैदान में खड़ा है, लड़ रहा है। उसने होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग पर अपना पूरा कब्जा कर वैश्विक अर्थव्यवस्था को हिला दिया है और ऊर्जा-अकाल के हालात पैदा कर दिए हैं। अमरीका भी महंगाई से चिल्ला रहा है। जनता सडक़ों पर आंदोलित है। फिर भी राष्ट्रपति ट्रंप चेतावनी दे रहे हैं कि यदि 6 अप्रैल तक होर्मुज नहीं खुला और ईरान ने डील नहीं की, तो ईरान पर कहर बरपेगा। ईरान इन धमकियों से नहीं डरता, बल्कि उसने अमरीका के एक ही दिन में 10 लड़ाकू विमान, हेलीकॉप्टर, ड्रोन आदि मार गिराए। एक अमरीकी पायलट लापता हो गया था, जो अब सुरक्षित मिल गया है। अब ईरान के आसमान पर ईरान का ही कब्जा है। अमरीकी लड़ाकू विमान 'एफ' श्रेणी के हैं, जिन्हें अमरीकी वायु-शक्ति की रीढ़ माना जाता रहा है। दुनिया अभी तक उन्हें 'अजेय' और संहारक मानती रही थी। उनमें परमाणु क्षमताएं भी हैं और वे दुश्मन के रडार को 'चकमा' देने में भी माहिर माने जाते रहे हैं। कहा जा रहा है कि ईरान ने अपनी वायु रक्षा प्रणाली की मिसाइलों से अमरीकी विमानों को धूल चटाई है। यह ईरान की वायु रक्षा प्रणाली है अथवा रूस की एस-400 को 'ईरानी नाम' दिया गया है? विमानों का तो अहंकार धराशायी हो चुका है, लेकिन अमरीका के पेंटागन ने भी स्वीकार किया है कि ईरान युद्ध में उसके 365 सैनिक घायल हुए हैं, जबकि 13 सैनिक मारे जा चुके हैं। घायल सैनिकों में 247 तो थलसेना के हैं, जबकि अमरीका ने विधिवत रूप से जमीनी ऑपरेशन की शुरुआत अभी करनी है। बहरहाल राष्ट्रपति ट्रंप को अपनी सुरक्षा-टीम के साथ न केवल आपात बैठक करनी पड़ी, बल्कि उसने बिचौलियों के जरिए 48 घंटे के युद्धविराम की पेशकश भी की, जिसे ईरान हुकूमत ने खारिज कर दिया। राष्ट्रपति ट्रंप का यह 'चरम दंभ' ही है कि उन्होंने ईरान को 'पाषाण-युग' में धकेलने का बयान दिया है। शायद अमरीकी राष्ट्रपति यह नहीं जानते कि ईरान 5-6 हजार साल पुरानी सभ्यता है। अमरीका तो 1776 में पैदा हुआ है। सिकंदर और चंगेज खां जैसे आक्रांता भी ईरान को हासिल नहीं कर सके,

राष्ट्रपति ट्रंप चेतावनी दे रहे हैं कि यदि 6 अप्रैल तक होर्मुज नहीं खुला और ईरान ने डील नहीं की, तो ईरान पर कहर बरपेगा। ईरान इन धमकियों से नहीं डरता, बल्कि उसने अमरीका के एक ही दिन में 10 लड़ाकू विमान, हेलीकॉप्टर, ड्रोन आदि मार गिराए। एक अमरीकी पायलट लापता हो गया था, जो अब सुरक्षित मिल गया है। अब ईरान के आसमान पर ईरान का ही कब्जा है। अमरीकी लड़ाकू विमान 'एफ' श्रेणी के हैं, जिन्हें अमरीकी वायु-शक्ति की रीढ़ माना जाता रहा है। दुनिया अभी तक उन्हें 'अजेय' और संहारक मानती रही थी। उनमें परमाणु क्षमताएं भी हैं और वे दुश्मन के रडार को 'चकमा' देने में भी माहिर माने जाते रहे हैं। कहा जा रहा है कि ईरान ने अपनी वायु रक्षा प्रणाली की मिसाइलों से अमरीकी विमानों को धूल चटाई है। यह ईरान की वायु रक्षा प्रणाली है अथवा रूस की एस-400 को 'ईरानी नाम' दिया गया है? विमानों का तो अहंकार धराशायी हो चुका है, लेकिन अमरीका के पेंटागन ने भी स्वीकार किया है कि ईरान युद्ध में उसके 365 सैनिक घायल हुए हैं, जबकि 13 सैनिक मारे जा चुके हैं।

तोड़ नहीं सके। इतिहास में दर्ज है कि ईरान कई बार बर्बाद हुआ है, मिट्टी-मलबा होता रहा है, लेकिन उसने पुनर्निर्माण किया है और आज वह परमाणु शक्ति बनने के बेहद करीब है। गुरूर ट्रंप का टूटना चाहिए, जिसने 139.5 लाख करोड़ रुपए (1.5 ट्रिलियन डॉलर) का नया रक्षा बजट मांगा है और प्रस्ताव अमरीकी कांग्रेस (संसद) को भेजा है। यह द्वितीय विश्व युद्ध के बाद सबसे बड़ा रक्षा बजट है। राष्ट्रपति ट्रंप करीब 42 फीसदी की बढ़ोतरी करना चाहते हैं और शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, विदेशी सहायता आदि के बजट में करीब 73 अरब डॉलर की कटौती के पक्ष में हैं। नतीजतन अमरीका पर कर्ज का बोझ बढ़ेगा। पहले ही अमरीका 39 ट्रिलियन डॉलर के कर्ज में है। अमरीका ईरान की नई युद्ध नीति से 'अलर्ट' हो गया है, लेकिन उसके लिए अब युद्ध में रखा क्या है? दुनिया में फ्रांस, जापान, दक्षिण कोरिया, जर्मनी, इटली, स्पेन, ब्रिटेन समेत भारत सरीखे देश चौतरफा दबाव में हैं, क्योंकि होर्मुज बंद है और खाड़ी देशों के तेल-गैस ठिकाने ध्वस्त कर दिए गए हैं, लिहाजा विश्व ऊर्जा की बूंद-बूंद को तरस रहा है। भारत को ऑनस्पॉट कच्चे तेल के दाम 141.36 डॉलर प्रति बैरल देने पड़ रहे हैं, जबकि वायदा कीमत 109.03 डॉलर की है। बहरहाल, यह युद्ध जल्द खत्म होना चाहिए।

कुछ अलग

फिल्म चालू करो...

अचानक सिनेमा हाल के मालिक परेशान हो गए। देश में अब ऐसी फिल्में बनने लगी हैं, जिन्हें देखते ही दर्शक असामान्य हो जाता है। थियेटर में ऐसी फिल्मों के आते ही दर्शकों का ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है। दर्शक कलाकार बन जाते हैं और जोश में थियेटर अखाड़ा बन जाता। फिल्मों में आए नए-नए मनोरंजन से सिनेमा हाल मालिकों के होश फाख्ता हैं। हालांकि कुर्सी युद्ध मशहूर है, लेकिन अब फिल्मों से थियेटर की कुर्सियां परेशान हैं। मांग यह है कि क्रांतिकारी फिल्में लगें, तो सुरक्षा के सारे इंतजाम सरकार ही करे। अंततः सरकार ने फैसला लिया कि जिन फिल्मों को वह अनुमोदित करेगी, उस फिल्म के जोखिम भी खुद उठाएगी। ऐसी फिल्में लगते ही इनके प्रदर्शन की इंश्योरेंस शुरू की गई। थियेटर मालिक अपनी तसल्ली और सुरक्षा के हिसाब से दक्षिण भारतीय, पंजाबी, भोजपुरी और बालीवुड की फिल्में लगाने लगे। माहौल शांत था, लेकिन एक फिल्म कहीं से फिर लौट आई। दावा था कि इस फिल्म को देखते ही दर्शक देशभक्त बन जाएगा। देश का संपूर्ण आत्मबल इस टोह में था कि फिल्म चले। घबरा तो थियेटर वाले रहे थे कि न जाने कहां तक चलेगी यह फिल्म और अंततः यह चल निकली। इस बार थियेटर से बाहर भी चलने लगी। देश को पहली बार फिल्म देखने की आदत सी हो गई। देश को नया ज्ञान, नया इतिहास और नया समाज पैदा करने में यह फिल्म कमाल करने लगी। देश अब खुद को फिल्मों में देखता और फिल्मों में ही सोचने लगा। अब तक की परेशानियां मनोरंजन में बदलने लगीं। देश ने अपने भीतर सारे बाजार-दरबार देखे। गर्जते हाथी, दहाड़ते शेर देखे। गिरती ट्रेनें, टूटते पुल देखे।

दृष्टि कोण

आर्थिक और उन्नत परमाणु शक्ति बने भारत

यकीनन इस समय पश्चिम एशिया सहित पूरी दुनिया में बढ़ते हुए युद्ध के दौर के बीच भारत की सीमाएं बढ़ती भूराजनीतिक चुनौतियों के मद्देनजर पहले से अधिक संवेदनशील हो गई हैं। हाल ही में अमरीका की नेशनल इंटेलिजेंस डायरेक्टर तुलसी गबार्ड के द्वारा प्रस्तुत 'एनुअल थ्रेट असेसमेंट' रिपोर्ट 2026 में कहा गया है कि इस समय पाकिस्तान के द्वारा किया जा रहा परमाणु और पारंपरिक हथियारों का विस्तार भारत सहित दक्षिण एशिया और अमरीका के लिए भी बड़ा खतरा बन गया है। ऐसे में भारत के लिए आर्थिक शक्ति के साथ उन्नत परमाणु हथियारों से सुसज्जित मजबूत सैन्य शक्ति बनने की आवश्यकता उभरकर दिखाई दे रही है। हाल ही में जहां बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप (बीसीजी) ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि भारत तेज रफ्तार से विकास करते हुए वर्ष 2030 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है, वहीं संसदीय रक्षा समिति की रिपोर्ट में भविष्य के युद्धों में भारत की निर्णायक भूमिका के मद्देनजर भारत को स्वदेशी ड्रोन और ड्रोन रोधी तकनीकों का हब बनाए जाने की जरूरत बताई गई है। गौरतलब है कि भारत के पड़ोस में पाकिस्तान के द्वारा आधुनिक चीनी हथियारों से आतंक और घुसपैठ को प्रश्रय और चीन की ओर से सीमा पर आपत्तिजनक गतिविधियां भारत के लिए चुनौतीपूर्ण हो गई हैं। जहां लद्दाख में चीन ने भारतीय क्षेत्र के कुछ भागों पर कब्जा कर रखा है, वहीं अब चीन की नजर कराकोरम दर्रे पर भी है। जहां चीन वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर पकड़ मजबूत करने की राह पर आगे बढ़ा है, वहीं वह हिंद महासागर में 'स्ट्रिंग ऑफ पर्ल्स' के जरिए भारत को घेरते हुए दिखाई दे रहा है। पिछले वर्ष 2025 में भारत के द्वारा पाकिस्तान को पहलगाम आतंकी हमले का जवाब देने के मद्देनजर जब 7 मई से ऑपरेशन सिंदूर चलाया गया था, तब पाकिस्तान का साथ देने के लिए चीन, तुर्किये और अजरबैजान का खतरनाक गठजोड़ सामने आया था। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान चीन ने पाकिस्तान को साइबर स्पोर्ट, उपग्रह के जरिए खुफिया

जानकारी उपलब्ध कराई थी। अब पाकिस्तान के द्वारा चीन के सहयोग से परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम अंतर महाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल जैसे हथियार विकसित किए जा रहे हैं। इतना ही नहीं पाकिस्तान ने सऊदी अरब के साथ रक्षा समझौता भी किया है। यह पूरा परिदृश्य भारत के लिए दशकों से चली आ रही शांतिप्रियता की नीति में आमूलचूल बदलाव की जरूरत बता रहा है। निःसंदेह कई दशकों से भारत पंचशील के वाहक देश के रूप में विदेशी आतंक और विदेशी अतिक्रमणों को भी धैर्यपूर्वक सहन करने की मानसिकता के साथ आगे बढ़ता रहा है, लेकिन हाल ही के वर्षों में ऐसी मानसिकता में बहुत कुछ बदलाव आया है। निःसंदेह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मुताबिक पिछले 12 वर्षों में सरकार ने एक ओर आर्थिक तो दूसरी ओर सामरिक क्षेत्र को मजबूत बनाया है। भारत ने आतंकवाद के प्रति कठोर नीति अपनाई है। आपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सेना ने महज 22 मिनट में स्वदेशी हथियारों से दुश्मन को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया था। वस्तुतः आपरेशन सिंदूर के तहत भारत ने एआई के उपयोग से पाकिस्तान के लक्षित आतंकी ठिकानों को बर्बाद करके अभूतपूर्व मिसाल पेश की है। अब भारत को यह दृढ़ता से स्वीकार करना होगा कि भारत के साथ पड़ोसियों के टकराव की स्थिति और बढ़ सकती है। ऐसे में भारत के लिए तेज आर्थिक विकास के साथ युद्ध के लिए अर्थव्यवस्था को तैयार करने, मजबूत सैन्य शक्ति व उन्नत परमाणु शक्ति संपन्न देश बनने के लिए रणनीतिक कदमों के साथ आगे बढना जरूरी दिखाई दे रहा है।

आईसीसी ने मार्च के लिए सैमसन और बुमराह को प्लेयर आफ द मंथ नामित किया

नई दिल्ली, 06 अप्रैल (एजेंसियां)।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने मार्च के लिए सोमवार को महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के नामों का ऐलान कर दिया है। इस बार भारत के स्टार खिलाड़ी संजू सैमसन और जसप्रीत बुमराह को पुरुष वर्ग में नामित किया गया है। दोनों खिलाड़ियों ने अपने शानदार प्रदर्शन से टीम को बड़ी जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई है, जिसके चलते इन्हें इस सम्मान का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। संजू सैमसन ने मार्च महीने में काफी अच्छी बल्लेबाजी की है। उन्होंने आईसीसी टी-20 विश्व कप में वेस्टइंडीज के खिलाफ नाबाद 97 रन बनाए और इसके बाद इंग्लैंड तथा न्यूजीलैंड के खिलाफ सेमीफाइनल और फाइनल में लगातार 89-89 रनों की पारियां खेलीं। उनकी इन पारियों ने टीम को मुश्किल हालात से निकालकर खिताबी जीत दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

बुमराह की घातक गेंदबाजी बनी जीत की कुंजी - जसप्रीत बुमराह ने भी आईसीसी टी 20 विश्व कप में अपनी सटीक और किफायती गेंदबाजी से विरोधी टीमों को पूरी तरह दबाव में रखा। उन्होंने अहम मुकाबलों में कुल 7 विकेट लिए और फाइनल में 4 ओवर में सिर्फ 15 रन देकर 4 विकेट झटकते हुए मैच जिताऊ प्रदर्शन किया। बुमराह और सैमसन के अलावा अन्य नामितों में दक्षिण अफ्रीका के युवा बल्लेबाज कानर एस्टरहुइजन भी शामिल हैं, जिन्होंने अपने शुरुआती अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 5 मैचों में 200 रन बनाए और अपनी टीम को श्रृंखला जिताने में अहम भूमिका निभाई।

महिला वर्ग में भी कड़ी टक्कर - महिला वर्ग में न्यूजीलैंड की कप्तान अमेलिया केर, आस्ट्रेलिया की बेथ मूनी और दक्षिण अफ्रीका की अयाबोंगा खाका को नामांकन मिला है। इन सभी खिलाड़ियों ने अपने प्रदर्शन से इस सम्मान के लिए मजबूत दावेदारी पेश की है।

ऐसे होगा विजेता का चयन - महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का चयन विशेषज्ञों की समिति और दुनियाभर के प्रशंसकों के मतदान के आधार पर किया जाता है। इसमें विशेषज्ञों के वोट का हिस्सा अधिक होता है, जबकि प्रशंसकों के वोट भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विजेताओं की घोषणा हर महीने के दूसरे सप्ताह में की जाती है।

न्यूज ब्रीफ

एफए कप 2026 सेमीफाइनल : मैन सिटी का सामना साउथेम्प्टन से, लीड्स यूनाइटेड से भिड़ेगी चेल्सी

नई दिल्ली। एफए कप 2025-26 के सेमीफाइनल मुकाबलों का ऐलान हो गया है। पहले सेमीफाइनल में

मैनचेस्टर सिटी का सामना साउथेम्प्टन से होगा, जबकि दूसरे सेमीफाइनल में चेल्सी की टक्कर लीड्स यूनाइटेड से होगी। ये दोनों मुकाबले 25 और 26 अप्रैल के वीकेंड पर खेले जाएंगे। दोनों सेमीफाइनल मैच वेम्बली स्टेडियम में आयोजित होंगे। क्वार्टरफाइनल में मैनचेस्टर सिटी ने लिवरपूल को 4-0 से हराकर शानदार अंदाज में अंतिम चार में जगह बनाई। वहीं चेल्सी ने लीग वन की टीम पोर्ट वेले को 7-0 से करारी शिकस्त दी। क्वार्टरफाइनल का सबसे बड़ा उलटफेर तब देखने को मिला जब साउथेम्प्टन ने आर्सेनल को 2-1 से हराकर सबको चौंका दिया। वहीं, लीड्स यूनाइटेड ने वेस्ट हैम यूनाइटेड को पेनल्टी शूटआउट में हराकर 39 साल बाद सेमीफाइनल में जगह बनाई।
सेमीफाइनल मुकाबलों का शेड्यूल: चेल्सी बनाम लीड्स यूनाइटेड — 25 अप्रैल। साउथेम्प्टन बनाम मैनचेस्टर सिटी — 26 अप्रैल।

फिडे कैंडिडेट्स टूर्नामेंट 2026, राउंड 7: वैशाली की लगातार दूसरी जीत, प्रज्ञानानंद और दिव्या ने खेला ड्रा

नई दिल्ली। फिडे कैंडिडेट्स टूर्नामेंट 2026 के सातवें राउंड में भारत की ग्रैंडमास्टर आर वैशाली ने

शानदार प्रदर्शन करते हुए लगातार दूसरी जीत दर्ज की। उन्होंने तान झोंगयी को हराकर सात राउंड में चार अंक हासिल कर लिए हैं और वह अंकतालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गई हैं। उनसे आगे अन्ना मुजिचुक 4.5 अंकों के साथ शीर्ष पर बनी हुई हैं। वैशाली और झोंगयी के बीच मुकाबला मध्य खेल तक ड्रा की ओर बढ़ रहा था, लेकिन 36 से 38वीं चाल के दौरान झोंगयी की गलतियों का वैशाली ने पूरा फायदा उठाया। 38वीं चाल में खेलकर वैशाली ने एक प्यादा जीता और काले राजा की ओर रास्ता खोल दिया। इसके बाद चाल ने झोंगयी के राजा को और कमजोर कर दिया, जिसका फायदा उठाते हुए वैशाली ने शानदार तालमेल के साथ जीत दर्ज की। वहीं, भारत की दिव्या देशमुख को कैटेरीना लाग्नो के खिलाफ ड्रा से संतोष करना पड़ा। मुकाबले के दौरान दिव्या ने बेहतर स्थिति हासिल कर ली थी और रूक एंडगेम में जीत की ओर बढ़ रही थीं, लेकिन लगातार रूक चेक दोहराने से लाग्नो को वापसी का मौका मिल गया। बाद में स्थिति संतुलित हो गई और मुकाबला ड्रा पर समाप्त हुआ। अन्य मुकाबलों में अन्ना मुजिचुक ने बिबिसारा असाउबायेवा के साथ ड्रा खेलकर अपनी बढ़त कायम रखी, जबकि झू जिनेर और अलेक्जेंड्रा गोरयाचकिना के बीच भी मुकाबला ड्रा रहा। ओपन वर्ग में भारत के आर प्रज्ञानानंद ने फैबियानो कारुआना के खिलाफ जीत की कोशिश की, लेकिन अंततः मुकाबला तीन बार एक जैसी स्थिति (थ्रीफोल्ड रिपिटिशन) के चलते ड्रा रहा। अन्य मुकाबलों में हिकारू नाकामुरा और मैथियास ब्लूबाम के बीच ड्रा हुआ।

इंग्लैंड फुटबाल टीम के कप्तान हैरी केन अभी कुछ समय मैदान से दूर रहेंगे

लंदन। इंग्लैंड फुटबाल टीम के कप्तान हैरी केन चोटिल हो गये हैं और ऐसे में आने वाले टूर्नामेंटों में उनका

खेलना संदिग्ध नजर आता है। केन को अभ्यास सत्र के दौरान यह चोट लगी थी। इसी कारण उन्हें कुछ समय के लिए मैदान से दूर रहना पड़ सकता है क्योंकि प्रबंधन उनकी वापसी को लेकर कोई खतरा नहीं उठाना चाहता है। एक रिपोर्ट के अनुसार केन के टखने में चोट लगी है, जिसकी वजह से वह अहम वाले मुकाबलों से बाहर रहेंगे। प्राप्त जानकारी के अनुसार केन को यह चोट अभ्यास सत्र के दौरान लगी थी। इसी कारण वह एक मैत्री मैच में भी नहीं खेल सके। इसके अलावा एक अन्य मुकाबले में आराम दिया गया था, जिससे उनकी फिटनेस को लेकर पहले ही प्रशंसकों को आशंका हो गयी थी। वहीं उनक क्लब के मुख्य कोच ने कहा है कि वह अगले घरेलू लीग मुकाबले में नहीं रहेंगे। हालांकि, उन्होंने उम्मीद जताई है कि हेरी शीघ्र ही वापसी करेंगे। वह अंतरराष्ट्रीय क्लब टूर्नामेंट में खेल सकते हैं। यह मुकाबला काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है और इसमें उनकी भूमिका निर्णायक हो सकती है। केन का इस सीजन का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। उन्होंने क्लब और राष्ट्रीय टीम की ओर से काफी गोल किये हैं। ऐसे में उनके बार रहने से टीम को नुकसान पहुंचेगा। आने वाले माह में विश्व स्तर का बड़ा टूर्नामेंट भी होना है, ऐसे में टीम प्रबंधन चाहत ही हैरी को पर्याप्त आराम दे दिया जाये जिससे कि वह तय समय तक फिट हो जायें।

केकेआर और पंजाब के बीच मैच हुआ रद्द, दोनों टीमों को मिला 1-1 अंक

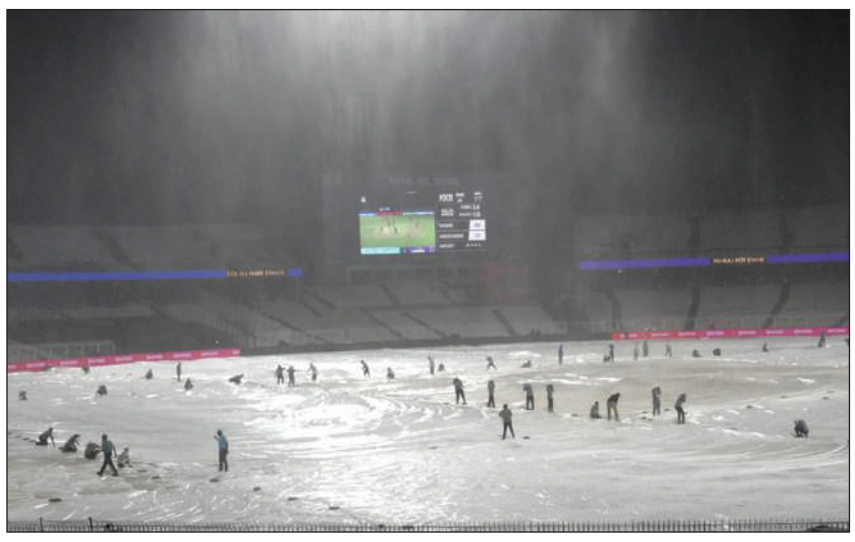

नई दिल्ली, 06 अप्रैल (एजेंसियां)।

कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और पंजाब किंग्स के बीच आईपीएल 2026 का मुकाबला बारिश की भेंट चढ़ गया है। केकेआर ने इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया था। टीम ने 3.4 ओवर में दो विकेट पर 25 रन बनाए थे।

उसी वक्त हल्की बारिश के कारण मैच रुक गया। हालांकि, देखते ही देखते बारिश तेज हो गई जिससे मुकाबला दोबारा शुरू नहीं हो सका। संयोग से पिछले सत्र में भी ईडन गार्डस में केकेआर और पंजाब किंग्स के बीच हुआ मैच (26 अप्रैल को) बारिश की वजह से प्रभावित हुआ था और दोनों टीम को एक-एक अंक बांटना पड़ा था।

पांच-पांच ओवर का मैच भी नहीं हो सका संभव

पांच-पांच ओवर का मैच कराने के लिए कटऑफ टाइम रात 11 बजकर 14 मिनट था। बारिश रुक भी गई, लेकिन जब कवर्स हटे तो मैदान काफी गीला था और बाउंड्री के पास पानी भी भरा था।

निर्धारित समय तक ग्राउंड तैयार नहीं किया जा सकता था,लिहाजा अंपायरों ने मैदान का निरीक्षण करने के बाद दोनों कप्तानों से चर्चा की और मैच रद्द करने का फैसला किया। केकेआर और पंजाब को इस तरह एक-एक अंक मिले। कोलकाता भले ही तीन मैचों के बाद भी जीत का खाता नहीं खोल सकी है, लेकिन उसने अंकों का खाता जरूर खोल लिया।

बार्टलेट ने केकेआर दिए शुरुआती झटके

इससे पहले, टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी केकेआर की शुरुआत अच्छी नहीं रही। जेवियर बार्टलेट ने दूसरे ओवर में दो विकेट झटक लिए। बार्टलेट ने सलामी बल्लेबाज फिन एलेन (06) और कैमरन ग्रीन (04) को तीन गेंद के भीतर आउट करके नाइट राइडर्स को दोहरा झटका दिया। दोनों ही बल्लेबाजों ने विकेटकीपर प्रभसिमरन सिंह को कैच थमाए। ग्रीन 25.20 करोड़ रुपये की कीमत के साथ सबसे महंगे विदेशी खिलाड़ी हैं लेकिन उनका खराब प्रदर्शन जारी रहा। इससे पहले उन्होंने मुंबई इंडियंस के खिलाफ 18 और सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ दो रन बनाए थे।

शाहरुख भी रहे स्टेडियम में मौजूद

इस मैच के लिए बॉलीवुड सुपरस्टार और केकेआर के सह मालिक शाहरुख खान भी दर्शकों के बीच मौजूद रहे। वह इस सत्र में पहली बार मैच देखने आए थे। शाहरुख के साथ उनकी बेटी सुहाना भी मौजूद थीं। शाहरुख इस दौरान केकेआर टीम के सीईओ वैंकी मैसूर के साथ कुछ चर्चा करते भी दिखे थे।

केकेआर ने इस मैच के लिए दो बदलाव किए। रहाणे ने टॉस के दौरान बताया था कि वरुण चक्रवर्ती पिछले मैच में कैच लेते वक्त चोटिल हो गए थे जिस कारण वह इस मैच का हिस्सा नहीं हैं। वहीं, सुनील नरेन को भी प्लेइंग-11 में जगह नहीं दी गई है क्योंकि वह बीमार हैं। वरुण और नरेन की जगह रोवमैन पॉवेल और नवदीप सैनी को जगह मिली थी। वहीं, पंजाब ने अपनी प्लेइंग-11 में कोई बदलाव नहीं किया था।

तुषार आने वाले समय में भारतीय टीम में नजर आयेगा: स्टेन

नई दिल्ली, 06 अप्रैल (एजेंसियां)।

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर डेल स्टेन ने राजस्थान रायल्स के युवा तेज गेंदबाज तुषार देशपांडे की जमकर प्रशंसा की है। अपने जमाने के दिग्गज तेज गेंदबाज रहे स्टेन ने कहा है कि जिस धैर्य से तुषार ने गुजरात टाइटन्स के खिलाफ अंतिम ओवरा किया उससे पता चलता है कि वह शीर्ष स्तर का गेंदबाज है। वह इसी प्रकार गेंदबाजी करता रहा तो भविष्य में भारतीय टीम में जगह बना सकता है। जिस प्रकार से उसने अंतिम ओवर में केवल 4 रन दिये उससे चयनकर्ता भी प्रभावित हुए बिना नहीं रहेंगे। तुषार ने अंतिम ओवर में जीत के लिए जरुरी रन गुजरात को नहीं बनाने दिये। उसने में राशिद खान और कसिगो रबाडो को रन बनाने का कोई अवसर नहीं दिया। स्टेन ने कहा कि कहा, तुषार का अंतिम ओवर बहुत अच्छा था। उन्होंने दबाव में एकदम सही गेंदबाजी की, राशिद खान जैसे खिलाड़ी को भी शाट खेलने से रोक दिया। किसी भी गेंदबाज के लिए इतने अधिक दबाव वाली हालत में शांत रहना बहुत कठिन होता है क्योंकि आपके दिमाग में बहुत सी बातें चलती रहती हैं पर ऐसे में भी तुषार ने गेंदबाजी पर पूरा नियंत्रण बनाये रखा। स्टेन ने कहा, तुषार ने चार जबरदस्त यार्कर डालीं। फिर उन्होंने अपनी लाइन बदली और लेंथ गेंद डाली और ऐसा करके उन्होंने राशिद पर अंकुख लगाया और बड़ा शाट मारने के लिए मजबूर कर दिया। जिससे वह कैच हो गये।

अब कमेंट्री नहीं कोचिंग पर ही ध्यान देंगे युवराज

मुम्बई। पूर्व भारतीय क्रिकेटर युवराज सिंह ने कहा है अब वह कमेंट्री नहीं करेंगे। इसकी जगह पर कोचिंग और अपने कारोबार पर ध्यान देंगे। युवराज ने बताया कि कमेंट्री खेल पर बात करने का एक अच्छा मंच है पर वह इसलिए इसमें नहीं रहना चाहते हैं क्योंकि कुछ लोगों ने कमेंट्री के दौरान उनके निजी जीवन को लेकर टिप्पणियां की थीं। इसी वजह से वह इससे दूर रहना चाहते हैं। युवराज कहा, अब जब मैं रिटायर हो गया हूं तो मैं यह कहना चाहता हूं कि कुछ लोगों ने मेरे क्रिकेट पर नहीं, बल्कि मुझ पर निजी प्रहार किय। क्रिकेट पर बात करना समझ में आता है, क्योंकि वह खेल का हिस्सा है पर निजी जीवन पर कहना सही नहीं है। युवराज का कहना है कि वह अब कोचिंग के साथ ही अपने कामकाज मे लगे हुए हैं। वह युवा खिलाड़ियों के साथ काम कर रहे हैं और उगे बढ़ाने में सहायता कर रहे हैं।युवराज पंजाब के युवा खिलाड़ियों जैसे अभिषेक शर्मा और प्रभसिमरन सिंह के मेंटर की भूमिका निभा रहे हैं। इसके अलावा उन्होंने संजू सैमसन को भी कठिन दौर में टिप्स दिये थे। युवराज ने बताया कि उन्होंने संजू सैमसन को तकनीकी रूप से फुटवर्क सुधारने की सलाह दी थी।

बुखारेस्ट में एटीटी टिरियाक ओपन टेनिस टूर्नामेंट

बुखारेस्ट में एटीटी टिरियाक ओपन टेनिस टूर्नामेंट में ट्रॉफी के साथ जश्न मनाते हुए अर्जेंटीना के मैरियानो नवोना।

मोंटे कार्लो मास्टर्स 2026: कार्लोस अल्काराज क्ले कोर्ट पर वापसी के लिए तैयार, बोले, अब मोजे गंदे करने का समय

मोंटे कार्लो, 06 अप्रैल (एजेंसियां)।

दुनिया के नंबर-1 टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्कराज एक बार फिर अपने पसंदीदा क्ले कोर्ट पर लौटने को लेकर बेहद उत्साहित हैं। मोंटे कार्लो में इस हफ्ते शुरू हो रहे टूर्नामेंट से पहले अल्कराज ने कहा कि वह क्ले पर वापसी कर लय हासिल करना चाहते हैं, खासकर फ्रेंच ओपन के खिताब का बचाव करने से पहले।

अल्कराज ने पिछले साल रोलां गैरोस में जैनिक सिनर को हराकर अपना पांचवां ग्रैंड स्लैम खिताब जीता था। इसके अलावा उन्होंने 2025 में मोंटे कार्लो और रोम में क्ले कोर्ट खिताब जीते थे, जबकि बार्सिलोना में उपविजेता रहे थे।

मोनाको में मीडिया से बातचीत करते हुए अल्कराज ने कहा, यह मेरे लिए सीजन का सबसे बेहतरीन समय होता है। जब भी क्ले सीजन खत्म होता है, मुझे इसकी कमी महसूस होती है। रोलां गैरोस के बाद काफी समय हो गया है जब मैंने क्ले पर खेला नहीं। प्रैक्टिस के पहले ही दिन मैंने अपनी टीम से कहा—अब मोजे गंदे करने का समय आ गया है। क्ले पर लौटकर शानदार महसूस हो रहा है।

22 वर्षीय खिलाड़ी, जो पिछले साल चोट के कारण मैड्रिड ओपन नहीं खेल पाए थे, इस बार पूरा क्ले सीजन खेलने की योजना बना रहे हैं। उन्होंने बताया कि उनका शेड्यूल मोंटे कार्लो, बार्सिलोना, मैड्रिड और रोम जैसे बड़े टूर्नामेंट खेलने का है, ताकि फ्रेंच ओपन से पहले पूरी तैयारी हो सके, जिसका मुख्य ड्रा 24 मई से शुरू होगा। अल्कराज ने कहा, यह शारीरिक और मानसिक रूप से काफी चुनौतीपूर्ण होता है। बार्सिलोना के दौरान शायद मुझे आराम करना चाहिए, लेकिन यह टूर्नामेंट मेरे लिए बहुत खास है। इसलिए मेरा फोकस रहेगा कि मैच और टूर्नामेंट के दौरान अपने शरीर का ध्यान रखूं।

उन्होंने यह भी माना कि पिछले साल मोंटे कार्लो में मिली जीत उनके करियर के लिए टर्निंग पाइंट साबित हुई थी।

अल्कराज ने कहा, यहां से जो आत्मविश्वास मिला, उससे मैं लगातार बेहतर होता गया। मुझे समझ आया कि मुझे किस तरह खेलना है और इसी वजह से मेरा साल शानदार रहा।

मोंटे कार्लो मास्टर्स 2026 में अल्कराज अपने अभियान की शुरुआत दूसरे दौर से करेंगे, जहां उनका मुकाबला स्टेन वावरिंका या सेबास्टियन बाएज़ में से किसी एक से होगा।

सीएसके के लिए प्लेआफ की राह अभी खुली हुई, बचे हुए 11 में से 8 मैच जीतने होंगे

चेन्नई, 06 अप्रैल (एजेंसियां)।

चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की टीम को आईपीएल के 19 सत्र में लगातार तीसरी हार मिली है। यह इस टूर्नामेंट में दूसरा अवसर है, जब सीएसके ने शुरुआत के तीन मैच हारी है। इससे पहले साल 2022 में सीएसके ने शुरुआती चार मुकाबले खो दिए थे जिससे अब ये सवाल उठने लगे हैं कि क्या टीम अब भी प्लेआफ के लिए क्वालीफाई कर सकती है तो इसका जवाब है हां। लगातार तीन हार से सीएसके अंकतालिका में सबसे निचले स्थान पर पहुंच गयी है पर इसके बाद भी उसके प्लेआफ में पहुंचने के रास्ते खुल हुए हैं। प्लेआफ में पहुंचने के लिए अभी सीएसके के सामने कोई बाधा नहीं है। न ही ऐसा है कि उसे दूसरी टीमों के परिणामों पर निर्भर रहना पड़े। उस इसके लिए केवल आगे के बचे हुए 11 में से 8 मैच जीतने होंगे क्योंकि शीर्ष-4 में सीधे जगह बनाने के लिए किसी भी टीम को कम से कम 16 अंकों की जरूरत होती है

और इस आंकड़े तक पहुंचने के लिए सीएसके को बचे हुए 11 मैचों में से 8 मैच हर हाल में जीतने होंगे। लगातार तीन हार से चेन्नई का नेट रन रेट -2.517 भी सबसे खराब हो गया है। ऐसे में अगर टूर्नामेंट के अंत में शीर्ष-4 की एसी स्थिति बनती है कि सीएसके के अंक किसी दूसरी टीम के बराबर होते हैं, तो कम रन रेट के कारण सीएसके को बाहर होना पड़ेगा। ऐसे में सीएसके को बड़े अंतर से जीत हासिल कर रन रेट भी बेहतर करना होगा।

भविष्य में सीएसके की कप्तानी भी संभाल सकते हैं सैमसन : मनोज तिवारी

कोलकाता। पूर्व क्रिकेटर मनोज तिवारी ने विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन की प्रशंसा करते हुए कहा है कि पिछले कुछ समय में उनका बेहतीन प्रदर्शन सामने आया है और ऐसे में वह इस बार चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के लिए बेहद उपयोगी साबित होंगे। तिवारी के अनुसार सैमसन एक अच्छे बल्लेबाज हैं, विकेटकीपर हैं मौका मिलने पर वह कप्तानी भी कर सकते हैं। उन्होंने आईपीएल और घरेलू क्रिकेट में लंबे समय तक कप्तानी की है। साथ ही कहा कि आज महेन्द्र सिंह धोनी जिस प्रकार सीएसके में लोकप्रिय हैं। वैसे ही आने वाले समय में सैमसन भी होंगे। वह धोनी के जाने के बाद सीएसको को उनकी कम महसूस नहीं होने लेंगे। मनोज तिवारी ने कहा कि, हर इंसान के जीवन में एक अच्छा समय आता है और यही अब सैमसन के साथ हो रहा है। इस पूर्व क्रिकेटर ने आगे कहा कि जिस तरह से सैमसन ने टी20 विश्व कप 2026 में खेला उसके लिए उनकी सराहना होनी चाहिये। उनको पहले ही पारी की शुरुआत का अवसर मिलना चाहिए था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। जब उन्हें मौका मिला तब वो मध्यक्रम में खेले और फिर उन्हें पारी शुरु करने का मौका मिला और फिर जिस तरह से उन्होंने बल्लेबाजी की उससे सभी प्रभावित हुए हैं।

आफ-रोडिंग के शौकीनों के लिए एसयूवी हुंडई बोल्डर पेश

नई दिल्ली, 06 अप्रैल (एजेंसियां)।

हुंडई कंपनी ने हुंडई बोल्डर कान्सेप्ट को 2026 न्यूयार्क इंटरनैशनल आटो शो में पेश किया। इस एसयूवी को देखकर साफ संकेत मिलता है कि यह आफ-रोडिंग के शौकीनों के लिए तैयार की गई है। इस कान्सेप्ट माडल की टक्कर बाजार में पहले से मौजूद जीप रैंगलर रुबिकान और फोर्ड ब्रोंको जैसी दमदार एसयूवी से मानी जा रही है। बोल्डर कान्सेप्ट का एक्सटीरियर हुंडई की आर्ट आफ स्टील डिजाइन लैंग्वेज पर आधारित है, जिससे यह एक रग्ड और मजबूत आफ-रोडर की तरह नजर आती है। इसके फ्रंट में मस्कुलर बोनट और पिल-शेप्ड ओपनिंग्स दिए गए हैं, जबकि बोनट पर मोर्स कोड में एच का संकेत भी उकेरा गया है। वर्टिकली फिटेड एलईडी हेडलाइट्स, साइड डीआरएल और आफ-रोड स्पेसिफिक बम्पर के साथ टो हुक इसे और भी प्रैक्टिकल बनाते हैं। इस एसयूवी में 37 इंच के बड़े मड-टेरेन टायर्स दिए गए हैं, जो कठिन रास्तों पर बेहतर ग्रिप प्रदान करते हैं। इसका ग्राउंड क्लीयरेंस काफी अधिक है और इसे बेहतर अप्रोच व डिपार्चर एंगल के साथ डिजाइन किया गया है। पीछे की तरफ टेलगेट पर माउंटेड फुल-साइज स्पेयर व्हील इसकी आफ-रोड पहचान को और मजबूत बनाता है। इंटीरियर की बात करें तो इसका केबिन यूटिलिटी थीम पर आधारित है, जिसमें ड्यूरेबल मटेरियल का इस्तेमाल किया गया है। इसमें टच कंट्रोल की जगह फिजिकल बटन और रोटरी नाब दिए गए हैं, ताकि खराब रास्तों पर भी आसानी से आपरेट किया जा सके।

स्कूटर होंडा एक्स-एडीवी 750 की बिक्री बंद

नई दिल्ली। अपने प्रीमियम मैक्सी स्कूटर होंडा एक्स-एडीवी 750 को होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने भारतीय बाजार में बिक्री के लिए बंद कर दिया है। इस फैसले के पीछे इसकी कमजोर बिक्री को माना जा रहा है। होंडा एक्स-एडीवी 750 अपने अनोखे डिजाइन और एडवेंचर स्कूटर कैटेगरी के कारण चर्चा में रहा। इसका लुक काफी शार्प और रग्ड था, जिसमें डुअल एलईडी प्रोजेक्टर हेडलाइट्स, इंटीग्रेटेड टर्न इंडिकेटर्स और डीआरएल शामिल थे। बड़ी विंडस्क्रीन, क्रैश गार्ड, स्टेप-अप सीट और अपस्वेप्ट एग्जास्ट जैसे फीचर्स इसे एडवेंचर टूरिंग के लिए उपयुक्त बनाते थे। इसके पैनल पर स्पोर्टी ग्राफिक्स इसे और आकर्षक बनाते थे, जिससे यह सड़क पर अलग पहचान बनाता था। इस स्कूटर में 745 सीसी का पैरेलल-ट्विन इंजन दिया गया था, जो 58 बीएचपी की पावर और 69 न्यूटन मीटर का टार्क उत्पन्न करता था। इसे 6-स्पीड डुअल क्लच ट्रांसमिशन (डीसीटी) के साथ जोड़ा गया था, जो इसे स्कूटर सेगमेंट में एक अलग और प्रीमियम विकल्प बनाता था।

न्यूज ब्रीफ

ओप्पो पेड मिनी के साथ काम्पैक्ट टैबलेट सेगमेंट में कदम रखने की तैयारी

नई दिल्ली। ओप्पो अपने नए डिवाइस ओप्पो पेड मिनी के लान्च से पहले ही कई लीक्स सामने आ चुके हैं, जिनसे इसके डिजाइन और स्पेसिफिकेशन्स को लेकर काफी जानकारी मिल रही है।

ऐसा लग रहा है कि ओप्पो अपने नए डिवाइस ओप्पो पेड मिनी के साथ काम्पैक्ट टैबलेट सेगमेंट में कदम रखने की तैयारी कर रहा है। रिपोर्ट्स के अनुसार, यह एक छोटे आकार का टैबलेट होगा, लेकिन फीचर्स के मामले में यह प्रीमियम अनुभव देने का प्रयास करेगा। कहा जा रहा है कि इसमें ओएलईडी डिस्प्ले के साथ 8000 एमएएच की बड़ी बैटरी दी जा सकती है। पापुलर टिप्स्टर डिजिटल चेट स्टेशन के अनुसार, इस टैबलेट में 3:2 आस्पेक्ट रेश्यो वाली 8.8 इंच की ओएलईडी डिस्प्ले मिल सकती है, जो पारंपरिक मीडिया-फोकस्ड टैबलेट्स से अलग उपयोग अनुभव देगी। यह रेश्यो खास तौर पर पढ़ने और सामान्य उपयोग के लिए बेहतर माना जा रहा है। लीक के मुताबिक, डिस्प्ले का रिजाल्यूशन 2880गुणा 1920 पिक्सेल हो सकता है और इसमें 144 हर्ट्ज रिफ्रेश रेट मिलेगा, जो एलटीपीओ तकनीक की मदद से 1 हर्ट्ज तक कम हो सकता है। इसकी पीक ब्राइटनेस लगभग 1800 निट्स तक बताई जा रही है और यह डीसीआई-पी3 कलर गैमट को सपोर्ट करेगा, जिससे विजुअल क्वालिटी काफी बेहतर रहने की उम्मीद है। परफार्मेंस के लिए इसमें क्वालकाम का स्नैपड्रेगन 8 जेन 5 प्रोसेसर दिए जाने की संभावना है, जो इसे फ्लैगशिप कैटेगरी में ला सकता है। डिजाइन की बात करें तो यह यूनिबाडी मेटल बिल्ड के साथ आ सकता है, जिसकी मोटाई लगभग 5.39 एमएम और वजन करीब 279 ग्राम बताया जा रहा है। यह डिवाइस डार्क ग्रे, पर्पल और सियान जैसे रंग विकल्पों में उपलब्ध हो सकता है।

सीमेंट सेक्टर में सुस्ती, कीमतों में जल्द बढ़ोतरी की उम्मीद

नई दिल्ली। एक रिपोर्ट के मुताबिक मार्च 2026 में सीमेंट की मांग कमजोर रही, खासकर महीने की शुरुआत में। हालांकि महीने के अंत तक कुछ सुधार देखने को मिला। कीमतें ज्यादातर स्थिर रहीं, लेकिन अब बाजार में तेजी के संकेत दिख रहे हैं। दक्षिण भारत में गैर-खुदरा सेगमेंट में कीमतें करीब 50 रुपये प्रति बैग बढ़ गई हैं। अन्य हिस्सों में जल्द ही 10-15 रुपये प्रति बैग तक बढ़ोतरी संभव है। सीमेंट कंपनियों के लिए लागत बढ़ना भी चिंता का कारण है। पेटकोक की कीमत बढ़कर 142 डालर प्रति टन हो गई है, जो पिछली तिमाही के मुकाबले 27 डालर अधिक है। पैकेजिंग लागत में भी वृद्धि हो रही है, जिसका असर मुनाफे पर पड़ सकता है। क्षेत्रवार स्थिति में पूर्वी भारत में मांग महीने के अंत में सुधरी, दक्षिण भारत में सप्लाई पर पैकेजिंग दिक्कतों का असर पड़ा। उत्तरी भारत में मांग कमजोर रही, लेकिन एनसीआर में कीमतें 10 रुपये प्रति बैग बढ़ीं। मध्य और पश्चिमी भारत में कीमतें स्थिर रहीं, लेकिन आने वाले दिनों में 10-15 रुपये प्रति बैग तक बढ़ोतरी की संभावना है।

पश्चिम एशिया संघर्ष से भारतीय विमानन कंपनियों को 2,500 करोड़ का झटका

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष ने भारतीय विमानन कंपनियों की आर्थिक स्थिति को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। उद्योग के ताजा अनुमानों के अनुसार एयरलाइंस को अब तक करीब 2,500 करोड़ का नुकसान हो चुका है, जो संघर्ष लंबा खिंचने पर और बढ़ सकता है। उद्योग से जुड़े ताजा आंकड़ों के अनुसार एयरलाइंस को अब तक लगभग 2,500 करोड़ का नुकसान उठाना पड़ा है। यदि ईरान और विशेष रूप से पाकिस्तान का हवाई क्षेत्र लंबे समय तक बंद रहता है, तो भारत-यूरोप जैसे लाभदायक मार्गों की आर्थिक व्यवहार्यता पर गंभीर खतरा मंडरा सकता है। पश्चिम एशिया भारतीय विमानन कंपनियों के लिए सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय बाजार है, लेकिन मौजूदा परिस्थितियों के कारण उड़ानों में भारी कटौती करनी पड़ी है। इससे विमान खाली खड़े हैं और उपलब्ध क्षमता का पूरा उपयोग नहीं हो पा रहा। देश की प्रमुख एयरलाइन इंडिगो को गर्मियों में प्रतिदिन 310 अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की अनुमति है, लेकिन वह वर्तमान में केवल 60 प्रतिशत उड़ानें ही संचालित कर पा रही है। कंपनी ने खाड़ी सहयोग परिषद देशों के लिए 115 और अन्य गंतव्यों के लिए 10 उड़ानें रद्द की हैं। वहीं एयर इंडिया समूह भी खाड़ी देशों के लिए अपनी उड़ानों को 100 से घटाकर 30-40 प्रतिदिन तक सीमित करने को मजबूर है। एयरलाइंस अधिकारियों के अनुसार उड़ानों की अनुमति अक्सर अंतिम समय पर मिलती है, जिससे योजना बनाना कठिन हो जाता है। साथ ही खाड़ी देशों की एयरलाइंस को स्लाट आवंटन में प्राथमिकता मिलने से भारतीय कंपनियों की परेशानी और बढ़ गई है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

हिप-हिप...

हथियार प्रणाली अधिकारी एक दूरदराज के पहाड़ी इलाके में उतरा और लगभग 48 घंटों तक लापता रहा। ईरानी सेना और स्थानीय मिलिशिया ने तुरंत उसकी तलाश शुरू कर दी। घंटों तक वह पकड़े जाने से बचने के लिए सावधानी से आगे बढ़ता रहा। ब्रिटिश अखबार द गार्डियन की रिपोर्ट के अनुसार वह कथित तौर पर ऊंचे स्थान पर चढ़ गया और अपनी स्थिति का पता चलने से बचने के लिए लंबे समय तक चुप रहने के बाद उसने अपना इमरजेंसी बीकन तभी चालू किया जब उसे खुद को सुरक्षित महसूस हुआ। डब्ल्यूएसओ को इसी जाग्रोस माउंटेन क्षेत्र से निकाला गया।

अमेरिकी फोर्सेस ने इस कर्नल को रेस्क्यू करने के लिए शाहरेजा शहर से लगभग 23 किलोमीटर उत्तर में कथित रूप से एक बेकार पड़े हवाई पट्टी का इस्तेमाल किया। यह जगह दक्षिणी इस्फ़हान प्रांत में है। इस ऑपरेशन का मुख्य लैंडिंग/सपोर्ट इसी इस्फ़हान एरिया से चला। हेलिकॉप्टर और स्पेशल फोर्सेस आदि यहीं से ऑपरेट किए।

अमेरिकी अधिकारी को बचाने के लिए एक बहुत बड़े ऑपरेशन की ज़रूरत पड़ी। इसमें अमेरिकी स्पेशल फ़ोर्स, ड्रोन, हेलीकॉप्टर, ट्रांसपोर्ट विमान और खास यूनिट्स सभी शामिल थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक 200 से ज़्यादा अमेरिकी कमांडो ने इसमें हिस्सा लिया। ईरान की सेना को गुमराह करने के लिए अमेरिका ने इंटेलिजेंस टीमों और सीआईए की धोखे वाली तरकीबों का भी इस्तेमाल किया। झूठी रिपोर्ट्स फैलाई गईं जिनमें दावा किया गया कि अधिकारी को पहले ही बचा लिया गया है। बताया जाता है कि ईरान की सर्च टीमों को उस असली जगह से दूर ले जाने के लिए नकली बीकन का इस्तेमाल किया गया, जहां एफ-15ई गनर असल में मौजूद था। आखिरकार स्पेशल फ़ोर्स की टीमें पहाड़ों में घायल अधिकारी तक पहुचीं।

इस तरह से अगर एफ-35ई क्रैश साइट यानी कि जहां विमान गिरा और दोनों क्रू इजेक्ट हुए और जहां डब्ल्यूएसओ को रेस्क्यू किया गया, दोनों स्थानों के बीच की दूरी लगभग 70-150 किलोमीटर के आसपास बताई जाती है। कोहगिलुयेह बोयेर-अहमद प्रांत (क्रैश साइट) और रेस्क्यू बेस दक्षिणी इस्फ़हान पड़ोसी प्रांत हैं। लेकिन क्रैश साइट मुख्य रूप से कोहगिलुयेह बोयेर-अहमद (दक्षिण-पश्चिम) में और रेस्क्यू बेस दक्षिणी इस्फ़हान में है। कुछ ओपेन सोर्स इंटेलिजेंस और रिपोर्ट्स में एयरस्ट्रिप से माउंटेन रेस्क्यू साइट तक 70 किलोमीटर की दूरी बताई गई है। बता दें कि इन दूरियों का आकलन ओपन सोर्स इंटेलिजेस ने किया है। ऑपरेशन की एग्जैक्ट जानकारी अमेरिका को है।

इस्फहान में ही ईरान का मुख्य परमाणु केंद्र है जहां यूरेनियम को एनरिच्ड किया जाता रहा है। इससे पहले कई रिपोर्ट में अमेरिका द्वारा ईरान के 405 किलो एनरिच्ड यूरेनियम को कैप्चर करने के लिए कथित रूप से कई रिपोर्टों का जिक्र मिलता है। हालांकि अमेरिका ने ऐसे किसी ऑपरेशन की जानकारी नहीं दी है। भूगोल की इन्हीं असंगतियों की वजह से ईरान ने शक जताया कि यह ऑपरेशन यूरेनियम चुराने की आड़ हो सकती है।

इस बीच ईरान वॉर में जंगी जहाजों के गिरने से अमेरिका को तगड़ा नुकसान हुआ है। इस युद्ध में अमेरिका के 29 विमान गिर गए हैं और एक एफ-35डैमेज हो गया है। एक आकलन के अनुसार इन विमानों के क्षतिग्रस्त होने की वजह से 15000 करोड़ का नुकसान हुआ है।

4 बॉम्बर...

उन्होंने कहा कि इस ऑपरेशन में अमेरिका बेहद मजबूत स्थिति में है और प्रदर्शन ऐसा है जैसा पहले कभी नहीं देखा गया।

ईरान को एक रात में खत्म करने की चेतावनी

राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने बयान में कहा कि अमेरिका के पास इतनी ताकत है कि वह पूरे देश को एक रात में खत्म कर सकता है और वह रात कभी भी आ सकती है, यहां तक कि अगली रात भी। उन्होंने इस मिशन को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि यह ऑपरेशन सैन्य इतिहास में दर्ज होगा और इसमें शामिल सभी लोगों की भूमिका बेहद अहम रही।

जो भी जरूरी हो, करने का आदेश

राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि उन्होंने अमेरिकी सेना को आदेश दिया कि अपने सैनिकों को वापस लाने के लिए जो भी जरूरी हो, वह किया जाए। उन्होंने माना कि यह बेहद जोखिम भरा फैसला था, क्योंकि इससे एक-दो की जगह 100 सैनिकों की जान भी जा सकती थी। लेकिन उन्होंने कहा कि अमेरिकी सेना का सिद्धांत है, हम अपने किसी भी नागरिक को पीछे नहीं छोड़ते।

21 सैन्य विमान दुश्मन के इलाके में भेजे गए

उन्होंने बताया कि कुछ ही घंटों के भीतर अमेरिकी सेना ने 21 सैन्य विमान दुश्मन के एयरस्पेस में भेज दिए। कई विमान बहुत कम ऊंचाई पर उड़ रहे थे और उन पर गोलियां चलाई जा रही थीं। उन्होंने कहा कि यह ऑपरेशन दिन के उजाले में करीब 7 घंटे तक चला और इस दौरान भारी दुश्मन फायरिंग का सामना करना पड़ा।

पहले पायलट को हेलिकॉप्टर से निकाला गया

राष्ट्रपति ट्रंप ने बताया कि पहली रेस्क्यू टीम ने एफ-15 के पायलट को खोज लिया और उसे एचएच-60 जॉली ग्रीन हेलिकॉप्टर की मदद से सुरक्षित बाहर निकाला गया। उन्होंने कहा कि इस दौरान सैनिकों को बेहद करीब से फायरिंग का सामना करना पड़ा, लेकिन फिर भी कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ।

दूसरा क्रू मेंबर घायल, पहाड़ों में फंसा

उन्होंने बताया कि दूसरा क्रू मेंबर, जो वेपन सिस्टम्स ऑफिसर था, पायलट से काफी दूर जाकर गिरा। तेज रफ्तार की वजह से कुछ सेकंड का फर्क भी कई किलोमीटर की दूरी बना देता है। वह गंभीर रूप से घायल था और ऐसे इलाके में फंसा था जहां ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड, स्थानीय आतंकी संगठन और अन्य खतरे मौजूद थे।

खून बहता रहा, फिर भी बचने की कोशिश जारी

राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि घायल अधिकारी ने अपनी ट्रेनिंग के अनुसार खुद को बचाने की कोशिश की। वह पहाड़ी इलाके में ऊपर की तरफ चढ़ा, ताकि दुश्मनों से बच सके। उन्होंने बताया कि वह बुरी तरह घायल होने के बावजूद चट्टानों पर चढ़ता रहा, खुद अपने जख्मों का इलाज किया और अपने लोकेशन की जानकारी अमेरिकी सेना तक पहुंचाई। उसके पास एक खास लोकेशन ट्रांसमीटर डिवाइस था, जिसकी मदद से उसने संपर्क बनाए रखा और अंततः उसे भी बचाने में सफलता मिली।

दूसरे रेस्क्यू ऑपरेशन में दिखी बड़ी सैन्य ताकत

राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि इसके बाद तुरंत एक बड़ा ऑपरेशन शुरू किया गया, जिसमें पहाड़ी इलाके में फंसे उस अधिकारी को निकालने के लिए भारी सैन्य ताकत लगाई गई। उन्होंने बताया कि दूसरे रेस्क्यू मिशन में कुल 155 एयरक्राफ्ट शामिल थे, जिनमें 4 बॉम्बर, 64 फाइटर जेट, 48 रिफ्यूलिंग टैंकर और 13 रेस्क्यू एयरक्राफ्ट थे।

दुश्मन को भ्रम में डालने की रणनीति

राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि इस मिशन में खास रणनीति अपनाई गई। दुश्मन को भ्रमित करने के लिए कई जगहों पर अलग-अलग टीमों को एक्टिव दिखाया गया, ताकि उन्हें असली लोकेशन का पता न चल सके। उन्होंने बताया कि दुश्मन को लगा कि पायलट अलग-अलग जगहों पर हो सकता है, जिससे वे भ्रम में पड़ गए और अमेरिकी सेना को असली जगह पर ऑपरेशन करने का मौका मिल गया।

भारी गोलीबारी के बीच सफल रेस्क्यू

राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी सेना ने बेहद सटीक और तेज कार्रवाई करते हुए सही लोकेशन पर हमला किया, दुश्मन से मुकाबला किया, फंसे हुए अधिकारी को सुरक्षित निकाला और बिना किसी नुकसान के वापस लौट आई। उन्होंने बताया कि वह अधिकारी करीब 48 घंटे तक दुश्मन इलाके में छिपकर बचता रहा, जो बेहद कठिन स्थिति थी, खासकर जब वह घायल भी था।

जरूरत पड़ने पर उपकरण तक नष्ट किए

राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि ऑपरेशन के दौरान कुछ बड़े विमानों को वापस ले जाना संभव नहीं था, क्योंकि वे भारी थे और जमीन की स्थिति खराब थी। उन्होंने बताया कि ऐसे में सेना ने उन विमानों को वहीं नष्ट कर दिया, ताकि दुश्मन को अमेरिकी तकनीक और उपकरणों तक पहुंच न मिल सके।

तेज और हल्के विमानों से सुरक्षित निकासी

उन्होंने कहा कि इसके बाद हल्के और तेज विमानों को बुलाया गया, जिन्होंने कम समय में सभी सैनिकों को वहां से सुरक्षित निकल लिया गया।

राष्ट्रपति ट्रंप ने इस पूरे ऑपरेशन को असाधारण बताते हुए कहा कि इसमें शामिल सैनिकों ने अद्भुत साहस और कौशल दिखाया। उन्होंने कहा कि सेना ने हर परिस्थिति के लिए बैकअप प्लान तैयार रखा था और यही इस मिशन की सफलता की सबसे बड़ी वजह बनी।

राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी सेना का सिद्धांत स्पष्ट है - अपने लोगों को हर हाल में सुरक्षित वापस लाना। उन्होंने सभी सैनिकों का धन्यवाद करते हुए कहा कि यह ऑपरेशन इतिहास में दर्ज होगा और यह दिखाता है कि अमेरिका अपने सैनिकों के लिए किसी भी हद तक जा सकता है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने बताया कि पिछले 37 दिनों में अमेरिकी सेना ने ईरान के ऊपर 10,000 से ज्यादा कॉम्बैट फ्लाइट्स और 13,000 से ज्यादा टारगेट पर स्ट्राइक की है। उन्होंने कहा कि इतने बड़े ऑपरेशन के बावजूद यह पहला मौका था जब कोई अमेरिकी विमान दुश्मन की कार्रवाई में गिरा, लेकिन सबसे अहम बात यह रही कि दोनों क्रू मेंबर्स को सुरक्षित वापस लाया गया।

कठिन हालात में भी दिखी बेहतरीन योजना

राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि ऑपरेशन के दौरान जिस जगह से निकासी की गई, वह कोई रनवे नहीं बल्कि एक खेत था, जहां गीली रेत के कारण विमान का उड़ान भरना बेहद मुश्किल था। उन्होंने बताया कि इस स्थिति के लिए पहले से बैकअप प्लान तैयार रखा गया था और जैसे ही जरूरत पड़ी, हल्के और तेज विमान तुरंत वहां पहुंचे और सभी को सुरक्षित निकाल लिया गया।

सीआईए और सेना की भूमिका अहम

राष्ट्रपति ट्रंप ने इस मिशन में सीआईए और सैन्य अधिकारियों की भूमिका की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि दुश्मन के इलाके में फंसे पायलट को ढूंढना भूसे के ढेर में सुई खोजने जैसा था, लेकिन एजेंसियों ने मिलकर इसे संभव किया।

ऐसे ऑपरेशन इतिहास में दुर्लभ होते हैं

राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि इस तरह के ऑपरेशन आमतौर पर नहीं किए जाते, क्योंकि जोखिम बहुत ज्यादा होता है और अक्सर ज्यादा नुकसान हो सकता है। लेकिन उन्होंने कहा कि अमेरिका का सिद्धांत साफ है - किसी भी हालत में अपने सैनिकों को पीछे नहीं छोड़ा जाएगा, और इस मिशन ने एक बार फिर इसे साबित किया।

पुलिसकर्मियों ...

पुलिस, जिसका काम जनता की रक्षा करना था, उन्होंने उन पर इस तरह हमला किया जैसे बाड़ ही फसलों को खत्म कर दे।

उन्होंने कहा कि इस कृत्य को देखकर उनका दिल दुखता है, बेनिक्स की मां के दुख को कोई कम नहीं कर सकता। एक परिवार उजड़ गया है। उनके लिए उम्रकैद भी काफी नहीं होगी। जज ने कहा कि यह एक दुर्लभ मामला है। जज ने हर एक दोषी के लिए सजा का विवरण सुनाते हुए कहा, वे सोच सकते हैं कि ऐसा अपराध करने के बाद वे 14 साल में छूट जाएंगे। लेकिन अदालत ऐसा होने देने के लिए तैयार नहीं है।

दोहरी फांसी और 76.38 लाख रुपये का कुल जुर्माना

मुख्य दोषी इंस्पेक्टर श्रीधर समेत सभी 9 अभियुक्तों को डबल डेथ सेंटेंस (दो बार फांसी) के अलावा अलग-अलग धाराओं में एक से लेकर सात साल की जेल की सजा और कुल 76.38 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

अदालत ने इंस्पेक्टर श्रीधर पर 24.10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। दूसरे दोषी बालकृष्णन को कानून की अलग-अलग धाराओं के तहत एक साल और सात साल के कारावास, दोहरी मृत्युदंड की सजा सुनाई गई और 16.80 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया।

तीसरे दोषी रघुगणेश को कानून की विभिन्न धाराओं के तहत एक साल और सात साल की कैद, दोहरी मौत की सजा और 5.20 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। चौथे दोषी हेड कॉन्स्टेबल मुरुगन को दोहरी मौत की सजा के साथ कानून की अलग-अलग धाराओं के तहत एक साल से लेकर सात साल की कैद और 10.10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया।

पांचवें दोषी सामदुरई को कानून की धाराओं के तहत दोहरी मौत की सजा, एक से लेकर सात साल की कैद और 5.60 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। छठे दोषी मुथुराजा को कानून की विभिन्न धाराओं के तहत एक से लेकर सात साल की कैद और दोहरी मौत की सजा सुनाई गई। इसके अलावा, 3.20 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया गया।

सातवें दोषी सेल्लादुरई को दोहरी मौत की सजा के साथ कानून की विभिन्न धाराओं के तहत एक से सात साल की कैद की सजा दी गई और 14.40 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। आठवें दोषी थॉमस फ्रांसिस को कानून की विभिन्न धाराओं के तहत दोहरी मौत की सजा के साथ एक से सात साल की कैद और 10.54 लाख रुपये का जुर्माना सुनाया गया। नौवें दोषी वेलुमुथु को भी दोहरी मौत की सजा के साथ कानून की विभिन्न धाराओं के तहत एक से सात साल की कैद और 10.54 लाख रुपये का जुर्माना सुनाया गया।

ज्ञानेश के खिलाफ...

राजनीतिक दलों के प्रति पक्षपात करने का आरोप भी लगाया गया है। इसमें सुप्रीम कोर्ट के कई फैसलों का जिक्र भी किया गया था।

संवैधानिक प्रावधानों के तहत खारिजी

इस प्रस्ताव पर राज्यसभा के सभापति ने गंभीर विचार-विमर्श किया। सभी जरूरी पहलुओं और मुद्दों का मूल्यांकन करने के बाद, सभापति ने न्यायाधीश (जांच) अधिनियम, 1968 की धारा 3 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए इसको स्वीकार करने से इनकार कर दिया।

लोकसभा सचिवालय ने कहा कि भारत के संविधान के अनुच्छेद 324(5), मुख्य निर्वाचन आयुक्त और अन्य निर्वाचन आयुक्त (नियुक्ति, सेवा की शर्तें और कार्यालय की अवधि) अधिनियम, 2023 की धारा 11(2) और न्यायाधीश (जांच) अधिनियम, 1968 के तहत लोकसभा के 130 सदस्यों द्वारा हस्ताक्षरित 12 मार्च, 2026 के एक प्रस्ताव संबंधी नोटिस लोकसभा अध्यक्ष को सौंपा गया था जिसमें मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने की मांग की गई थी।

सचिवालय ने कहा, 'प्रस्ताव के नोटिस पर उचित विचार करने और उसमें शामिल सभी प्रासंगिक पहलुओं और मुद्दों के सावधानीपूर्वक और वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन के बाद, लोकसभा अध्यक्ष ने न्यायाधीश (जांच) अधिनियम, 1968 की धारा 3 के तहत उन्हें प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, प्रस्ताव के उक्त नोटिस को स्वीकार करने से इनकार कर दिया है।'

राज्यसभा के महासचिव पीसी मोदी द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि उच्च सदन के सभापति सीपी राधाकृष्ण ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त के खिलाफ विपक्षी सदस्यों द्वारा दिए गए नोटिस को अस्वीकार कर दिया है।

नवजोत कौर...

उन्होंने अपने संदेश में आध्यात्मिक सोच और सत्य व प्रेम के मार्ग पर चलने की बात कही।

साथ ही यह भी कहा कि समान विचारधारा वाले लोगों के साथ मिलकर हर राज्य में न्याय, शांति और सेवा के लक्ष्य के साथ काम किया जाएगा।

पंजाब को लेकर उन्होंने विशेष रूप से कहा कि उनकी पार्टी राज्य को उसकी पुरानी पहचान दिलाने के लिए काम करेगी, जहां प्रेम, साझा संस्कृति, न्याय और स्वतंत्रता की भावना हो। उन्होंने जनता की, जनता के लिए और जनता द्वारा सरकार देने की बात भी दोहराई।

गौरतलब है कि साल 2026 की शुरुआत में कांग्रेस से निलंबन के बाद से ही उनके भाजपा में शामिल होने की चर्चा चल रही थी, लेकिन नई पार्टी के ऐलान के साथ उन अटकलों पर फिलहाल विराम लग गया है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, मंगलवार, 07 अप्रैल, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल का 165वां नि:शुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर सम्पन्न

451 से अधिक लोगों ने लिया लाभ

हैदराबाद, 06 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। बद्रीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल द्वारा, पित्ती इंजीनियरिंग लिमिटेड कोत्तूर के सहयोग से 165वां निशुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर कोत्तूर स्थित पित्ती इंजीनियरिंग लिमिटेड (अय्यप्पा स्वामी मंदिर के पास) में संपन्न हुआ।

अग्रवाल सेवा दल के प्रचार संयोजक अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, मेडिकवर हॉस्पिटल, हाईटेक सिटी के विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा विभिन्न स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गईं। शिविर में जनरल फिजिशियन, कार्डियोलॉजी, हड्डी रोग विशेषज्ञ की सेवाओं के साथ ईसीजी, 2 इको, बीएमडी, बीपी जांच एवं आरबीएस की जांच की गई।इस अवसर पर डॉ. संदीप, डॉ. सिमरन सलमा, डॉ. लावण्या सहित नर्सिंग स्टाफगंगोत्री, सदाना, पद्मा, अलीशा, ज़ीबिया, अमृता, अनुषा एवं सौम्या ने सेवाएं दीं। विपणन टीम से राजन कुमार एवं प्रदीप बद्दौला ने भी सहयोग प्रदान किया।

नेत्र जांच लायंस क्लब ऑफ हैदराबाद साधुराम आई हॉस्पिटल, दोमलगुडा द्वारा की गई, जिसमें 265 रोगियों की स्क्रीनिंग की गई। इनमें से 84 लोगों को चश्मे वितरित किए गए तथा 1 रोगी के मोतियाबिंद ऑपरेशन की व्यवस्था की गई। इस सेवा में अजीत कश्यप, एच. भगवान, यादगिरी, के. नर्सिंग राव एवं के. भास्कर ने सहयोग दिया।

शिविर में डॉ. अखिल क्लिनिक (पुरनदास रणछोड़दास) के जनरल फिजिशियन डॉ. अखिल सुगंधी एवं डॉ. मीनल सुगंधी ने रोगियों की जांच की। फिजियोथेरेपी सेवाएं बजाज फिजियो केयर की डॉ. मीता बजाज द्वारा प्रदान की गईं। दंत जांच एसएनआर डेंटल के डॉ. एस. नवनीत राज एवं डॉ. एस. निखिल राज द्वारा की गई। इस स्वास्थ्य शिविर का 451 से अधिक लोगों ने लाभ उठाया।

कार्यक्रम में अग्रवाल सेवा दल के सलाहकार एवं पित्ती ट्रस्ट तथा पित्ती इंजीनियरिंग लिमिटेड के चेयरमैन शरद बी. पित्ती, शिविर संयोजक एवं अग्रवाल सेवा दल के प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेंद्र गोयल, अजीत गुप्ता, कैलाश केडिया, निखिल राणासरिया, दीपक गुप्ता सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

इसके अतिरिक्त स्थानीय भागीदार पित्ती इंजीनियरिंग लिमिटेड, कोत्तूर के वरिष्ठ महाप्रबंधक (लैमिनेशन डिवीजन) गोगिनेनी वेंकट रमण, महाप्रबंधक (मशीन शॉप) मंडला नागी रेड्डी, स्वयंसेवक जितेन्द्र गोयल, सतीश गर्ग, पवन भुवनिया, योगेश अग्रवाल, सुमन भुवानिया, सुनयना नरसरिया, पद्मजा, प्रयाग चित्याल, अग्र महिला मंच की सरला अग्रवाल एवं वंदना अग्रवाल, समाजसेवी गोपाल सिंह, घनश्याम यादव तथा पित्ती लेमिनेशन के सदस्यगणों ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

केबीआर पार्क पर राधे-राधे ग्रुप का अन्नदान अभियान

हैदराबाद, 06 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में सोमवार को इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने केबीआर पार्क पर नियमित अन्नदान कार्यक्रम का श्रद्धा और सेवा भाव के साथ आयोजन किया गया। इस पुनीत अवसर पर जरूरतमंदों को भोजन वितरित कर मानवता की सच्ची सेवा का संदेश दिया गया।कार्यक्रम में उपस्थित सदस्यों ने कहा कि अन्नदान केवल एक सेवा नहीं, बल्कि समाज के प्रति हमारी जिम्मेदारी और संवेदनशीलता का प्रतीक है। इस प्रकार के प्रयासों से न केवल भूखों को राहत मिलती है, बल्कि समाज में सहयोग और करुणा की भावना भी मजबूत होती है।इस अवसर पर मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, संजय गुप्ता, जयप्रकाश सारडा सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

जे.आर.एफ. कार्ड पंजीकरण एवं रिन्युअल ड्राइव आयोजित

* कच्छी मित्र मंडल की पहल, सैकड़ों लोगों ने लिया लाभ * स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम के साथ सेवा कार्य सम्पन्न

हैदराबाद, 06 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

कच्छी समाज की प्रमुख संस्था श्री कच्छी मित्र मंडल की हेल्थकेयर (स्वास्थ्य) समिति द्वारा रविवार, 05 अप्रैल 2026 को जैन रिलीफ फाउंडेशन के सहयोग से जे.आर.एफ. कार्ड निःशुल्क पंजीकरण एवं रिन्युअल ड्राइव का आयोजन किया गया।

जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, हेल्थकेयर समिति के चेयरमैन एवं कैंप प्रधान संयोजक दिनेश गोसर ने बताया कि यह कार्यक्रम रामकोट स्थित श्री कच्छी भवन में प्रातः 10:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक आयोजित किया गया, जिसमें जे.आर.एफ. कार्ड पंजीकरण एवं रिन्युअल के साथ स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम भी सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम में श्री कच्छी मित्र मंडल के मंत्री पंकज सावला, सहमंत्री पराक मारू, कोषाध्यक्ष मनोज नागड़ा, कार्यकारिणी सदस्य रिद्धीश जागीरदार, हेल्थकेयर समिति संयोजक दिनेश गोसर, सहसंयोजक दीपक साईया, ट्रस्टी जयंत गडा, माइनोरिटी समिति संयोजक पंकज सावला, जैन रिलीफ फाउंडेशन के पवन कटारिया, धर्मेंद्र नाहर, प्रेम कोठारी तथा श्री कच्छी दशा ओसवाल ज्ञाती महाजन के अध्यक्ष लहेरचंद लोडाया सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे।

संयोजक दिनेश गोसर ने बताया कि इस पंजीकरण ड्राइव में कच्छी समाज के करीब 480 से अधिक लोगों ने अपने नाम का पंजीकरण एवं रिन्युअल कराया। उन्होंने समाज के शेष बंधुओं से आगामी दिनों में आयोजित होने वाले ड्राइव में अवश्य पंजीकरण कराने का आग्रह किया।

दिनेश गोसर ने जैन रिलीफ फाउंडेशन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए बताया कि दाताओं के सहयोग से 2 वर्षों के लिए यह कार्ड निःशुल्क प्रदान किए गए हैं। अधिक जानकारी के लिए इच्छुक व्यक्ति फोन नंबर 9848099011 पर संपर्क कर अपना पंजीकरण करवा सकते हैं। इस अवसर पर पंकज सावला, सुरेखा जैन, मित्तल देढिया, हीना गाला, निरूपा मारू एवं मनीषा देढिया ने ड्राइव में विशेष सहयोग प्रदान किया। वहीं कच्छी भवन के भावेश धरमशी, कनुभाई पटेल एवं वेंकटेश ने भी अपनी सेवाएं दीं।

मंत्री विकास केशान का आरोप

अग्रवाल समाज तेलंगाना कार्यालय पर कब्जे की कोशिश, बैठाये बाउंसर्स

हैदराबाद, 6 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल समाज तेलंगाना के मंत्री विकास कुमार केशान ने एक विज्ञप्ति जारी कर बताया कि समाज के कुछ बंधुगण, जो समाज पर क़ब्ज़ा करने की मंशा रखते है, उन्होंने अग्रवाल समाज कार्यालय राघव रत्ना टॉवर्स के द्वार पर बाउंसर्स बैठा दिए हैं, ताकि कोई भी समाज बंधु कार्यालय के अंदर प्रवेश न कर सके । उन्होंने याद दिलाया कि इन्हीं लोगों ने समाज की मर्यादा को तार-तार कर समाज पर अनर्गल आरोप लगाते हुए न्यायालय में खड़ा किया था । गत कई दिनों से समाज में बवाल मचा रहें हैं। समाज के द्वार पर बाउंसर्स लगाना, बल प्रदर्शन करना, घटिया और ओछा कार्य है। महाराजा अग्रसेन के आदर्शों का अपमान है। यह कृत्य अग्रवाल समाज की परंपरा नहीं है, और ना ही सिद्धांत है। समाज के बंधुगण संज्ञान लें कि समाज आपसी सहमति, प्रेम, विश्वास, सम्मान और सौहार्द से चलेगा या दादागिरी से । समाज द्वारा चुने हुए पदाधिकारियों को समाज कार्यालय में जाने से चुनाव में पराजित बंधुओं द्वारा रोकना, कहाँ तक उचित है, यह समाज निर्णय लें।

हविषा जैन की सराहनीय पहल

10वीं की छात्रा ने चिड़ियाघर में गिद्ध को लिया गोद, वन्यजीव संरक्षण का दिया संदेश

हैदराबाद, 06 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

10वीं कक्षा की छात्रा हविषा जैन ने रविवार को नेहरू जूलॉजिकल पार्क में एक महीने के लिए एक गिद्ध को गोद लेकर सराहनीय पहल की। यह कदम उन्होंने अपने मामा 'प्राणी मित्र' रिद्धीश जागीरदार के जन्मदिन के अवसर पर उठाया, जो पशु संरक्षण के क्षेत्र में सक्रिय रूप से कार्य करते हैं।हविषा ने बताया कि इस पहल के लिए उन्होंने अपनी निजी बचत से राशि दी है, जिसमें जन्मदिन और त्योहारों पर मिले उपहार राशि भी शामिल है।हविषा जैन अपने नाना कांतीलाल शाह, चचेरे भाई-बहनों एवं मित्रों के साथ चिड़ियाघर पहुंचीं, जहां उन्होंने असिस्टेंट क्यूरेटर बी. लक्ष्मण को 10,000 का चेक सौंपा।

हविषा ने बताया कि उन्हें अपने दादा एवं चचेरे भाई चिन्मय सिद्धार्थ शाह से प्रेरणा मिली। उल्लेखनीय है कि चिन्मय ने अपने पांचवें जन्मदिन पर बाघ, चीता, मोर, बंदर तथा निशाचर पक्षियों को गोद लेकर पहले ही उदाहरण प्रस्तुत किया था।उनके नाना ने उन्हें गिद्ध को गोद लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि गिद्ध प्रजाति आज विलुप्त होने की कगार पर है, जबकि पहले यह सामान्य रूप से देखने को मिलती थी।यह पहल न केवल प्रेरणादायक है, बल्कि युवा पीढ़ी में वन्यजीव संरक्षण के प्रति जागरूकता का संदेश भी देती है। इस अवसर पर टीना मोता (शेव गांव), प्रियल नागड़ा, प्रेक्षा नागड़ा सहित अन्य उपस्थित रहे।

ईसीआईएल में इंजीनियरिंग अप्रेंटिश प्रशिक्षण का शुभारंभ

तकनीकी ज्ञान, प्रौद्योगिकी कौशल तथा विकास का प्रभावी समन्वय

हैदराबाद, 06 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल) में इंजीनियरिंग अप्रेंटिस प्रशिक्षण के क्षेत्र में निरंतर अग्रसर है। इस दिशा में इंजीनियरिंग प्रशिक्षण के तृतीय बैच का शुभारंभ किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग, कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग- शाखाओं के चयनित प्रशिक्षुओं को ईसीआईएल में संचालित विभिन्न अनुसंधान एवं विकास संबंधी प्रौद्योगिकी गतिविधियों की जानकारी प्रदान की गई। इस अवसर पर कॉरपोरेट प्रशिक्षण एवं विकास केंद्र के प्रबंधक एवं प्रभारी डॉ. राजनारायण अवस्थी ने प्रशिक्षुओं को ईसीआईएल के गौरवशाली इतिहास तथा इसकी स्थापना के बाद विभिन्न दशकों में प्रौद्योगिकी की उपलब्धियों के साथ-साथ प्रमुख प्रौद्योगिकियों जैसे नियंत्रण, स्वचालन एवं स्काडा प्रणाली, विकिरण संसूचक एवं

उपकरणीकरण, एंटेना एवं सैटकॉम प्रणाली, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर प्रणाली, स्ट्रैटेजिक इलेक्ट्रॉनिक्स एवं मिसाइल सपोर्ट प्रणाली, उपकरण प्रणाली, एकीकृत सुरक्षा समाधान, सर्वो उत्पाद एवं इनेर्शियल नेविगेशन प्रणाली, सूचना प्रौद्योगिकी, ई-गवर्नेंस तथा सूचना सुरक्षा आदि के बारे में पावर पॉइंट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आने वाला समय 'विकसित भारत' के निर्माण का समय है और इंजीनियरिंग के क्षेत्र में नवाचार एवं चुनौतियों को अवसरों में बदलने वाले युवा इंजीनियर राष्ट्र की प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

इसके लिए विषय का गहन ज्ञान, समय प्रबंधन, आधुनिक तकनीकों की जानकारी तथा आत्म-अनुशासन अत्यंत आवश्यक है। प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण अवधि के दौरान ईसीआईएल के विभिन्न प्रभागों जैसे संचार प्रणाली प्रभाग, सर्वो प्रणाली प्रभाग, एंटेना उत्पाद एवं सैटकॉम प्रभाग, सुरक्षा प्रणाली प्रभाग, विशेष उत्पाद प्रभाग, विकिरण संसूचन प्रभाग, रिएक्टर परियोजना, सामरिक इलेक्ट्रॉनिक्स प्रभाग तथा अभियांत्रिकी सेवा प्रभाग में व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

अप्रेंटिश प्रशिक्षण की दिशा में ईसीआईएल एक राष्ट्रीय स्तर का संस्थान बन बया है। भारत सरकार की विभिन्न कौशल विकास परियोजना में भी ईसीआईएल की महत्वपूर्ण सहभागिता है। कार्यक्रम में चयनित प्रशिक्षुओं ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि ईसीआईएल में उन्हें अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों को सीखने तथा व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने का महत्वपूर्ण अवसर मिलेगा।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में एम. वम्शी कृष्णा, उप प्रबंधक; आर. स्वामी, सहायक अधीक्षक, सीएलडीसी का विशेष सहयोग रहा।

श्री जगन्नाथ मठ में 27-कुंडीय लक्ष्मी नारायण महायज्ञ 18 मई से

108 ब्राह्मणों द्वारा श्रीमद्भागवत पाठ एवं 18 महापुराणों के व्याख्यान भी होंगे

हैदराबाद, 06 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

श्री जगन्नाथ मठ, माधवदास झीरा में आगामी पवित्र पुरुषोत्तम मास के संदर्भ में एक विशेष बैठक का आयोजन श्री जगन्नाथ मठ के महंत अच्युत रामानुजाचार्य अजय स्वामी के पावन सानिध्य में किया गया। आज यहाँ जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में महंत अच्युत रामानुजाचार्य ने बताया कि पावन पुण्य पुरुषोत्तम मास में, श्री जगन्नाथ मठ, माधवदास झीरा में प्रति अधिक मास की भांति इस पावन समय में आगामी 18 मई से 26 मई 2026 तक श्री जगन्नाथ मठ में दिव्य, भव्य, विश्वशांति, लोककल्याणार्थ, पितृ मोक्ष प्राप्ति शांति एवं संतान प्राप्ति, सर्व देह, धन, विद्या, आयु लाभकारी एवं समस्त रोग-पीड़ा निवारण हेतु श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है।

वैकुंठवासी श्री श्री श्री त्रिदण्डी श्रीनिवास व्रतधर नारायण रामानुर्जा जीयर स्वामीजी के आशीर्वाद से श्री जगन्नाथ मठ (माधवदास झीरा) के तत्वावधान में श्री जगन्नाथ मठ (माधवदास झीरा) सीताराम बाग में आयोजित मीटिंग में उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं ने अपनी सहमति प्रदान करते हुए समिति का गठन एवं कार्य को सुचारु रूप से करने के प्रस्ताव को स्वीकार किया। उन्होंने आगे कहा कि परम पूज्य, परम वंदनीय, परम आदरणीय पूर्वाचार्य एवं वैकुंठवासी श्री श्री त्रिदंडी श्रीनिवास व्रतधर नारायण रामानुज जियर स्वामीजी के बताए हुए मार्ग पर चलने तथा कार्यक्रमों को करने की संकल्पित शक्ति प्राप्ति हेतु स्वामी जी का स्मरण किया। आचार्य अजय महाराज मठाधीपति द्वारा संकल्प में निहित शक्ति का उद्घोष करते हुए अनुष्ठान की विस्तृत जानकारी दि. 5 अप्रैल 2026 को सायं 3 बजे से आयोजित बैठक में प्रदान की।27-कुंडीय यज्ञ का विस्तृत कार्यक्रम

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि 27 कुंडीय यज्ञ का आयोजन एवं श्रीमद्भागवत मूल पाठ पारायण 108 ब्राह्मणों द्वारा यजमानों के सुख-समृद्धि हेतु 108 यजमानों के साथ किया जाएगा। साथ ही 18 महापुराणों की विविध व्याख्यान-जानकारी प्रतिदिन अलग-अलग संतों, महंतों एवं जानकारों द्वारा कराई जाएगी। 108 श्रीमद भागवत पाठ पारायण प्रातः 8.30 बजे से 12.30 बजे एवं मध्यान 2 बजे से 4 बजे तक 19 तारीख से 25 तारीख मई 2026 एवं 18 पुराण का व्याखान सायंकाल सत्र में 4.15 मिनट्स से 7.15 व्याखान किया जायेगा एवं सप्थविशंतिये (27) कुण्डीय श्री लक्ष्मी नारायण यज्ञ भगवान विष्णु (नारायण) और माता लक्ष्मी को समर्पित एक अत्यंत शुभ और शक्तिशाली धार्मिक अनुष्ठान है, जो सुख, समृद्धि, अपार धन-संपदा, और वैवाहिक सुख की प्राप्ति के लिए किया जाता है। यह यज्ञ आध्यात्मिक विकास, नकारात्मकता को दूर करने और जीवन में स्थिरता व प्रचुरता लाने के लिए किया जाता है।

यज्ञ के मुख्य पहलू

उद्देश्यः आर्थिक समस्याओं को दूर करने, जीवन में समृद्धि लाने, और पारिवारिक शांति बनाए रखने के लिए यह यज्ञ विशेष माना जाता है। विधिः इस यज्ञ में वेदी का निर्माण, विष्पूवक्जासेन पूजा, कलश स्थापना और मुख्य रूप से लक्ष्मी-नारायण के मंत्रों के साथ 1251 या अधिक आहुतियां दी जाती हैं। महत्व पर प्रकाश डालते हुए स्वामीजी ने कहा कि यह अनुष्ठान जीवन के हर क्षेत्र में सफलता और सौभाग्य लाता है, जिसे अक्सर बड़े स्तर पर संतों या पंडितों के सानिध्य में संपन्न कराया जाता है।

यज्ञ सेवाओं की विस्तृत जानकारी

प्रचार प्रसार संयोजक रिद्धीश जागीरदार ने कहा कि यज्ञ सेवा प्रति जोड़ी यजमान (दैनिक) रु.3,501/-, प्रति जोड़ी यजमान (7 दिन) रु.21,000/-, प्रति कुण्ड यजमान (7 दिन) रु. 51,000/- , 1 टिन शुद्ध घी सेवा रु. 8,100/-, पुष्प सेवा (1 दिन) रु. 21,000/-, फल सेवा (1 दिन) रु. 11,000/-, प्रति यज्ञ मण्डप यजमान रु. 71,000/-, ब्राह्मण वरण यजमान (यज्ञ) रु.1,31,000/-, यज्ञ सेवक वस्त्र सेवा यजमान रु.51,000/-, यज्ञ (विज्ञापन) प्रायोजक प्रतिदिन रु. 31,000/-, भागवत सेवा श्रीमद् भागवत पारायण यजमान रु. 11,000/- (ब्राह्मण दक्षिणा, पुस्तक, आचमनी, माला, आसन), फल सेवा (1 दिन) रु. 11,000/-, पुष्प सेवा (1 दिन) रु.7,100/-, कलश यात्रा सेवा रु.1,100/-, अन्य सेवाएँ, महाप्रसाद सेवा एवं अन्नदान (दैनिक / 9 दिवसीय), चाय सेवा, दूध सेवा, जल सेवा, किराणा सेवा, यज्ञ सामग्री सेवा, ब्राह्मण भोज सेवा, स्मृति चिह्न सेवा, स्टेज बैकड्राप सेवा (21 हजार प्रति नाम), कमान सेवा (रु. 1,21,000/-), विज्ञापन सेवा एवं प्रचार सामग्री - पॉम्पलेट, बैनर, टीवी विज्ञापन आदि में लाभ ले जीवन को धन्य बना सकते हैं।उन्होंने आगे कहा कि अबतक कई परिवारों ने यजमान के रूप में अपने नाम लिखवाए हैं, श्रीमद् भागवत पारायण में पोथी यजमान, प्रतिदिन यजमान, सहयजमान एवं मुख्य यजमान आदि विभिन्न रूप से पहले आओ पहले पाओ के रूप में भाग ले सकेंगे। नाम लिखाने के इच्छुक मठ के कार्यालय या संयोजकगण से सम्पर्क करें।

कार्यक्रम का समय-सारणी

आयोजन समिति के संयोजक जसमत पटेल ने विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि यह आमतौर पर धार्मिक क्षेत्र, गोशाला या तीर्थ स्थान यह किसी मठ मंदिर जैसी पवित्र जगहों या आश्रमों में आयोजित किया जाता है। यह यज्ञ भक्तों को भौतिक और आध्यात्मिक दोनों तरह के लाभ प्रदान करता है। यज्ञ प्रातः 8.30 बजे से मध्यान 12.30 तक चलेगा, सेवा हेतु मुख्य यजमान सेवा, प्रति जोडी यजमान, प्रति कुंड यजमान, सहयोगी यजमान, भागवत पोती यजमान, प्रति दिन प्रसाद व्यवस्था, पुष्पा सेवा, फल सेवा, घी सेवा, किराना सेवा, ब्राह्मण वरण सेवा, कलश यात्रा, चाय सेवा, दूध सेवा, जल सेवा, यज्ञ सामग्री सेवा एवं तन मन से किया गया यज्ञ में सेवा बहुत पुण्य कारी हैं। 26 तारीख को लक्ष्मी नारायण कल्याण उत्सव मनाया जाएगा। 18 पुराण पढ़ने/समझने से आध्यात्मिक ज्ञान एवं पुण्य की प्राप्ति होती है।

मार्गदर्शक समिति एवं समन्वयक

प्रचार संयोजक आलोक प्रसाद तिवारी ने बताया कि इस विशेष कार्यक्रम को मार्गदर्शक शोभाचंद शिवजीराम लोया, मेघराज अग्रवाल, श्शंकरलाल धनराज महेंद्र शिंगनोदिया, नरेंद्र कुमार गोयल, जसमत नान भाई पटेल, जेटमल परमानंद बंसल, शीतारामओम प्रकाश खंडेलवाल, अरुणा किशोर अग्रवाल, घनस्यामदास अग्रवाल, अमित अग्रवाल, महेंद्र रुक्मणीबाई अग्रवाल, महावीर प्रसाद प्रमोद कुमार जी गोयल, चकिलम रामनाया, प्रभातीलाल प्रमोद कुमार गोयंका, डॉ अनंत काबरा, वासुदेव रमेश कुमार जी भालोटिया, श्रीधर तिरुमाला सुनील तिरुमाला, सपना गुप्ता सरितादेवी अग्रवाल, बद्रीप्रसाद नितिन सारदा, श्धनश्याम विनोद कुमार बजाज, सुरजमल गुलाबचंद देवड़ा, जलूरी वामसी कृष्णा, जलूरी श्रीधर, पी. रमेश रविकांत, नीरज सिंह यादव का सहयोग प्राप्त हुआ है।

शोभाचंद शिवजी राम लोया (वेनुगोपाल लोया), मेघराज अग्रवाल, जसवंत भाई पटेल, ओम प्रकाश खंडेलवाल, कैलाश नारायण भांगड़िया, श्गोपाल सोनी, नरेंद्र गोयल, शंकरलाल महेंद्र सिंगोडिया, जेठमल परमानंदमल बंसल, उषा अग्रवाल, बृजलाल निर्मला देवी बंगड़, अरुणा अग्रवाल, कलवती जाजू, अनिल भांगड़िया हैं।

प्रमुख यजमान एवं दानदाता

18 पुराण के मुख्य यजमान अमित जी अग्रवाल (चेन्नई वाले) (श्री चुन्नीलाल दुर्गा प्रसाद बाला विद्या ट्रस्ट) एवं घी सेवा में 300 किलो घी, पुत्र रूपेश अग्रवाल (महेशचंद जी, राजकुमारी वाई बसईवाला) द्वारा तथा एक दिवस अन्नदान सेवा में सहयोग प्रदान करेंगे।

सहयोगी यजमानः तिरुमला श्रीधर सुनील, रमेश जी भालोटिया, सपना गुप्ता एवं सरिता देवी अग्रवाल (एक दिवस अन्नदान सेवा), जय श्री कृष्ण द्वारा 150 पंच पात्र सेवा एवं 108 भागवत पुस्तक सेवा, नीरज सिंह जी यादव, जलूरी वंशी, सत्यनारायण जी शार्दिवाल, प्रभारी लाल प्रमोद कुमार जी गोयनका, कमल किशोर सोनी, महावीर प्रसाद भजनलाल जी गोयल।फल सेवाः रामलाल गंगाविशन जी सारडा (बद्री प्रसाद जी सारडा), दूध सेवा (ब्राह्मणों के लिए): घनश्याम दास जी, विनोद कुमार बजाज, छाछ सेवाः सूरजमल जी, गुलाबचंद जी देवड़ा, यज्ञ समिधा सेवाः चकलम राम्नया, श्रीधर जलूरी एवं समस्त जगन्नाथ भक्त वृंद।

समस्त जगन्नाथ भक्तों से निवेदन है कि इस पुण्य कार्य में सहभागी बनकर धर्मलाभ प्राप्त करें।

बैठक में लव फॉर काऊ फाउंडेशन ट्रस्टी रिद्धीश जागीरदार को उनके जन्मदिवस के अवसर पर मठ की ओर से अभिनंदन किया गया।बैठक में जसमत पटेल, रिद्धीश जागीरदार, कुलदीप व्यास, प्रमोद कुमार व्यास, गोपीला शंकर, आनंद, वेनुगोपाल खंडेलवाल, नंद किशोर शाह, रतन लाल शाह, आलोक प्रसाद तिवारी, दुर्गा प्रसाद दुबे, नारायण शर्मा, सुरेश, प्रेम कुमार, देवी स्वीकृति पांडेय, पन्नालाल भाटी, राजहंस, गौरव लिया, रमेश मोडानी, नीरज यादव, आलोक शुक्ला, सत्यनारायण सरड़ीवाल, श्रीनिवास, जीतेन्द्र अवस्थी, लक्ष्मण, स्वेता शर्मा, राहुल के. अवस्थी, अनिरुद्ध अवस्थी, मधुसूदन शर्मा, भारत कलंत्री, दुनिया अग्रवाल, पूनम, हेमा काकड़ा, आरती काकड़ा, मोनी दुबे, दिव्या रामणा, शशिकला बांग, पूनम वाई, प्रेमलता दयामा, कांता अग्रवाल, मधुवाला उपाध्याय, स्वीटी तिवारी, पुरुषोत्तम दास लाहोटी, रविकांत, रूपेश तिवारी, रामेश्वर बांग, ग्रंथ भारद्वाज एवं समस्त भक्त वृंद उपस्थित थे।

अन्नदान सबसे बड़ा पुण्य: जगत नारायण अग्रवाल बोले- यहीं से जीवित रहती है मानवता की असली पहचान

हैदराबाद, 06 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में आयोजित अन्नदान कार्यक्रम में सेवा और संवेदना का ऐसा दृश्य देखने को मिला, जिसने हर दिल को छू लिया। इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल ने अपने भावपूर्ण विचार व्यक्त करते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति में अन्नदान को सर्वोच्च और पवित्रतम कार्य माना गया है। यह केवल भूख मिटाने का माध्यम नहीं, बल्कि इंसानियत को जिंदा रखने का सबसे सशक्त रास्ता है।

उन्होंने कहा, जब किसी जरूरतमंद के हाथ में भोजन की थाली पहुंचती है, तो वह केवल अन्न नहीं होता, बल्कि उसमें हमारी करुणा, सम्मान और प्रेम भी समाहित होता है। यही सच्चा धर्म है, यही सबसे बड़ा पुण्य है। उनके इन शब्दों ने वहां उपस्थित सभी लोगों को भावुक कर दिया।

जगत नारायण अग्रवाल ने आगे कहा कि राधे-राधे ग्रुप का यह सेवा कार्य एक अभियान नहीं, बल्कि एक सतत संकल्प है, जो हर दिन समाज में आशा और सहारा बनकर उभर रहा है। राधे रानी की कृपा और सभी सदस्यों की निस्वार्थ भावना ही इस कार्य को निरंतर गति दे रही है।

इसी क्रम में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने सोमवार को अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यहां बड़ी संख्या में जरूरतमंदों को ससम्मान भोजन वितरित किया गया। भोजन प्राप्त करते समय उनके चेहरों पर जो संतोष और आभार झलक रहा था, उसने पूरे माहौल को भावुक और प्रेरणादायक बना दिया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी सदस्यों ने तन-मन से सेवा में भाग लेते हुए यह संदेश दिया कि समाज में बदलाव लाने के लिए बड़े साधनों की नहीं, बल्कि बड़े दिल की आवश्यकता होती है।

इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल, गोविंदराम पचेरिया, महेश गोयल, पन्नालाल अग्रवाल, रेनू शर्मा, मीना गोयल, लता अग्रवाल, शर्मिला अग्रवाल, नीलम विजयवर्गीय, कृष्ण पाल, आशीष सहित अनेक सेवा भावी सदस्य उपस्थित रहे, जिन्होंने इस पुनीत कार्य को सफल बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

अशोक तातेड़ की पत्नी प्रिया तातेड़ को उनके जन्मदिन पर बधाई देते हुए कमलादेवी, शोभा देवी, अनिल नंदा, महावीर संतोष, अरविंद, हेमा, शेरमल बिंदिया, ध्रुव, लिखित, दर्शन, नमिता, नेत्रा, उर्वश, धुन, येशा, फागुन एवं तातेड़ परिवार।

भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस के अवसर पर तेलंगाना प्रदेश कार्यालय में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पार्टी के कई वरिष्ठ नेता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष रामचंद्र राव, संगठन मंत्री चंद्रशेखर, व्यापारिक प्रकोष्ठ के वरिष्ठ सहसंयोजक सतीश कुमार जाजू, पूर्व विधायक प्रेम सिंह राठौड़, पूर्व मेयर बी कार्तिक रेड्डी, तेलंगाना प्रदेश भाजपा के महासचिव गौतम राव, व्यापारिक प्रकोष्ठ की संयोजिका श्रीमती शारदा व अन्य भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

सुलेमान ख़तिब का संगीत नाटक का आयोजन 12 को

हैदराबाद, 6 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद जैसे सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक रूप से समृद्ध शहर में साहित्य, संस्कृति एवं ललित कलाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से केवड़े का बन नामक एक भव्य संगीत नाटक का आयोजन किया जा रहा है। यह अनूठी एवं स्मरणीय सांस्कृतिक प्रस्तुति दिनांक : 12 अप्रैल, 2026 को सायं 7 : 00 बजे से शहर के प्रतिष्ठित सांस्कृतिक केंद्र रवींद्र भारती में आयोजित होगी।

कार्यक्रम के सुव्यवस्थित एवं गरिमामय संचालन हेतु सभी दर्शकों से अनुरोध है कि वे सायं 6 : 30 बजे तक कार्यक्रम स्थल पर उपस्थित होना सुनिश्चित करें। यह संगीत नाटक प्रख्यात दक्कनी उर्दू व्यंग्यकार एवं हास्य लेखक सुलेमान ख़तिब की रचनाओं को आधुनिक रंगमंच तकनीकों, मधुर संगीत एवं प्रभावशाली अभिनय के माध्यम से प्रस्तुत करने का एक सृजनात्मक एवं आकर्षक प्रयास है। इस कार्यक्रम की विशेषता दक्कनी संस्कृति, समाज एवं जनजीवन का कलात्मक चित्रण है, जो दर्शकों को दक्कन की समृद्ध परंपराओं की सजीव झलक प्रदान करेगा। कार्यक्रम में छोरा झूरी, पाओ हकीम एवं सास बेओ जैसी प्रसिद्ध दक्कनी कृतियों के साथ अन्य चयनित रचनाओं का मंचन संगीत के समन्वय के साथ आधुनिक रंगमंच शैली में किया जाएगा। यह प्रस्तुति दक्कनी संस्कृति की सामाजिक संरचना को प्रभावशाली ढंग से उकेरते हुए दर्शकों के भावनात्मक एवं कलात्मक अनुभव को और अधिक समृद्ध बनाएगी।

चित्रकूट में आयोजित अखिल भारतीय अग्रवाल महासभा की बैठक में नवनिर्वाचित अध्यक्ष सतीश अग्रवाल (मुरैना) का सम्मान करते हुए तेलंगाना गौशाला फेडरेशन के अध्यक्ष महेश अग्रवाल व अन्य सदस्य।

कृष्ण नगर स्थित विख्यात फिल्म निर्माता एवं निदेशक वेंकट रमना रेड्डी (दिल राजू) को स्मृति चिन्ह भेंट कर संस्था की जानकारी देते हुए लव फॉर काऊ फाउंडेशन के चेयरमैन जसमत पटेल। साथ में है तरुण मेहता, पूजा पटेल एवं अन्य।

पचेरी अग्रवाल समिति ने भव्य कलश यात्रा का किया स्वागत

हैदराबाद, 06 अप्रैल
(शुभ लाभ ब्यूरो)।

घांसीबाजार स्थित श्री रानी सती दादी मंदिर (नारायणी फाउंडेशन) के 50वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में निकाली गई भव्य कलश यात्रा का पचेरी अग्रवाल समिति द्वारा भव्य स्वागत किया गया। यह स्वागत घांसीबाजार स्थित पी. सत्यनारायण भवन के पास किया गया।

जारी प्रेस विज्ञप्ति में समिति के प्रचार-प्रसार संयोजक महावीर प्रसाद डोकानिया ने बताया कि समिति के अध्यक्ष श्री कैलाश चंद पचेरीया ने स्वागत मंच पर उपस्थित सभी सदस्यों का स्वागत किया। इसके पश्चात समिति के सभी सदस्यों द्वारा भव्य कलश यात्रा का फूलों की वर्षा कर स्वागत किया गया। साथ ही नारायणी फाउंडेशन के ट्रस्टियों का भी समिति की ओर से सम्मानपूर्वक अभिनंदन किया गया।

इस कार्यक्रम में समिति के अध्यक्ष कैलाश चंद पचेरीया, गोविंदराम पचेरीया, ओम प्रकाश पचेरीया, श्याम सांवरिया, मनोज पचेरीया, गोपाल पचेरीया, श्री गोवर्धन पचेरीया, भजनलाल पचेरीया, महावीर प्रसाद डोकानिया, मुकेश पंचारिया, सीता देवी पंचारिया, सरिता डोकानिया सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

बांसवाड़ा में स्थापना दिवस मनाया गया

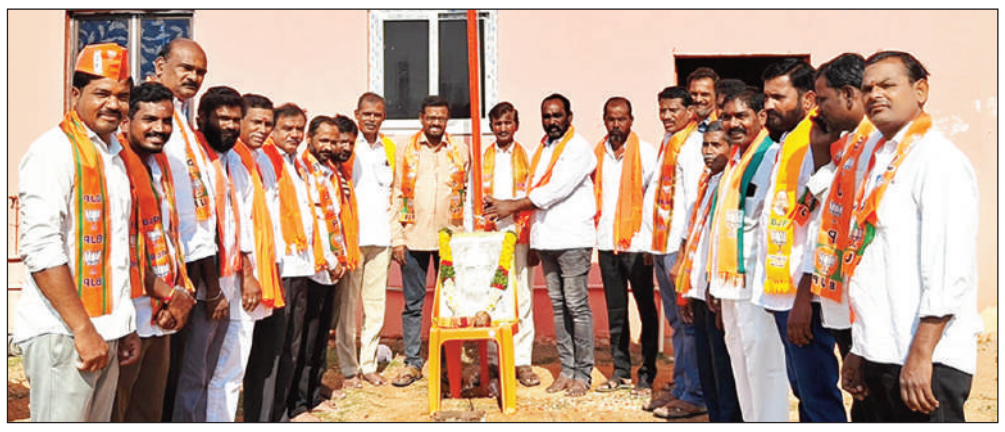

बांसवाड़ा, 06 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस के अवसर पर बांसवाड़ा बीजेपी टाउन प्रेसिडेंट कोनाला गंगारेड्डी ने पार्टी ऑफिस में ध्वज फहराया।

इस मौके पर उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की स्थापना 6 अप्रैल, 1980 को हुई थी । उन्होंने बताया कि अटल बिहारी वाजपेयी बीजेपी के पहले राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने गए और उनके नेतृत्व में यह पार्टी दो संसदीय सीटों से बढ़कर कई दशकों में देश की सबसे बड़ी राजनीतिक शक्ति बनकर उभरी।

इसके बाद उन्होंने कहा कि आज बीजेपी 19 राज्यों में सत्ता में है और पार्टी की सदस्यता कई करोड़ के पार पहुंच चुकी है। 2014 में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में यह पार्टी देश पर शासन कर रही है और आगे भी लोगों की उम्मीदों को पूरा करती रहेगी। उन्होंने दावा किया कि नरेंद्र मोदी की कल्याणकारी योजनाओं के कारण लोग बीजेपी की ओर देख रहे हैं और आने वाले दिनों में तेलंगाना में भी बीजेपी सत्ता में आएगी।

इस कार्यक्रम में बीजेपी जिला महासचिव श्रीनिवास रेड्डी, जिला उपाध्यक्ष चिदुरा सैलू, जिला सचिव शंकर गौड़, किशन मोर्चा जिला सचिव मोहन रेड्डी, इगझ नगर पालिका पार्षद गजाला महेश, पूर्व जिला महासचिव साई रेड्डी, पूर्व जिला उपाध्यक्ष लक्ष्मीनारायण, पूर्व विधानसभा संयोजक श्रीनिवास, बीजेपी शहरी महासचिव चिरंजीवी सिद्दी बलराज, चीकटला राजू, पाशम भास्कर रेड्डी, श्यामला श्रीकांत, कोंडानी गंगाराम, शंकर, महेंद्र रघुवीर नागराजू, साई रेड्डी, पुरुषोत्तम और महेंद्र रेड्डी सहित अन्य पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भाजपा स्थापना दिवस के उपलक्ष में भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में भाजपा तेलंगाना अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष जगमोहन सिंह जी, प्रदीप सुराणा, हरप्रीत सिंह, गुरुदीप सिंह, मोहिंदरपाल सिंह, गुरुचरण सिंह, मनमोहन सिंह, मुकेश जैन चौहान, जयसिंह सुराणा, सतीश हुंडिया, सविता रायसोनी, सोनाली सुराणा, शैला मौला, श्वेता बरलोटा जूली, नीरज सुराणा, चन्दना सुराणा, रीदा कुद्दूस तथा विशाल संख्या में भाजपा कार्यकर्ता शामिल हुए।

चप्पल में जीपीएस लगाकर पति ने बेवफा पत्नी को रंगेहाथ पकड़ा

पटना, 06 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

पटना के फुलवारीशरीफ थाना क्षेत्र के एकता नगर में एक युवक ने पत्नी पर शक होने पर उसकी चप्पल में जीपीएस (ग्लोबल पोजीशनिंग सिस्टम) डिवाइस लगाकर उसे प्रेमी के साथ रंगेहाथ पकड़ लिया, जिसके बाद घर से लेकर थाने तक लंबा हाईवोल्टेज ड्रामा चला।

जानकारी के मुताबिक, पति को लंबे समय से पत्नी के गैरशादीशुदा व्यक्ति से नाजायज संबंध होने का शक था। इसी आधार पर उसने बिना बताए पत्नी की चप्पल और घर के कुछ हिस्सों में जीपीएस डिवाइस लगा दिया, ताकि उसकी लोकेशन लगातार ट्रैक की जा सके। शनिवार को जब वह काम पर गया, तो मोबाइल के जरिए लगातार लोकेशन देखता रहा। कुछ देर बाद जब लोकेशन एक संदिग्ध स्थान पर ठहरी, तो वह तुरंत वहीं पहुंच गया। दरवाजा खुलते ही उसने अपनी पत्नी को एक अन्य युवक के साथ आपत्तिजनक स्थिति में देख लिया।घटनास्थल पर जमकर हंगामा हुआ, शोरशराबा सुनकर आसपास के लोग जुट गए और मामला तेजी से गरमाया। इसके बाद पति ने कथित प्रेमी का हथियार भी छीन लिया और मारपीट भी हुई। सूचना मिलते ही फुलवारीशरीफ थाना पुलिस मौके पर पहुंची और पति, पत्नी तथा कथित प्रेमी तीनों को हिरासत में लेकर थाने ले आई। थाने में दोनों पक्षों के बीच लंबी बहस और आरोपप्रत्यारोप चला, जिससे माहौल तनावपूर्ण बना रहा।थाना प्रभारी शाहनवाज आलम के अनुसार तीनों ने लिखित रूप में कहा कि वे इस मामले में कोई कानूनी कार्रवाई नहीं चाहते। इसके बाद पुलिस ने सभी तीनों को छोड़ दिया। इस मामले में टेक्नोलॉजी के जरिए रिश्तों में निगरानी करने और इसके बाद उत्पन्न विवाद पर सामाजिक और पारिवारिक स्तर पर सवाल भी उठ रहे हैं।

भूख मिटी, दिल जुड़े: निर्मला केडिया

हैदराबाद, 06 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में सोमवार को नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिलर नंबर 1265 ए के पास नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सेवा, संवेदना और समर्पण से ओतप्रोत इस कार्यक्रम में जरूरतमंदों को प्रेमपूर्वक भोजन वितरित कर मानवता का जीवंत उदाहरण प्रस्तुत किया गया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए निर्मला केडिया ने भावुक होकर कहा कि राधे-राधे ग्रुप जिस निस्वार्थ भाव से सेवा कर रहा है, वह केवल एक कार्य नहीं बल्कि सच्ची मानवता की मिसाल है। उन्होंने कहा कि किसी भूखे को भोजन कराना सबसे बड़ा पुण्य है और यह सेवा लोगों के दिलों को जोड़ने का कार्य करती है।

कार्यक्रम में राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, भगत राम गोयल, रवि शर्मा, कैलाश केडिया, निर्मला केडिया, जय प्रकाश सारड़ा, जगन इलाकुर्थी, सुरेश सिंघल एवं सोहनलाल दायमा सहित कई सेवाभावी सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर पूरे समर्पण के साथ अन्नदान सेवा में भाग लिया और जरूरतमंदों के चेहरे पर मुस्कान लाने का प्रयास किया।राधे-राधे ग्रुप द्वारा लगातार किए जा रहे ऐसे सेवा कार्य समाज में करुणा, प्रेम और सहयोग की भावना को मजबूत कर रहे हैं, जो हर किसी के लिए प्रेरणा का स्रोत बनते जा रहे हैं।

भाजपा स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में निवर्तमान पार्षद राकेश जायसवाल, लाल सिंह, भबूतसिंह राजपुरोहित, विजय सुराणा, हरिकिशन ओझा, प्रदीप सुराणा, मीनाक्षी सिखवाल, चंदना सुराणा तथा विशाल संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

तेलंगाना में किसी के साथ भेदभाव नहीं : सचिन सावंत

बीएसएस अध्यक्ष बिनय कुमार यादव ने उठाए उत्तरभारतीयों के मुद्दे

हैदराबाद, 06 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बिहार सहयोग समिति, तेलंगाना के अध्यक्ष बिनय कुमार यादव ने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के सचिव एवं तेलंगाना कांग्रेस के सह-प्रभारी सचिन सावंत से प्रजा भवन, हैदराबाद में मुलाकात की। इस दौरान बिनय कुमार यादव ने उत्तरभारतीय समाज से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर उनका ध्यान आकृष्ट कराया।

मुलाकात के दौरान सचिन सावंत ने कहा कि प्रदेश में कांग्रेस सरकार मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी एवं पीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ के नेतृत्व में चौतरफा विकास कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार बिना किसी भेदभाव के सभी वर्गों के लिए कार्य कर रही है और कांग्रेस पार्टी जनता की सरकार है।सावंत ने स्पष्ट किया कि कांग्रेस ने कभी सत्ता या कुर्सी के लिए संघर्ष नहीं किया, बल्कि हमेशा लोगों के कल्याण को प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी गरीबों, कमजोरों और युवाओं के अधिकारों के लिए निरंतर संघर्ष करती रही है।उन्होंने उत्तरभारतीय समाज की सराहना करते हुए कहा कि यह समाज अत्यंत मिलनसार एवं मेहनती है और कांग्रेस के साथ उनका गहरा संबंध रहा है। कांग्रेस पार्टी उनकी भलाई के लिए तेलंगाना में हर संभव प्रयास करेगी।सावंत ने आगे कहा कि राजस्थान, बिहार, उत्तर प्रदेश सहित देश के विभिन्न राज्यों से आए लोग कई पीढ़ियों से तेलंगाना के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। अब इनमें से अनेक परिवारों की जन्मभूमि और कर्मभूमि तेलंगाना बन चुकी है।उन्होंने दोहराया कि तेलंगाना में किसी के साथ भेदभाव नहीं होता है और जो लोग कानून एवं नियमों का पालन करते हैं, उन्हें किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ता। सरकार उत्तरभारतीय समाज की समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है।उन्होंने आगामी जीएचएमसी चुनावों का उल्लेख करते हुए कहा कि सभी को मिलकर कार्य करना होगा। इस अवसर पर तेलंगाना भाषाई अल्पसंख्यक कांग्रेस के चेयरमैन राजेश अग्रवाल भी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

आंध्र प्रदेश : नहर में कार गिरने से दंपति की मौत, चार लोग बचाए गए

राजमहेंद्रवरम, 06 अप्रैल (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के पूर्वी गोदावरी जिले में एक कार नहर में जा गिरी और इस दर्दनाक सड़क हादसे में एक दंपति की मौत हो गई। यह घटना मंडपेट मंडल के तापेश्वरम गांव के पास सोमवार को हुई।

पुलिस के अनुसार, मृतकों की पहचान बोगिल्ली वीरा वेंकट सतीश (40) और किरणमैया (36) के रूप में हुई है। दोनों काकीनाडा में एक शादी समारोह में शामिल होकर अपने गांव वेलगथोडू लौट रहे थे, तभी उनकी कार अनियंत्रित होकर सड़क से उतर गयी और सिंचाई वाली नहर में जा गिरी।हादसे में कार में सवार सतीश के माता-पिता और उनके दो बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। स्थानीय लोगों और बचाव दल की मदद से सभी को समय रहते बचा लिया गया। बाद में वाहन को नहर से बाहर निकाला गया और दोनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए अमलापुरम के सरकारी अस्पताल भेज दिया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जैन दिवाकर चालिसा का मंगलमय महाचमत्कारी 101वां मासिक जाप सम्पन्न

हैदराबाद, 06 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जैन दिवाकर जगत वल्लभ, प्रसिद्ध वक्ता एवं पंडित रत्न पूज्य गुरूदेव श्री चौथमल जी एम.एस.ए. के मंगलमय महाचमत्कारी जैन दिवाकर चालिसा का मासिक जाप, सोहनलाल, अनिल कुमार, अरविंद कुमार तातेड परिवार के निवास स्थान हसमतपेट पर सामायिक के साथ संपन्न हुआ।

संघ के महामंत्री अशोक बाबेल ने जानकारी देते हुए कहा कि इस जाप में दिवाकर संघ के अनिल जी तातेड को अखिल भारतीय जैन दिवाकर संगठन समिति चित्तौड़गढ़, रजिस्टर्ड के राष्ट्रीय मार्गदर्शक पद पर मनोनीत करने पर श्री जैन दिवाकर संघ हैदराबाद-सिकंदराबाद द्वारा शालमाला से सम्मानित किया गया। साथ ही श्री गौतम जी श्रीश्रीमाल को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पद पर मनोनीत करने पर भी उनका सम्मान किया गया।

जाप में संघ अध्यक्ष मदनलाल संचेती, महामंत्री अशोक बाबेल, कोषाध्यक्ष अशोक तातेड, गौतम श्रीश्रीमाल, विनोद श्रीश्रीमाल, विमलेश कोठारी, महावीर तातेड, शेरू तातेड, ध्रुव तातेड, अरविंद तातेड, लिखित तातेड, संजय खींवसरा आदि उपस्थित थे।संपतल राज जी कोठारी को श्री महावीर सेवा संघ द्वारा 'जैन रत्न' से अलंकृत होने पर संघ के सदस्यों द्वारा शालमाला से सम्मानित किया गया और तातेड परिवार के सदस्यों द्वारा भी उन्हें शालमाला से भव्य रूप से बहुमानित किया गया।

भाजपा के 47वें स्थापना दिवस पर गोशामहल में ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 6 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

भारतीय जनता पार्टी के 47वें स्थापना दिवस के अवसर पर गोशामहल डिवीजन (वार्ड-51) के कॉर्पोरेटर लाल सिंह, जामबाग के पार्षद राकेश जायसवाल, ने डिवीजन के विभिन्न स्थानों पर आयोजित ध्वजारोहण कार्यक्रमों में भाग लिया।

इस कार्यक्रम में श्री दर्शन (जियागुड़ा कॉर्पोरेटर), एल. दीपक रेड्डी, मेट्टू वैकुंठम (पूर्व कॉर्पोरेटर), कमल सिंह, सोमराज सिंह (गोशामहल डिवीजन अध्यक्ष), विपिन जी, जयपाल जी, सुरेश जोशी, प्रशांत, श्रीकांत, गुणवंत राव, महेश, अक्षय साहू, राजा जोहरी, रोहित जोहरी, दीपक, कैलाश सिंह, सुधाकर गौड़ एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

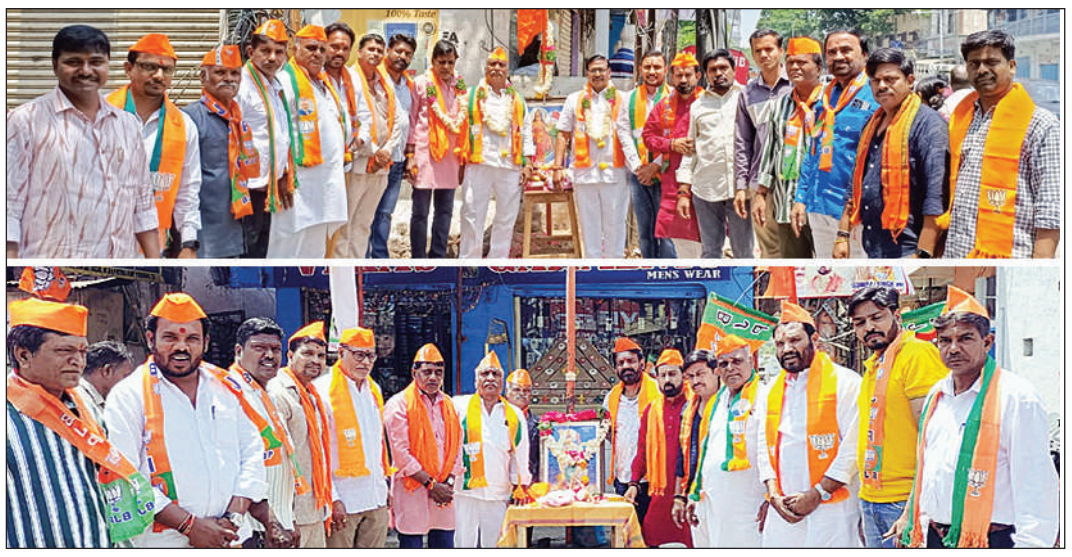

राज्यसभा के सभापति सी. पी. राधाकृष्णन ने नव-निर्वाचित/पुनर्निर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलाई

नई दिल्ली, 6 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

राज्य सभा के सभापति सी. पी. राधाकृष्णन ने सोमवार को उन्नीस नव-निर्वाचित व पुनर्निर्वाचित सदस्यों को राज्यसभा कक्ष में शपथ व प्रतिज्ञान कराया। शपथ लेने वाले सदस्यों में रामदास बंडू अठावले, श्रीमती माया चिंतामन इवनाटे, शरदचंद्र पवार, रामराव सखाराम वडकुटे, डॉ. ज्योति नागनाथ वाघमारे, क्रिस्टोफर मणिक्कम, डा. अंबुमणि रामादॉस, कॉन्स्टैंडिन रविंद्रन, एल. के. सुधीश, डा. मु. तंबी दुरै, श्रीतरुची शिवा, बाबुल सुप्रियो बराल, डा. मेनका गुरुस्वामी, राजीव कुमार, सुश्री रुक्मिणी मल्लिक, बिस्वजीत सिन्हा, सन्तृप्त मिश्रा, दिलीप कुमार राय और मनमोहन सामल शामिल थे।

तीन सदस्यों ने मराठी में, दो ने हिन्दी में, छह ने तमिल में, एक ने अंग्रेज़ी में, चार ने बंगला में और तीन ने ओडिया में शपथ ली। पांच सदस्य महाराष्ट्र राज्य से, छह तमिलनाडु से, पांच पश्चिमी बंगाल से और तीन ओडिशा से हैं।

किरेन रिजिजु, संसदीय कार्य मंत्र तथा अल्पसंख्यक कार्य मंत्री जुएल ओराम, जनजातीय कार्य मंत्री, पी. सी. मोदी, राज्य सभा के महासचिव और राज्य सभा सचिवालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

CHANGE OF NAME
I, SANJAY DEVI Spouse of Service No.JC 752891P Sub Maj MADAN MOHAN OJHA, Residing at F-19, Tirupati Supreme Enclave, Jalan Nagar, Dist:Aurangabad, Maharashtra-431001 have changed my name from SANJAY DEVI to SANJAYDEVI OJHA vide affidavit dt:06-04-2026 before 1 Spl Judicial Magistrate, Medchal Malkajgiri Dist at L.B.Nagar

आंध्र प्रदेश: बिजली गिरने से माँ-बेटी की मौत, सरकार ने मुआवजे की घोषणा की

श्रीकाकुलम, 06 अप्रैल (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम जिले में एक दर्दनाक हादसे में मां और बेटी की बिजली गिरने से मौत हो गई। यह घटना मंदासा मंडल के पेद्दकेसुपुरम गांव में रविवार रात हुई।पुलिस के अनुसार, मृतकों की पहचान मडिया कृष्णा कुमारी (45) और उनकी बेटी येगेस्वरी (15) के रूप में हुई है। दोनों काजू के बागान में काम कर रही थीं।

बारिश शुरू होने पर वे एक पेड़ के नीचे शरण लेने लगीं, तभी अचानक बिजली गिरने से दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। राज्य के कृषि मंत्री के अच्चन्नायडु ने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया और पीड़ित परिवार को 4 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की।इस बीच, आंध्र प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के प्रबंध निदेशक प्रखर जैन ने चेतावनी जारी करते हुए कहा कि एलुरु, पलनाडु और प्रकाशम जिला सहित कई जिलों में गरज-चमक और बिजली के साथ बारिश की संभावना है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि खराब मौसम के दौरान खुले स्थानों और पेड़ों के नीचे शरण लेने से बचें और सतर्क रहें।

रसोई गैस नहीं होने के कारण फलों पर गुजारा कर रहा हूं : के. नारायण

हैदराबाद, 06 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) के राष्ट्रीय नियंत्रण आयोग के अध्यक्ष के. नारायण ने रसाई गैस की बढ़ती कीमतों और कमी को लेकर केंद्र सरकार पर हमला बोलते हुए कहा है कि गैस नहीं होने के कारण फलों पर गुजारा कर रहा हूं।

श्री नारायण ने आम लोगों को हो रही मुश्किलों को उजागर करने के लिए व्यंग्य का सहारा लेते हुए एक वीडियो बयान में कहा कि हालात इतने खराब हो गये हैं कि गैस की कमी के कारण वह घर पर खाना नहीं बना पा रहे हैं और 'फलों पर गुजारा करने को मजबूर हैं।' उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा, गैस नहीं... हालात 'लंका में बापनय्या' जैसे हो गये हैं। यह बताते हुए कि चाय या कॉफी जैसी बुनियादी चीजें बनाना भी नामुमकिन हो गया है। उन्होंने कहा कि उनकी यह टिप्पणी पूरे देश के घरों में सामने आ रही बड़ी सच्चाई को दर्शाती है।

श्री नारायण ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि केंद्र सरकार लोगों के रोजमर्रा के जीवन को प्रभावित करने वाले मुद्दों पर देश को गुमराह कर रही है। उन्होंने बढ़ती कीमतों को नियंत्रित करने और रसोई गैस जैसी जरूरी चीजों की उपलब्धता सुनिश्चित करने में नाकाम रहने के लिए सरकार की आलोचना की। सीपीआई नेता ने कहा कि बढ़ती कीमतों का बोझ आम परिवारों पर बहुत अधिक पड़ रहा है। उन्होंने केंद्र सरकार से इस मुद्दे को सुलझाने और जनता को राहत देने के लिए तुरंत कदम उठाने की भी अपील की।

रेवंत ने बासर मंदिर के पुनर्निर्माण की आधारशिला रखी

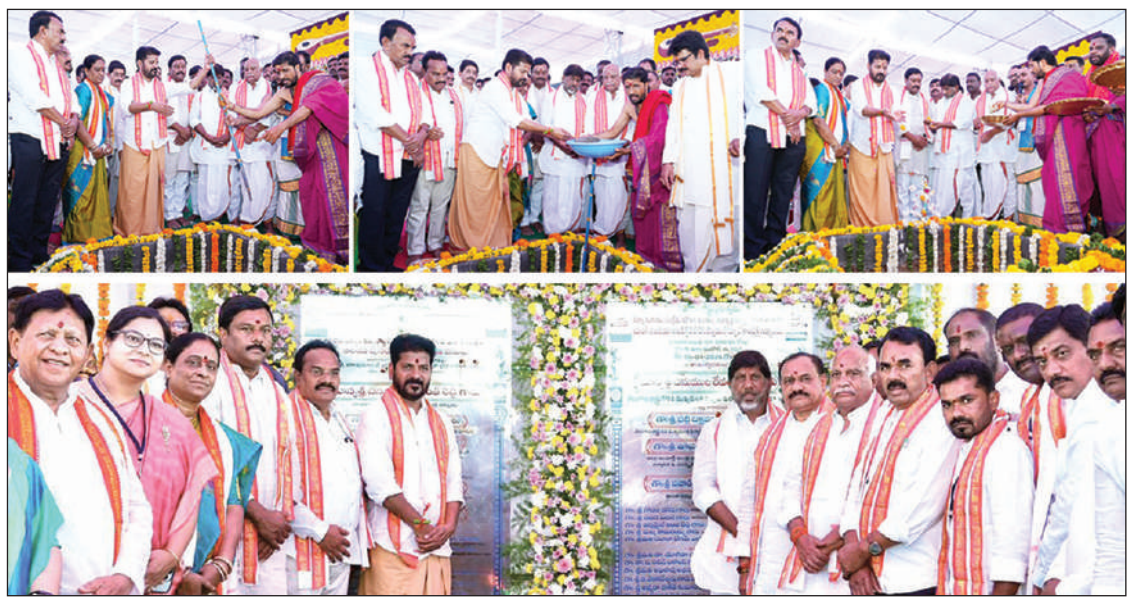

निर्मल, 06 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने सोमवार को बासर में सरस्वती देवी मंदिर के पुनर्निर्माण की आधारशिला रखी।इससे पहले मुख्यमंत्री ने अपने परिवार के साथ बासर मंदिर में पूजा-अर्चना की। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि श्रृंगेरी पीठम की मंजूरी से शुरू किए गए इस पुनर्निर्माण कार्य में नौ मंजिला राजगोपुरम, उत्तर-पूर्व दिशा में एक मंदिर सरोवर और बेहतर बुनियादी ढांचा शामिल होगा। इसकी अनुमानित लागत 225 करोड़ रुपये है। मंदिर का क्षेत्रफल लगभग तीन गुना बढ़ाया जाएगा (20,000 वर्ग फुट से बढ़ाकर 62,000 वर्ग फुट) किया जाएगा जिसमें कतार परिसर, ध्यान कक्ष, भोजन क्षेत्र और बेहतर पहुंच सड़कों जैसी उन्नत सुविधाएं शामिल होंगी। भक्तों की बढ़ती संख्या को देखते हुए गर्भगृह और मंडपम का भी विस्तार किया जाएगा। उन्होंने बताया कि अक्षरभ्यासम का एक प्रमुख केंद्र होने के कारण, यह मंदिर हर साल हजारों तीर्थयात्रियों को आकर्षित करता है। पुनर्निर्माण योजना में आगामी गोदावरी पुष्करम के दौरान भक्तों की अपेक्षित भारी भीड़ को संभालने के लिए भी विशेष व्यवस्थाएं शामिल हैं।

मिलावटखोरों को स्वास्थ्य मंत्री ने दी सख्त कार्रवाई की चेतावनी

हैदराबाद, 06 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजनरसिम्हा ने सोमवार को जलविहार में खाद्य सुरक्षा जागरूकता वॉकाथॉन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जिसमें लगभग एक हजार छात्रों और युवाओं ने हिस्सा लिया था।

यह वॉक आईमैक्स के पास एचएमडीए मैदान पर समाप्त हुई। इसमें स्वास्थ्य, पुलिस और खाद्य सुरक्षा विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। श्री राजनरसिम्हा ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि बदलती जीवनशैली और तेजी से होते शहरीकरण के कारण प्रसंस्कृत और आयातित भोजन पर निर्भरता बढ़ी है, जिससे खाद्य सुरक्षा को लेकर चिंताएं पैदा हुई हैं। उन्होंने मिलावटी और घटिया भोजन के सेवन के प्रति आगाह किया और कहा कि इससे गैस्ट्रोइंटेस्टानल (पेट संबंधी) समस्याओं के साथ-साथ मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग, गुर्दे के विकार और मोटापे जैसी दीर्घकालिक बीमारियां बढ़ रही हैं।उन्होंने कहा कि राज्य में लगभग 1.41 लाख खाद्य संबंधी व्यवसायिक प्रतिष्ठान हैं। इनमें से लगभग 80 फीसदी शहरी क्षेत्रों में केंद्रित हैं, जो रेडी-टू-ईट और प्रोसेस्ड खाद्य उत्पादों की बढ़ती मांग को दर्शाते हैं। उन्होंने सरकार के सख्त रुख अपनाने की बात कहते हुए बताया कि पिछले दो वर्षों में 11,000 से अधिक निरीक्षण किये गये हैं। घटिया सामग्री का उपयोग करने वाले होटलों और रेस्तरां सहित नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई शुरू की गयी है। उन्होंने कहा कि अपराधियों के खिलाफ कानूनी कार्यवाही की जा रही है। उन्होंने चेतावनी भी दी कि मिलावट करने वालों को गंभीर परिणाम भुगतने होंगे।

श्री राजनरसिम्हा ने कहा कि कानून अनुपालन को मजबूत करने के लिए, सरकार ने 24 नये खाद्य निरीक्षक नियुक्त किये हैं और जमीनी निगरानी बढ़ाने के लिए पांच मोबाइल फूड टेस्टिंग वैन तैनात की हैं। उन्होंने यह भी कहा कि परीक्षण क्षमता में सुधार के लिए निजामाबाद, हनमकोंडा और महबूबनगर में 15 करोड़ रुपये की लागत से तीन नये क्षेत्रीय खाद्य परीक्षण प्रयोगशालाएं स्थापित की जायेंगी।मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में राज्य सरकार खाद्य मिलावट के प्रति शून्य सहनशीलता की नीति के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि नशीली दवाओं के दुरुपयोग को रोकने के लिए बनायी गयी विशेष प्रणालियों की तर्ज पर, खाद्य सुरक्षा के लिए एक समर्पित तंत्र पेश किया जायेगा। इसमें आदतन अपराधियों के खिलाफ नजरबन्दी सहित कड़े कानूनी प्रावधान होंगे।

उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि असुरक्षित भोजन न केवल स्वास्थ्य को प्रभावित करता है, बल्कि परिवारों पर वित्तीय बोझ भी डालता है और परोक्ष रूप से राज्य की अर्थव्यवस्था को प्रभावित करता है। रोजगार पैदा करने में खाद्य उद्योग की भूमिका के लिए उसके विकास को प्रोत्साहित करते हुए, उन्होंने इस बात पर बल दिया कि व्यवसायों को जिम्मेदारी से काम करना चाहिए और सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन करना चाहिए। सामूहिक जिम्मेदारी का आह्वान करते हुए, उन्होंने खाद्य व्यवसाय संचालकों, व्यापारियों और उपभोक्ताओं से खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने में मिलकर काम करने का आग्रह किया।

हैदराबाद में धूमधाम से मनाया गया भाजपा का स्थापना दिवस, रामचंद्र राव ने फहराया ध्वज

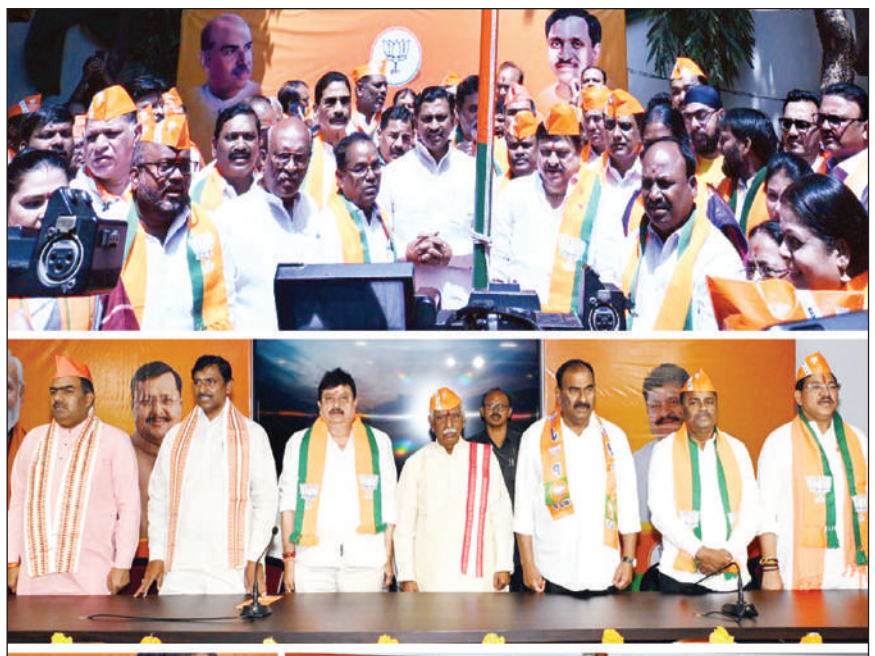

हैदराबाद, 06 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का स्थापना दिवस सोमवार को हैदराबाद स्थित पार्टी के राज्य कार्यालय में उत्साह और भव्यता के साथ मनाया गया। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव ने पार्टी का ध्वज फहराया।

कार्यक्रम में कई वरिष्ठ नेताओं ने भाग लिया, जिनमें पूर्व राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय, भाजपा के राष्ट्रीय नेता मुरलीधर राव, विधान परिषद के फ्लोर लीडर ए.वी.एन. रेड्डी, एमएलसी मल्का कोमुरैया और प्रदेश संगठन महासचिव चंद्रशेखर तिवारी शामिल रहे। बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ताओं की मौजूदगी ने कार्यक्रम को और खास बना दिया।

सभा को संबोधित करते हुए रामचंद्र राव ने कहा कि भाजपा अपने कार्यकर्ताओं के निस्वार्थ समर्पण और बलिदान के कारण आज दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बन चुकी है। उन्होंने कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह अवसर केवल उत्सव नहीं, बल्कि नेशन फर्स्ट की विचारधारा के प्रति प्रतिबद्धता को दोहराने का भी दिन है।

उन्होंने कहा कि साधारण कार्यकर्ताओं से शुरू हुई पार्टी आज एक वैश्विक राजनीतिक शक्ति बन गई है। इसके लिए उन्होंने श्यामा प्रसाद मुखर्जी, दीनदयाल उपाध्याय और अटल बिहारी वाजपेयी जैसे नेताओं द्वारा रखी गई वैचारिक नींव को श्रेय दिया।

रामचंद्र राव ने कार्यकर्ताओं से जनता की आवाज बनने का आह्वान करते हुए तेलंगाना में लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा पर जोर दिया। साथ ही, उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत के निर्माण में योगदान देने की अपील की।

जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं!

निशा अग्रवाल

(धर्मपत्नी : मयूर अग्रवाल)

(पुत्रवधू : स्व. श्री गोपाल अग्रवाल -श्रीमती पुष्पा अग्रवाल)

को

जन्मदिवस पर
हार्दिक शुभकामनाएँ

हर खुशी पर हक हो आपका,
खुशियों भरा सफर हो आपका,
गम कभी करवट न बदले आपकी तरफ,
सदा मुस्कुराता रहे चेहरा आपका।

- शुभकामनाओं सहित -

नथमल सुरेश कुमार बसईवाले

महिन्द्रा हिल्स, सिकंदराबाद

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.